जबलपुर
शनिवार 30 मई 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष -14
वर्ष : 21, अंक : 30
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 44
न्यून. 30

ग्वालियर में बारिश

मौसम विभाग के पूर्वानुमान ने बढ़ाई चिंता

देश में इस साल 'सामान्य से कम'...... बरसात होगी

- ये अलनीनो का ही असर है
- औसतन केवल 90% बारिश होने की उम्मीद
- जून से सितंबर तक बढ़ेगा लू का प्रकोप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय मौसम विभाग ने दक्षिण-पश्चिम मानसून और जून 2026 के लिए मौसम का जो पूर्वानुमान जारी किया है, वह काफी चिंताजनक है। इस साल मानसून कमजोर रहने के आसार हैं, जिसके चलते जून से सितंबर के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी और लू के दिन सामान्य से अधिक होंगे।

कई जिलों में बारिश से मिली राहत

भोपाल। मप्र में नौतपा की भीषण गर्मी के बीच अचानक मौसम का मिजाज बदल गया है। शुक्रवार सुबह ग्वालियर में रुक-रुक कर और मुरैना जिले में तेज बारिश दर्ज की गई।

गांधी नगर में किराए के मकान में खांसी की सिरप का अवैध कारोबार पकड़ा गया

ऑनरेक्स सिरप का रेपर हटाकर उस पर दूसरा रेपर लगाकर किया जा रहा था पैक, 1 करोड़ 33 लाख की सिरप जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात गांधी नगर स्थित डोबरा में एक मकान पर दबिश

देकर 49920 आनरेक्स कफ सिरप की शीशियां बरामद की हैं। बरामद कफ सिरप की कीमत करीब 1 करोड़ 33 लाख रुपए के आसपास है। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी असली कफ सिरप के रेपर हटाकर दूसरे रेपर लगाकर बाजार में बेचते थे, ताकि पकड़ में न आएं। पुलिस ने मकान से कुल दस आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

- 10 आरोपी गिरफ्तार, तीन नाबालिगों से भी कराई जा रही थी पैकिंग
- मैनेजर गिरफ्तार, मालिक और ट्रांसपोर्टर फरार

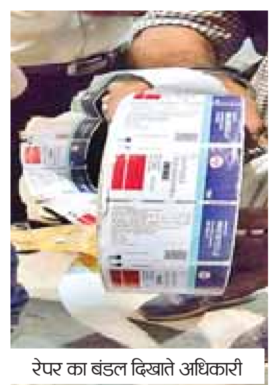

रेपर का बंडल दिखाते अधिकारी

करीब तीन घंटे तक चली कार्रवाई

रात 12 बजे से शुरू हुई एसटीएफ की यह कार्रवाई तड़के तीन बजे तक चलती रही। लोगों ने बताया कि यहां से ट्रांसपोर्ट भी चलता था, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह जहरीला कफ सिरप पैक किया जा रहा है। तलाशी के दौरान दो अलग-अलग कमरों में बड़ी संख्या में कार्टन और बोतलों में भरा प्रतिबंधित कफ सिरप मिला।

पैकेजिंग मशीन और रेपर मिले

एसटीएफ की टीम ने मकान से पैकेजिंग मशीन और रेपर भी बरामद किए हैं। उप पुलिस महानिरीक्षक राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला कि छह महीने से यह अवैध कारोबार चल रहा था। यह भी पता चला है कि आरोपी असली कफ सिरप के रेपर हटाकर दूसरे रेपर लगाकर बाजार में बेचते थे, ताकि पकड़ में न आएं। मामले में ट्रांसपोर्ट करने वाले साहू की तलाश की जा रही है। मालिक अर्जुन भी फरार है। पुलिस ने मकान मालिक को भी तलब किया है। जांच में यह बात सामने आई कि यह कफ सिरप आसपास के गांवों में सप्लाई किया जाता था।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पद्मविभूषण तीजन बाई की तबीयत बिगड़ी

रायपुर। छग की प्रसिद्ध पंडवानी लोक गायिका और पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई की तबीयत

अचानक बिगड़ने के बाद रायपुर एम्स में भर्ती कराया गया है। उन्हें तुरंत आईसीयू में शिफ्ट किया गया। उनकी बहू वेणु देशमुख ने बताया कि मेडिकल जांच में उनके फेफड़ों में पानी भरने, निमोनिया होने और बीपी काफी कम होने की बात सामने आई है।

पुणे शराब कांड: जहरीली शराब पीने से 15 की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि

कई गंभीर हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी योगेश वानखेड़े सहित 8 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। शराब कांड का असर पिंपरी-चिंचवड़ के दापोडी, फुगेवाड़ी और पुणे के काले पड़ल व हडपसर इलाकों में देखने को मिला।

सीबीएससी 12वीं री-इवैल्यूएशन 1 जून से

नई दिल्ली। सीबीएसई के 12वीं के छात्र अब 1 जून से री-इवैल्यूएशन और आंसर-शीट की

स्कैन कॉपी के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। भारी ट्रैफिक के कारण वेबसाइट क्रैश होने, सर्वर डाउन और पेमेंट फेल होने जैसी तकनीकी दिक्कतों के बाद बोर्ड ने यह फैसला लिया है। इस साल ओएसएम सिस्टम पर छात्रों और अभिभावकों ने सवाल उठाए थे।

जो हुआ है, वह युवाओं के लिए बेहद आघात पहुंचाने वाला है ... आप इस तरह युवाओं को निराश नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा

असली जिम्मेदार की पहचान जरूरी, समितियां बनाने और बैठकें करने का कोई अर्थ नहीं

किसी छोटे कर्मचारी को बलि का बकरा बनाकर 'कमियां' नहीं छिपाई जा सकतीं

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सर्वोच्च अदालत से कहा कि प्रधानमंत्री खुद नीट एग्जाम को मॉनिटर कर रहे हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि असली जिम्मेदार की पहचान जरूरी है। जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में सुधार तब तक बेअसर रहेंगे, जब तक कि उस असली व्यक्ति की पहचान नहीं हो जाती जो इस पूरी लापरवाही और लीक प्रक्रिया के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है। केवल कागजी बदलावों से यह समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होने वाली। कोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि बार-बार समितियों का गठन करने या बैठकें करने से तब तक कोई फायदा नहीं होगा।

केंद्र से मांगा हलफनामा-आगे की परीक्षाएं कैसे कराई जाएंगी?

- *समिति ने परीक्षा प्रणाली और प्रशासन को सुधारने के लिए केंद्र को कुल 101 सिफारिशें सौंपी थीं*
- *सुनवाई जुलाई के दूसरे सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दी*

एनटीए में डोमेन विशेषज्ञों की भारी कमी थी

समिति ने अदालत के सामने माना कि परीक्षा प्रणाली में डोमेन विशेषज्ञों की भारी कमी थी। अब इसे दूर करने के लिए आईआईटी-जेईई और केंद्रीय विद्यालय संगठन के अनुभवी विशेषज्ञों को इस प्रक्रिया से जोड़ा गया है।

समस्या प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया में थी : समिति

अदालत के सवालों का जवाब देते हुए डॉ. राधाकृष्णन ने बताया कि समिति ने परीक्षा प्रणाली और प्रशासन को सुधारने के लिए कुल 101 सिफारिशें सौंपी हैं। इनमें से 60 अल्पकालिक सिफारिशों को साल 2025-26 के सत्र में ही लागू किया जा रहा है। जब कोर्ट ने सीधे तौर पर पेपर लीक की वजह पूछी तो उन्होंने स्वीकार किया कि मुख्य समस्या प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया में थी, जिसे अब पूरी तरह से मजबूत और अभूतपूर्व तरीके से सुरक्षित किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिया कि 21 जून को होने वाली पुनर्परीक्षा में ऐसी कोई गड़बड़ी नहीं होगी।

ट्रेक्टर पलटा चार की मौत 40 घायल

सरई चौकी के बिजौरा की घटना

अनूपपुर। जिले के कारणपठार थाना अंतर्गत सरई चौकी के ग्राम बिजौरा में तिवानी स्थित सनी धाम के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से दर्दनाक हादसे में 4 लोगों की मौत हो गयी जबकि लगभग 40 लोग घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 50 लोग सवार थे। घायलों का उमरिया जिले के पाली सामुदायिक केंद्र में इलाज चल रहा है। ट्रैक्टर ट्राली पर सवार सभी लोग जिले के पड़मनिया से पूजाई के लिए ग्राम बिजौरा जा रहे थे। घटना स्थल पर सरई पुलिस के अलावा उमरिया जिले के पाली एसडीएम एवं पाली पुलिस भी मौके पर मौजूद हैं। सभी घायलों को उपचार हेतु पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। घटना स्थल पर ही दो लोगों की मौत हो गई जिसमे ग्राम पड़मनिया के भूपत सिंह तो पास के ही ग्राम गिजरी के वीर सिंह के रूप में हुई है। वही दो घायलों का इलाज के दौरान पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौत हो गई, बाकी सभी घायलों का इलाज जारी है। गंभीर रूप से घायलों को जिला अस्पताल और शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर करने की तैयारी की जा रही है। घटना जिला मुख्यालय से सौ किलोमीटर दूर अनूपपुर जिले के उमरिया सीमा पर स्थित है।

दहेज हत्या केस में सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

मकसद तो दुल्हन और उसके परिवार को निचोड़ना होता है

छत्तीसगढ़ में 2010 के दहेज हत्या मामले में परिवार के सदस्यों की सजा को बरकरार रखा

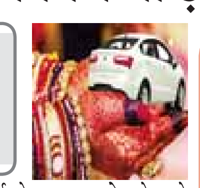

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दहेज से संबंधित उत्पीड़न के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाली एक महिला के मामले की सुनवाई कर रहा था। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने मामले में दखल देने से इनकार करते हुए पति के परिवार के आचरण की बार-बार आलोचना की। कोर्ट ने सख्त मैजेस देने की जरूरत पर जोर दिया। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि लड़के लड़कियों से शादी करके उनका और उनके परिवार का अपमान क्यों करते हैं?

लड़की के परिजनों से कहा- तुम लोग भिखारी हो

मामला यह साल 2010 में छत्तीसगढ़ में हुई एक घटना से जुड़ा हुआ है। यहां पर एक महिला ने शादी के तीन साल के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि पति और उसके परिवार द्वारा लगातार उत्पीड़न और दहेज की मांग की गई थी।

लाखों शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से थोड़ी राहत

टीईटी पास करने की समय सीमा एक साल के लिए बढ़ी

अनिवार्य पात्रता हासिल करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक की मोहलत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से छूट की उम्मीद लगाए बैठे देश के लाखों शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से आंशिक राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने कार्यरत शिक्षकों के लिए टीईटी पास करने की समय सीमा को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। अब शिक्षकों को अनिवार्य पात्रता हासिल करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय दिया गया है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर कोर्ट का जोर

इससे पहले सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि शिक्षक सिर्फ अपनी नौकरी की सुरक्षा न देखें, बल्कि बच्चों को मिलने वाली क्वालिटी एजुकेशन का भी ध्यान रखें। दरअसल, यह मामला सितंबर 2025 के उस ऐतिहासिक फैसले से जुड़ा है।

एमवाय अस्पताल में बड़ी लापरवाही!

बाथरूम में लावारिस मिला मासूम का शव, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

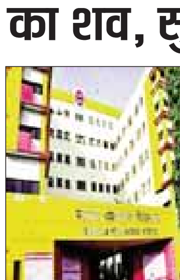

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

शहर के सबसे बड़े सरकारी महाराजा यशवंतराव (एमवाय) अस्पताल में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां इमरजेंसी वार्ड के ठीक सामने बने सार्वजनिक बाथरूम में करीब 3 महीने के एक लावारिस नवजात शिशु का शव मिलने से हड़कंप मच गया। बाथरूम गए मरीजों और परिजनों ने जब शव को देखा, तो तुरंत सुरक्षा गार्डों को इसकी सूचना दी। इसके बाद सफाई कर्मचारियों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने शुरुआती पंचनामे के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भिजवा दिया है, ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके।

ट्विशा डेथ केस: मां-बेटे से आमने-सामने होगी कड़ी पूछताछ

पूर्व जज गिरिबाला सिंह व समर्थ 5 दिन की सीबीआई रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी भोपाल के हाईप्रोफाइल ट्विशा शर्मा मौत मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को बड़ी कामयाबी मिली है। दहेज हत्या और प्रताड़ना के आरोपी सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और उनके अधिवक्ता बेटे (ट्विशा के पति) समर्थ सिंह को कोर्ट ने 2 जून तक के लिए 5 दिन की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है।

एजेंसी गिरिबाला को कस्टडी में ले जाती हुई

मौत से पहले के हर मिनट का हिसाब जुटा रही सीबीआई

सिर की चोट और सबूतों से छेड़छाड़ की जांच

सीबीआई मुख्य रूप से 7 मई को ट्विशा के कथित गर्भपात से लेकर 12 मई की रात उनकी मौत तक की मिनट-टू-मिनट टाइमलाइन तैयार कर रही है। ट्विशा के सिर पर क्लॉटिंग और शरीर पर मिले चोट के निशान अभी भी पहेली बने हुए हैं।

रिजर्व बैंक की बोर्ड बैठक में फैसला

देश में जल्द चलेंगे प्लास्टिक के नोट, पायलट प्रोजेक्ट शुरु होगा

अब तक लगभग 60 देशों में पॉलीमर नोट चलन में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में डिजिटल पेमेंट्स के तेजी से बढ़ते दौर के बावजूद नकदी की मांग लगातार बढ़ रही है। इसी बढ़ती जरूरत को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक दशक पुराने पॉलीमर यानी प्लास्टिक बैंकनोट के प्रस्ताव को फिर से जीवित कर दिया है। पॉलीमर या प्लास्टिक नोटों को शुरू करने के मुद्दे पर केंद्रीय बैंक की पिछली दो बोर्ड बैठकों में चर्चा हुई थी, जो पटना और मुंबई में हुई थीं।

भारतीय नौसेना में बड़ा बदलाव

वाइस एडमिरल अजय कोचर बने 48वें उप प्रमुख, संभाला कार्यभार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना में शुक्रवार को एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की नौसैनिक तैयारियों की रणनीति संभालने वाले वाइस एडमिरल अजय कोचर ने नौसेना के 48वें उप प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ) के रूप में आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया है। समुद्री सुरक्षा, युद्ध रणनीति और उच्च स्तरीय नौसैनिक संचालन में उनके लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें सेना के इस दूसरे सबसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ऑपरेशन सिंदूर में कोचर ने आईएनएस विक्रांत पर संभाली थी कमान

अजय कोचर

रणनीतिक नेतृत्व और शानदार करियर

1 जुलाई 1988 को भारतीय नौसेना में कमीशन पाने वाले वाइस एडमिरल कोचर गनरी और मिसाइल सिस्टम्स के विशेषज्ञ माने जाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जम्मू में माता वैष्णो देवी धाम जाने से पहले किया मीडिया से संवाद

वैष्णो देवी धाम में व्यवस्थाओं का अध्ययन कर रहा हमारा दल भीड़ प्रबंधन और सुविधाओं के मामले में मॉडल स्टेट बनेगा मप्र

प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास व सार्वजनिक सुविधाओं के लिए हो रहा काम

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन, सार्वजनिक सुविधाओं के विकास तथा सभी जरूरी नागरिक सेवाओं के विस्तार के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देश के प्रमुख धार्मिक स्थानों पर भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी जरूरी व्यवस्थाओं का अवलोकन

ध्यान मुद्रा में सीएम

और अध्ययन किया जा रहा है। जिससे मध्यप्रदेश आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक मॉडल स्टेट के रूप में विकसित किया जा सके। डॉ. यादव शुक्रवार को माता वैष्णो देवी धाम के लिए प्रस्थान करने से पहले जम्मू में स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता वैष्णो देवी धाम में श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सभी व्यवस्थाओं का मुआयना करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल यहां आया हुआ है। माता वैष्णो देवी मंदिर प्रबंधन द्वारा यहां एक विश्वविद्यालय मेडिकल कॉलेज और कई सेवा संस्थान चलाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में किया योग महादेव का भजन सुनाकर किया मंत्रमुग्ध

योग करते हुए

भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग में दी गई विचारधारा नियमों में चलने की सीख

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन सुबह उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने योग किया और फिर जाते जाते मंच से सभी को महादेव के भजन सुनाकर मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने भुजंगआसन के साथ सबसे कठिन मयूर आसन भी कर के दिखाया। राजाराम रिसॉर्ट में भाजपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ गुरुवार को डॉ. यादव की मौजूदगी में हुआ था।

शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक में अहम मुद्दों पर चर्चा की

ब्रेकफास्ट के बाद लंच की टेबल पर थमा कर्नाटक का 'नाटक', शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनने का रास्ता हो गया साफ, खरगे ने की सिद्धारमैया की तारीफ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कर्नाटक के निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को दिल्ली में डिप्टी डीके शिवकुमार समेत कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ लंच किया।

यह मुलाकात सिद्धारमैया के सीएम पद से हटने के फैसले के एक दिन बाद हुई है, जिससे डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले दिन में सिद्धारमैया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। बैठक में कर्नाटक कैबिनेट में फेरबदल, राज्यसभा चुनावों और अन्य संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक में कैबिनेट फेरबदल और चुनावों पर किया मंथन

खरगे, राहुल और वेणुगोपाल के साथ पूर्व मुख्यमंत्री ने की बैठक

नाश्ते की टेबल पर सिद्धारमैया और शिवकुमार एक साथ मिले

खरगे ने की सिद्धारमैया की तारीफ

बैठक के बाद खरगे ने एक्स पर सिद्धारमैया की तारीफ करते हुए लिखा, सिद्धारमैया के सार्वजनिक जीवन में हमेशा गरिमा, करुणा और सामाजिक न्याय के प्रति गहरी प्रतिबद्धता झलकती रही है। एक साधारण शुरुआत से लेकर दो बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने तक, वे समानता, सद्भाव और गरीबों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहे। कर्नाटक और कांग्रेस पार्टी उनके योगदान के लिए कृतज्ञ हैं।

आज कांग्रेस विधायक दल की अहम बैठक

शिवकुमार दिल्ली में होटल में ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करते नजर आए। कर्नाटक कांग्रेस नेता एचके पाटिल ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को शाम 4 बजे आयोजित की जाएगी। सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद पार्टी के भीतर उत्पन्न सभी मुद्दों का समाधान हो चुका है और अब संगठन में एकता बनी हुई है।

कांग्रेस में मंत्री पद को लेकर हलचल

कांग्रेस के सात नेताओं (जिनमें तीन विधायक और दो विधान परिषद सदस्य शामिल हैं) ने खरगे को पत्र भेजकर कोलार जिले को प्रतिनिधित्व देने की मांग की है।

सिद्धारमैया के लिए शिवकुमार का भावुक पोस्ट

शिवकुमार ने सिद्धारमैया के लंबे राजनीतिक सफर और उनके योगदान को याद किया है। शिवकुमार ने सिद्धारमैया के नेतृत्व, संघर्ष और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की खुलकर सराहना की है।

सिद्धारमैया ने की मांग

कर्नाटक में बेटे के लिए मांगा डिप्टी सीएम का पद

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अब सिद्धारमैया ने बड़ी डिमांड रख दी है। खबर है कि सिद्धारमैया ने कांग्रेस आलाकमान के सामने अपने बेटे और एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग रख दी है। शुक्रवार को राज्यपाल ने थावरचंद गहलोत ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

खबर संक्षेप

चॉपर और ट्रैकर्स से हो रही शेरों की निगरानी

गिरनार। गुजरात के गिरनार जंगल में शेरों की सुरक्षा पर विभाग सजग है। डीसीएफ ने बताया कि गिर क्षेत्र में बीमारी फैलने की आशंका के बीच शेरों की मॉनिटरिंग की जा रही है।

अभयारण्य में 54 शेरों का निवास है। 41 शेरों और शावकों पर 'डी-टिकिंग' और 'डी-वॉर्मिंग' की गई है। ट्रैकर्स, चॉपर्स से निगरानी हो रही है।

आंधी-बारिश से कोलकाता एयरपोर्ट प्रभावित

कोलकाता। कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के कई जिलों में शुक्रवार को मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहने और उमस भरी गर्मी के बाद दोपहर बाद शहर में तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। खराब मौसम से करीब एक घंटे तक कोलकाता हवाई अड्डे पर विमान सेवा प्रभावित रही।

विनेश को एशियाड में भाग लेने मिली इजाजत

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को एशियन गेम्स 2026 चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है। कुश्ती संघ ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें फोगाट को ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी गई थी। कोर्ट ने कहा इस स्तर पर उन्हें ट्रायल्स से बाहर करना उचित नहीं होगा।

आंदोलन जारी रखने पर अड़े मनोज जरांगे

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि मनोज जरांगे पाटिल अपना आंदोलन वापस ले लेंगे। मनोज विरोध प्रदर्शन पर अडिग हैं। सरकार मराठों के दर्द को नहीं समझती। जरांगे ने कहा वे अधूरी मांगों को लेकर 30 मई से जालन में अनशन शुरू करेंगे।

बंगाल में दिखने लगा 'डिटेक्ट- डिलीट- डिपोर्ट' नीति का बड़ा असर

राज्य में 11 होल्डिंग सेंटर, 335 संदिग्धों को हिरासत में लिया, सभी की पहचान की जा रही

सुवेंदु सरकार विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस भेज रही

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने अवैध घुसपैठियों की पहचान और कार्रवाई के लिए राज्यभर में 11 होल्डिंग सेंटर स्थापित किए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इन केंद्रों में फिलहाल 335 संदिग्ध लोगों को रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि ये सभी कार्रवाई राज्य की 'डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट' नीति के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस भेजना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इन केंद्रों में कुल 335 लोग मौजूद हैं, जिनमें 148 पुरुष, 99 महिलाएं और 88 बच्चे शामिल हैं। इन सभी की पहचान और दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया जारी है। राज्य गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि विदेशी नागरिकों को तब तक रखने के लिए ढांचा तैयार किया जाए।

सीमा पर मची भगदड़

बसीरहाट में सबसे ज्यादा हिरासत में

फाइल फोटो

बंगाल में अवैध प्रवासी इस तरह भागते दिखाई दे रहे

उत्तर 24 परगना जिले का बसीरहाट क्षेत्र, जो बांग्लादेश सीमा से सटा हुआ है, यहां सबसे अधिक संदिग्ध लोगों की पहचान हुई है। यहां बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या समुदाय के लोगों के होने की आशंका है। ये होल्डिंग सेंटर अलग-अलग पुलिस जिलों और प्रशासनिक जिलों में संचालित किए जा रहे हैं। इनमें बरुईपुर, सुंदरबन, बसीरहाट, बोंगांव, बरासत, मुर्शिदाबाद, जंगीपुर और

होल्डिंग सेंटर पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए

मालदा जिला इस कार्रवाई का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। यहां इंग्लिश बाजार इलाके के चंदन पार्क में पहला होल्डिंग सेंटर शुरू किया गया है। यहां फिलहाल नौ संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को रखा गया है। इनमें तीन महिलाएं और छह नाबालिग शामिल हैं। इन लोगों को गाजोल थाना क्षेत्र से पकड़ा गया था। सेंटर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और पुलिस के साथ सिविल डिफेंस तथा अन्य कर्मचारी चौबीस घंटे निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि यहां लोगों के दस्तावेज और पहचान की जांच की जा रही है।

दस्तावेजों की जांच- पड़ताल की जा रही

बंगाल सरकार और प्रशासन ने कथित अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए अभियान तेज कर दिया है। बसीरहाट इलाके के हाकिमपुर चेकपोस्ट पर मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में बांग्लादेशी पुरुष और महिलाएं पहुंचीं थी। इनमें कई लोग ऐसे बताए जा रहे हैं जो लंबे समय से बंगाल में रह रहे थे। घुसपैठियों को वापस भेजने की बात सामने आने के बाद सीमा पर भीड़ बढ़ गई।

बंगाल में 1 अगस्त से होगी जनगणना

सुवेंदु ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल में एक अगस्त से जनगणना शुरू होगी। यह प्रक्रिया अगले साल फरवरी के अंत तक चलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस जनगणना का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। अधिकारी ने राज्य के कुछ हिस्सों में बदलती आबादी पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि घुसपैठ की वजह से बंगाल के कई इलाकों का जनसांख्यिकीय ढांचा बदल गया है। उनके अनुसार, बांग्लादेश के साथ लगी 600 किलोमीटर लंबी सीमा पर बाड़ नहीं लगी है। इसी खुली सीमा की वजह से घुसपैठ हो रही है, जिससे आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है।

अवैध प्रवासियों ने सरकार को बताया

20 हजार देकर पार किया बॉर्डर, टीएमसी ने बनवाए कार्ड

हजारों बांग्लादेशी नागरिक अब सीमावर्ती इलाकों में जमा होने लगे हैं। डिटेंशन सेंटरों में बंद किए जाने के डर से अवैध बांग्लादेशी प्रवासी इस समय पूरे पश्चिम बंगाल में सीमावर्ती क्षेत्रों और ट्रांजिट टर्मिनलों पर इकट्ठा हो रहे हैं। ये अब खुलकर बात करने लगे हैं कि वे अवैध रूप से भारत में कैसे घुसे और उन्होंने पहचान पत्र कैसे हासिल किए? सीमा पर पहुंचने वाले बांग्लादेशी नागरिकों ने बताया कि वे नदी पार करके भारत में घुसे, जबकि दूसरों ने बताया कि कैसे दलालों या बिचौलियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर उन्हें सीमा पार कराने में मदद की। एक व्यक्ति ने खुलासा किया कि जब सुरक्षा बल इलाके में गश्त नहीं कर रहे होते हैं, तो सिर्फ 10 मिनट में भारत में घुसना संभव है। इसके अलावा, कुछ लोगों ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेसके कार्यकर्ताओं के एक नेटवर्क ने उन्हें पहचान पत्र बनवाने में मदद की।

कानून मंत्री मेघवाल का बड़ा बयान

अच्छे जजों को नहीं कूलिंग ऑफ पीरियड की जरूरत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय कानून व न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सरकारी नियुक्तियों से पहले अनिवार्य कूलिंग-ऑफ पीरियड लागू करने की मांग को खारिज किया। उन्होंने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ, निष्पक्ष और सक्षम है तो उसे काम करने से रोकने का कोई कारण नहीं है। न्यायपालिका में भीन अलग राय हैं और इस पर कोई सर्वसम्मत दृष्टिकोण नहीं है। कूलिंग-ऑफ पीरियड वह निर्धारित समय होता है, जिसके दौरान किसी व्यक्ति को अपने पद से रिटायर होने या इस्तीफा देने के बाद तुरंत किसी नई सरकारी, निजी या संवैधानिक नियुक्ति लेने की अनुमति नहीं होती।

सेवानिवृत्त जजों की नियुक्ति में जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए

मेघवाल ने कहा कि कुछ लोग मानते हैं कि सेवानिवृत्त जजों की नियुक्ति में जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए, जबकि कुछ का मानना है कि नियुक्तियों में देरी भी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में विभिन्न न्यायाधिकरणों में बड़ी संख्या में पद खाली हैं और अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।

न्यायाधिकरण में अनुभवियों की जरूरत

मेघवाल ने कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण और राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण जैसे न्यायाधिकरणों में योग्य और अनुभवी न्यायाधीशों की जरूरत है। उन्होंने सवाल किया कि अगर कोई सेवानिवृत्त जज न्यायसंगत सोच रखने वाला, स्वस्थ और सक्षम है तो उसकी नियुक्ति तुरंत करने में क्या समस्या है।

नियुक्ति की बात पर लंबे समय से चल रही बहस

रिटायरमेंट के बाद न्यायाधीशों को विभिन्न सरकारी संस्थाओं में नियुक्त किए जाने को लेकर लंबे समय से बहस चल रही है। आलोचकों का तर्क है कि ऐसी नियुक्तियां न्यायिक स्वतंत्रता और हितों के टकराव को लेकर सवाल खड़े कर सकती हैं। सेवानिवृत्त जजों की नियुक्ति राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, लोकपाल, भारतीय विधि आयोग और भारतीय प्रेस परिषद जैसी संस्थाओं में भी की जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन न्यायाधीशों का सेवा रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है, उन्हें नियुक्त करने का कोई औचित्य नहीं है। हालांकि, सक्षम और प्रतिष्ठित जजों पर किसी प्रकार की पाबंदी नहीं होनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि कई बार सेवानिवृत्त न्यायाधीश खुद भी नई नियुक्तियां स्वीकार नहीं करते और मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) का काम करना पसंद करते हैं, जिसे अधिक लाभदायक माना जाता है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस

टीओएफईआई एप का शुभारंभ 'तंबाकू मुक्त' माहौल पर जोर

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने शुरुआत की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस2026 के अवसर पर कर्तव्य भवन में तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान (टीओएफईआई) एप्लिकेशन के पायलट संस्करण का शुभारंभ किया। इस दौरान तंबाकू मुक्त माहौल बनाने पर जोर दिया।

स्कूलों-कॉलेजों में अच्छा वातावरण बनाएं

टीओएफईआई एक डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य देशभर के स्कूलों और कॉलेजों में तंबाकू मुक्त मानदंडों के कार्यान्वयन और निगरानी को मजबूत करना है। यह स्व-मूल्यांकन और रिपोर्टिंग, अनुपालन की निगरानी, संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर रोक जैसे कार्यों को सुविधाजनक बनाएगा।

केरल विधानसभा में नया विवाद

मात्र आधा वंदे मातरम गाने पर सरकार पर 'भड़के' राज्यपाल

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरल में नई विधानसभा में काम के पहले दिन पर वंदे मातरम के गायन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार और लोक भवन में यह टकराव माना जा रहा है। राज्यपाल के संबोधन से पहले यह घटना सामने आई। केरल पुलिस बैंड ने वंदे मातरम का केवल शुरुआती हिस्सा बजाया। लोक भवन ने पूरा राष्ट्रगीत बजाने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने इस निर्देश को अस्वीकार कर दिया।

केवल शुरुआती हिस्सा बजाया

सरकार ने केवल शुरुआती हिस्सा बजाने की पुरानी परंपरा का पालन किया। राजनीतिक गलियारों में इसे सरकार और लोक भवन के बीच आने वाले समय में मुश्किल संबंधों का संकेत माना जा रहा है। यह टकराव पहले दिन ही हुआ।

उत्तर प्रदेश-बिहार समेत 4 राज्यों में एनआईए का 12 ठिकानों पर छापा

संदिग्धों से डिजिटल उपकरण जब्त किए अब सबूतों की फोरेंसिक जांच की जा रही

आतंकी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान से जुड़े आतंकी नेटवर्क के खिलाफ देशभर में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार राज्यों में 12 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। उत्तर प्रदेश में 5, राजस्थान में 2 , बिहार में 2 और महाराष्ट्र में 3 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। स्थानीय पुलिस की मदद से कई संदिग्धों से पूछताछ की। अहम दस्तावेजों के

साथ डिजिटल उपकरण भी जब्त किए गए हैं। एजेंसी इन डिजिटल सबूतों की फोरेंसिक जांच कर रही है। यह कार्रवाई पाक के ऑपरेटिव जसवीर चौधरी और उसके भारतीय सहयोगियों से जुड़े आतंकी मॉड्यूल के खिलाफ की जा रही है।

हमले और विस्फोट की साजिश थी

पाकिस्तान स्थित नेटवर्क ने भारत-पाकिस्तान सीमा के रास्ते ड्रोन के माध्यम से हथियारों और विस्फोटक सामग्री की बड़ी खेप भेजी थी। इन हथियारों और आईईडी का इस्तेमाल पंजाब, दिल्ली समेत देश के अन्य हिस्सों में बड़े आतंकी हमलों और विस्फोटों के लिए किया जाना था। यदि यह साजिश सफल होती तो भारी जान-माल का नुकसान हो सकता था।

रेलवे की कैटरिंग व्यवस्था पर फिर सवाल

दुरंतो एक्सप्रेस के टॉयलेट में बर्तन साफ करता मिला आईआरसीटीसी का स्टाफ

सफाई व्यवस्था और क्वालिटी पर लोग नाराज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रेलवे और आईआरसीटीसी समय-समय पर यात्रियों को बेहतर सुविधा और साफ-सुथरा खाना देने के दावे करते रहते हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने एक बार फिर रेलवे की कैटरिंग व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में आईआरसीटीसी का एक कर्मचारी ट्रेन के टॉयलेट में बर्तन धोता हुआ

दिखाई दे रहा है। वीडियो के बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई है और कई यूजर्स रेलवे की सफाई व्यवस्था और खाने की क्वालिटी पर सवाल उठा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह मामला दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन का है।

आईआरसीटीसी को नोटिस जारी किया

वीडियो वायरल होने के बाद फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए आईआरसीटीसी को नोटिस जारी कर दिया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रेन के टॉयलेट के अंदर एक व्यक्ति यूज किए गए बर्तनों को साफ कर रहा है। चौंकाने वाली बात यह रही कि बर्तनों से भरी टोकरी बंद टॉयलेट सीट के ऊपर रखी हुई थी।

बेंगलुरु में 'आर्ट ऑफ लिविंग' का समापन समारोह

उपराष्ट्रपति ने जारी किया स्मारक डाक टिकट, 5 पहलें शुरू

शिक्षा, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और मानव विकास को दिया जा रहा बढ़ावा

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को 'द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' के 45 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 5 राष्ट्रीय पहलों की शुरुआत की और एक स्मारक डाक टिकट का भी अनावरण किया। यह कार्यक्रम बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया गया। जिन 5 नई पहलों की शुरुआत हुई है उनमें यूथ करियर एक्सीलेंस प्रोग्राम, फैकल्टी ऑफ ईस्टर्न नॉलेज सिस्टम्स, आर्ट ऑफ लिविंग इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप इनक्यूबेशन, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन कॉन्शियसनेस स्टडीज एंड ह्यूमन पोटेंशियल और इको शांति शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य शिक्षा, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और मानव विकास को बढ़ावा देना है।

देश-विदेश से 678 विशिष्ट अतिथि शामिल रहे

यह कार्यक्रम एक महीने तक चले समारोह का समापन था। इसमें देश-विदेश से 678 विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। इनमें राजनीतिक नेता, उद्योगपति, खिलाड़ी, शिक्षाविद, धार्मिक गुरु, राजनयिक, कलाकार और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। राधाकृष्णन ने कहा कि आज हम वब उत्सव मना रहे हैं जिसने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है।

ज्ञान, ध्यान और संगीत को बताया अहम

उन्होंने कहा कि 192 देशों द्वारा वर्ल्ड मेडिटेशन डे घोषित किया गया। संकेत है कि ध्यान अब स्वस्थ, खुशहाल और तनावमुक्त जीवन के लिए जरूरी माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि 3 चीजें ज्ञान, ध्यान और संगीत साथ रहें।

उपराष्ट्रपति ने गुरुदेव को बताया प्रेरणादायी

आज संघर्ष और अनिश्चितता के दौर में गुरुदेव श्री श्री रविशंकर लोगों को शांति, जागरूकता और मानवीय मूल्यों की प्रेरणा दे रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने गुरुदेव की सादगी और व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मुस्कान, विनम्रता और स्नेह हर किसी के दिल को छूता है। उनकी सबसे बड़ी खासियत उनकी मानवता और विनम्रता है।

अमेरिका का दावा, ईरानी नेतृत्व झुका

60 दिनों का अस्थायी समझौता तैयार, राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी का इंतजार

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी सहमति बनना बाकी है

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका ने दावा किया है कि आर्थिक दबाव के कारण ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करने की शर्तों पर बातचीत के लिए तैयार हो गया है। दोनों देशों के बीच 60 दिनों के अस्थायी युद्धविराम का मसौदा तैयार है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी मिलते ही लागू कर दिया जाएगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी सहमति बनना बाकी है और यह कहना जल्दबाजी होगी कि अंतिम समझौता कब और क्या हो पाएगा।

अब ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा

मोजतबा खामनेई डोनाल्ड ट्रंप

होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोलेंगेः वेंस

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि दोनों पक्ष कुछ बिंदुओं और विशेष रूप से यूरेनियम संवर्धन के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां नहीं पहुंचे हैं, लेकिन काफी करीब हैं और बातचीत जारी रहेगी। अगर समझौता हो जाता है तो इससे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर चुका है।

ट्रंप की सैन्य कार्रवाई रंग लाईः बेसेंट

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई और आर्थिक प्रतिबंधों की रणनीति रंग लाई है। इसी भारी दबाव की वजह से ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने के लिए मेज पर आने को मजबूर हुआ है। यह सफलता आज तक कोई दूसरा अमेरिकी प्रशासन हासिल नहीं कर पाया था। अब ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा।

समझौते में ये अहम 6 बिंदु शामिल

- 60 दिन का सीजफायर और बातचीत
- होर्मुज जलडमरूमध्य खुलेगा
- परमाणु कार्यक्रम पर सबसे बड़ी बातचीत
- प्रतिबंधों में राहत और फ्रीज संपत्तियां
- लेबनान युद्ध पर भी फोकस
- ईरान के लिए 300 अरब डॉलर का निवेश पैकेज

ट्रंप की सख्त शर्तें

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान के साथ कोई भी समझौता पूरी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा पर निर्भर करता है। ट्रंप अमेरिकी जनता के हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे। इस समझौते के लिए अमेरिका ने ईरान के सामने बेहद सख्त शर्तें रखी हैं:- इनमें ईरान को अपना सारा संवर्धित यूरेनियम सौंपना होगा। ईरान को गारंटी देनी होगी कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। जलमार्ग होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह मुक्त करना होगा। जब तक ईरान इन शर्तों को नहीं मानता तब तक समझौता नहीं होगा।

लेबनान में युद्ध का दायरा बढ़ा

लितानी नदी के उत्तर तक पहुंचीं इजराइली सैन्य टुकड़ियां

दक्षिणी लेबनान में इजराइल ने अपने सैन्य अभियान का दायरा और बढ़ा दिया है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी के 70% हिस्से पर सैन्य नियंत्रण लेने का आदेश दिया है। इजराइली सैनिक अब लितानी नदी के उत्तर की ओर बढ़ते हुए जावतार अल-शरकियाह, मेफदाउन और जवतर अल-गरबियाह जैसे क्षेत्रों तक पहुंच गए हैं। ये इलाके दक्षिणी लेबनान के दूसरे सबसे बड़े शहर नबातीह के दक्षिण-पूर्व में स्थित हैं। यह कार्रवाई इजराइल द्वारा घोषित 10 किलोमीटर गहरे 'यलो सिक्योरिटी जोन' से आगे बढ़कर की जा रही है, जिससे सैन्य अभियान के विस्तार के संकेत मिल रहे हैं।

खबर संक्षेप

बेजोस की कंपनी का रॉकेट लॉन्चपैड पर फटा

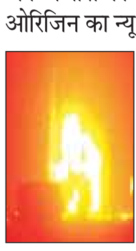

फ्लोरिडा। अमेरिकी अरबपति जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन रॉकेट फ्लोरिडा में टेस्टिंग के दौरान लॉन्चपैड पर फट गया। हादसा गुरुवार को केप कैनावेरल में प्री-फ्लाइट स्टैटिक फायर टेस्ट के दौरान हुआ। घटना का वीडियो लाइव स्ट्रीम में रिकॉर्ड हुआ, जिसमें रॉकेट तेज धमाके के साथ आग के बड़े गोले में बदलता दिखाई दिया। ब्लू ओरिजिन ने कहा कि टेस्ट के दौरान तकनीकी गड़बड़ी हुई। कंपनी के मुताबिक, हादसे में कोई घायल नहीं हुआ और सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। हम और आगे मेहनत करते रहेंगे।

ब्रिटेन में शरण मांगने वालों की उम्र जांचेगा एआई

लंदन। ब्रिटेन सरकार अगले साल से शरण मांगने वालों की उम्र जांचने के लिए एआई फेशियल रिकग्निशन तकनीक का ट्रायल शुरू करेगी। इस तकनीक के जरिए चेहरे की तस्वीरों का विश्लेषण कर यह पता लगाया जाएगा कि व्यक्ति बालिग है या नाबालिग। ब्रिटेन के होम ऑफिस की इस योजना के तहत तकनीक को पहले टेस्ट और डेवलप किया जाएगा, जिसके बाद 2027 तक इसे लागू करने का लक्ष्य है। सरकार का कहना है कि कई वयस्क प्रवासी खुद को बच्चा बताकर सिस्टम का फायदा उठाते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने भुज में सीमा चौकी जी-7 का उद्घाटन किया, कहा

जवानों से की बात, नीम का पौधा भी रोपा

संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में मजबूत सुरक्षा तंत्र स्थापित कर रही सरकार

गृह मंत्री ने बताया कि जी-7 केंद्र का निर्माण लगभग 175 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है और यह क्षेत्र में सीमा अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की व्यापक योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बनासकांठा में भी एक केंद्र स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को बीएसएफ जवानों की जिम्मेदारियों और कार्यों से परिचित कराना है

आम नागरिकों को बीएसएफ की जिम्मेदारियों और कार्यों से परिचित कराया जा रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज स्थित भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) जी-7 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में मजबूत सुरक्षा तंत्र स्थापित करने के लिए अनेक तकनीकी और भौगोलिक चुनौतियों को सफलतापूर्वक पार किया गया है। गृह मंत्री दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं, जिसके दौरान वे एक दर्जन से अधिक कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ-साथ विभिन्न विकास एवं सुरक्षा संबंधी परियोजनाओं की समीक्षा की। अपने दौरे के दौरान शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बात की तथा एक नीम का पौधा भी रोपा। उद्घाटन समारोह में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी उपस्थित रहे।

अमित शाह इंडो-पाक सीमा का जायजा लेते हुए

175 करोड़ की लागत से जी-7 का निर्माण

गृह मंत्री ने बताया कि जी-7 केंद्र का निर्माण लगभग 175 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है और यह क्षेत्र में सीमा अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की व्यापक योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बनासकांठा में भी एक केंद्र स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को बीएसएफ जवानों की जिम्मेदारियों और कार्यों से परिचित कराना है।

स्वयं तीन महीने तक निगरानी की

शाह ने कहा कि इस परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान कई जटिल तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सीमा चौकियों के आसपास के क्षेत्र को लगभग 3.75 मीटर ऊंचा किया गया तथा परियोजना की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने स्वयं लगातार तीन महीने तक प्रतिदिन निगरानी की, ताकि सर्वेक्षण और निर्माण कार्य बाधित न हो।

क्रीक इलाका देखा

गृह मंत्री शाह ने हरामी नाला क्षेत्र का दौरा किया। यहां उन्होंने क्रीक इलाके में बोटसे विजिट किया और जेट्टी प्वाइंट पर पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। बता दें, हरामी नाला गुजरात के रण के कच्छ में सर क्रीक के पास स्थित भारत-पाकिस्तान सीमा का अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। उथले जलमार्ग, दलदली भूभाग और जटिल क्रीक नेटवर्क के कारण यह इलाका सुरक्षा की दृष्टि से काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

घुसपैठ पर नकेल के लिए भारत सख्त जस्टिस नावलेकर बोले

देश में घुसपैठ के कारण हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव को लेकर गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष और पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर ने इसे एक गंभीर और बड़ी चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर समिति केंद्र सरकार को और सख्त कानून लागू करने की सिफारिश कर सकती है। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ केवल सीमावर्ती क्षेत्रों तक सीमित समस्या नहीं है, बल्कि इसका असर अब शहरी इलाकों, औद्योगिक क्षेत्रों और सामाजिक-आर्थिक रूप से संवेदनशील हिस्सों तक फैल रहा है।

घुसपैठ से संसाधनों पर बढ़ रहा दबाव

उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के लिए कई योजनाएं चलाती है, लेकिन घुसपैठ के कारण लाभार्थियों की संख्या बढ़ने से वास्तविक जरूरतमंदों का हिस्सा प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति न केवल आर्थिक दबाव बढ़ाती है, बल्कि सामाजिक संतुलन को भी प्रभावित करती है।

ओडिशा में सीमा पर बढ़ाई निगरानी

ओडिशा सरकार ने पश्चिम बंगाल की सीमा से लगे जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। पश्चिम बंगाल सरकार ने घुसपैठियों को पहचानने और उन्हें बाहर निकालने की नीति अपनाई है। इसके बाद ओडिशा में बांग्लादेशी घुसपैठियों के आने की आशंका बढ़ गई है। राज्य सरकार ने विशेष रूप से बालासोर और मयूरभंज जिलों के अधिकारियों को सावधान रहने को कहा है। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हकीमपुर चेकपोस्ट पर बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक देखे गए हैं। इस जानकारी के बाद ही ओडिशा सरकार ने यह कदम उठाया है।

सीमावर्ती 111 जिलों में पुख्ता होगा खुफिया नेटवर्क

14 हजार गांवों के लोग आईबी के लिए करेंगे निगरानी

बॉर्डर एरिया में खुफिया सूचना जुटाना चुनौतीपूर्ण काम रहा है। इस वजह से घुसपैठ और असामान्य जनसांख्यिकीय परिवर्तन जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। अब सीमावर्ती क्षेत्रों के 111 जिलों के 396 ब्लॉक में बसे 14 हजार गांवों में खुफिया नेटवर्क को मजबूत किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को बड़ी जिम्मेदारी दी है। सीएपीएफ की मदद से सीमावर्ती क्षेत्रों में हजारों लोग केंद्रीय खुफिया एजेंसी आईबी के आंख और कान बनेंगे। ये सभी 14,000 गांव, बॉर्डर से 10 किमी के दायरे में आते हैं। पंजाब, पश्चिम बंगाल, असम, गुजरात और राजस्थान में तो बीएसएफ को अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किमीअंदर तक कार्रवाई करने का अधिकार है।

सीमा सुरक्षा और उग्रवाद पर होगी चर्चा

आज से 4 दिन के भारत दौरे पर म्यांमार के राष्ट्रपति मिन

पीएम मोदी के साथ होगी अहम बैठक

मिन आंग ह्लाइंग और पीएम मोदी फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

म्यांमार के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 2 जून 2026 तक भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने वे दिल्ली, बोधगया तथा मुंबई का दौरा करेंगे। 1 जून को उनकी पीएम नरेंद्र मोदी के साथ अहम बैठक होगी, जिसमें दोनों देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की जाएगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा राष्ट्रपति मिन की मौजूदा पद पर भारत की पहली यात्रा होगी। उनके साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और कारोबारी नेताओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा।

व्यापार और निवेश पर भी रहेगा ध्यान

जायसवाल ने बताया कि दोनों देशों के बीच सीमा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, व्यापार और सभ्यतागत रिश्तों से जुड़े सभी मुद्दों पर बातचीत होगी। भारत और म्यांमार करीब 1600 किमी लंबी सीमा साझा करते हैं। पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा और उग्रवाद विरोधी अभियानों में म्यांमार की भूमिका अहम मानी जाती है। भारत और म्यांमार के बीच सड़क, बंदरगाह और व्यापारिक संपर्क बढ़ाने के लिए कई परियोजनाओं पर काम चल रहा है। भारत की कोशिश है कि म्यांमार के जरिए दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों तक आर्थिक पहुंच और मजबूत हो। दोनों देश अपने पुराने ऐतिहासिक और दोस्ताना रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दौरे के दौरान व्यापार और निवेश बढ़ाने पर भी विशेष जोर रहेगा।

बिहार और मुंबई का करेंगे दौरा

अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति मिन 30 मई को बिहार के बोधगया जाएंगे, जहां वे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का दौरा करेंगे। इसके बाद 2 जून को वह मुंबई पहुंचेंगे, जहां उद्योग और व्यापार जगत से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ-साथ विभिन्न औद्योगिक स्थलों का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और महासागर नीति में म्यांमार का विशेष महत्व है। ऐसे में यह यात्रा दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और गहरा तथा मजबूत बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। माना जा रहा है कि चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत म्यांमार के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करना चाहता है, ताकि क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखा जा सके।

यूएस स्पेलिंग बी के चैंपियन बने श्रेय पारिख

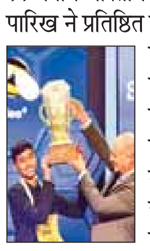

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया के 14 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख ने प्रतिष्ठित स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने न्यू जर्सी के ईशान गुप्ता को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता के निर्णायक स्पेल-ऑफ राउंड में श्रेय और ईशान को 90 सेकंड के भीतर अधिक से अधिक शब्दों की सही स्पेलिंग बताने का मौका मिला। श्रेय ने 90 सेकंड में 32 शब्दों की सही स्पेलिंग बताई, जबकि ईशान 25 शब्द ही सही लिख सके।

आईआरसीजी ने 24 घंटों में दी 23 जहाजों को मंजूरी

भारत आ रहे तेल टैंकर ने होर्मुज स्ट्रेट किया पार, 3 मई को पहुंचेगा आंध्रप्रदेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के लिए पेट्रोलियम लेकर जा रहा एक तेल टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। यह जानकारी समुद्री यातायात पर नजर रखने वाली कई वेबसाइटों से मिली है। 'निसोस केरोस' नाम का यह जहाज विशाखापत्तनम जा रहा है और इसके 3 जून तक वहां पहुंचने की उम्मीद है। मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला यह जहाज 21 मई को शारजाह से रवाना हुआ था। शुक्रवार सुबह 6 बजे भारतीय समय के अनुसार इसे भारत के पश्चिमी तट के पास उत्तरी अरब

सागर में देखा गया। जहाजों की जानकारी रखने वाली संस्था ऑकविसर ने बताया कि विशाखापत्तनम की ओर आ रहे जहाज निसोस केरोस' का मालिक अरेथुसा शिपिंग कॉरपोरेशन है और इसका संचालन किक्लेड्स मैरीटाइम कॉरपोरेशन कर रही है। हुंडई द्वारा निर्मित यह जहाज 333 मीटर लंबा है।

ब्रिक्स मंच पर भारत की पहल

एमएसएमई के लिए सदस्य देशों को तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने ब्रिक्स पार्टएनआईआर ट्रैक के तहत 'एमएसएमई के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच बढ़ाना' विषय पर दूसरी एसएमई कार्य समूह बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच एमएसएमई क्षेत्र में नवाचार, प्रौद्योगिकी और कौशल विकास को लेकर व्यापक चर्चा हुई। भारत ने सदस्य देशों को तकनीकी सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई।

कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा

बैठक में भारत ने प्रौद्योगिकी तक पहुंच, नवाचार इको-सिस्टम और कौशल विकास के क्षेत्र में ब्रिक्स देशों के बीच गहन सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया। सदस्य देशों ने माना कि प्रौद्योगिकी अंतर को कम करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाना जरूरी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मात्र 4 दिनों में पाकिस्तान घुटनों पर

युद्धविराम मांगने पर इस्लामाबाद को किया मजबूर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने महज चार दिनों के भीतर पाकिस्तान को युद्धविराम की अपील करने पर मजबूर कर दिया। रक्षा मंत्री ने इस अभियान को भारत के सैन्य इतिहास की एक अभूतपूर्व सफलता बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति, आधुनिक सैन्य क्षमता और तीनों सेनाओं के उत्कृष्ट तालमेल का जीवंत उदाहरण था।

एक विशेष स्मारक प्रकाशन का विमोचन किया

इस मौके पर राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक विशेष स्मारक प्रकाशन का विमोचन किया। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी और सशस्त्र बलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

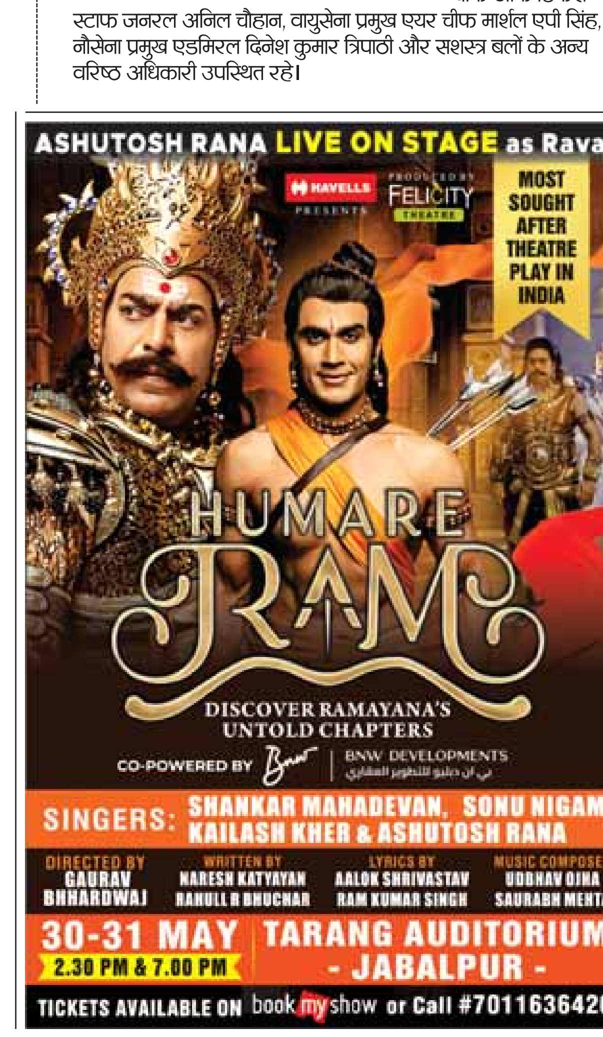

पीयूष गोयल ने 50 से अधिक बिजनेस लीडर्स के साथ बैठक की, कहा

भारत-अमेरिका व्यापार, निवेश नवाचार को देंगे मजबूती

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर 'उत्साहजनक प्रगति', दोनों देश अंतरिम समझौते के बेहद करीब

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका में व्यापार जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत के दौरान द्विपक्षीय व्यापार वार्ता पर 'उत्साहजनक जानकारी' देते हुए आश्वासन दिया कि भारत-अमेरिका अंतरिम समझौता जल्द होने वाला है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित अमेरिकी-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) में प्रमुख उद्योग एवं व्यापार जगत के 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया। गोयल ने गोलमेज बैठक में भारत-अमेरिका के बीच व्यापार, निवेश एवं आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।

अमेरिकी बिजनेस लीडर्स से चर्चा करते केंद्रीय मंत्री

सप्लाई-चेन पार्टनरशिप को गहरा करेंगे

पीयूष गोयल ने बताया कि उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, सुधार-आधारित कारोबारी माहौल और वैश्विक निवेशकों के लिए बढ़ते अवसरों को रेखांकित किया।

1 जून को भारत आएगा अमेरिकी दल

मंत्री गोयल ने जोर दिया कि निवेशकों का विश्वास, कारोबार की स्थिरता और मजबूत नियामकीय माहौल भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका का एक दल एक से चार जून के बीच भारत की यात्रा पर आएगा। इस दौरान अंतरिम व्यापार समझौते के विवरण को अंतिम रूप दिया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपायों एवं सीमा शुल्क सुगमता जैसे मुद्दों पर वार्ता आगे बढ़ाई जाएगी।

कई उद्योग दिग्गजों से मिले

गोयल ने उद्योग जगत के कई प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। उन्होंने मॉर्गन स्टैनली के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टेड पिक, वारबर्ग पिंकस के चेयरमैन चिप केय, एमनील फार्मास्यूटिकल्स के सह-संस्थापक एवं सह-सीईओ चिंटू पटेल और मास्टरकार्ड के सीईओ माइकल मीबाख के साथ कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार किया।

अमेरिका भारत की क्षमता पहचानता हैः गोर

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को कहा है कि अमेरिका को भारत की क्षमता को जानता है और दोनों देशों की साझीदारी को और मजबूत बनाना चाहता है। उन्होंने दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, क्रिटिकल मिनरल्स और व्यापार से जुड़े विषयों में समान हितों पर जोर देते हुए भारत को एक भरोसेमंद पार्टनर बताया है। सर्जियो गोर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन नए सत्ता केंद्रों की पहचान कर रहा है। भारत के पास जो क्षमता है, हम वह जानते हैं। हम भारत का विकास देख रहे हैं। हम इस साझेदारी को बढ़ा रहे हैं और इस साझीदारी को मजबूत कर रहे हैं।

आईएनएस सुदर्शनी एंटीगुआ पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत (एसटीएस) आईएनएस सुदर्शनी लोकायन 26 अभियान के तहत ऐतिहासिक अटलांटिक महासागर पार करने के बाद एंटीगुआ पहुंचा। एंटीगुआ और बारबुडा में भारत के मानद महावाणिज्यदूत विजय तिवारी तथा एंटीगुआ और बारबुडा रक्षा बल (एबीडीएफ) के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ब्रिगेडियर टेल्बर्ट बेंजामिन ने पोत का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह यात्रा आईएनएस सुदर्शनी द्वारा अटलांटिक महासागर को पार करने का पहला अभियान है।

2028 के महाकुंभ में ट्रैफिक, भीड़ एवं आपदा प्रबंधन पर रहेगा फोकस

71 साल बाद सिंहस्थ कानून में बदलाव, नया ड्राफ्ट तैयार

जल्द ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन के पास भेजा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ की तैयारियों के बीच प्रदेश सरकार 71 साल पुराने सिंहस्थ मेला अधिनियम को बदलने जा रही है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नया ड्राफ्ट तैयार कर लिया है, जो जल्द ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास भेजा जाएगा। सीएम की मंजूरी के बाद इसे कैबिनेट में लाया जाएगा। वर्तमान में मध्य भारत सिंहस्थ मेला अधिनियम-1955 प्रभावशील है।

अधिकारियों का कहना है कि यह कानून उस दौर का है, जब श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में थी। अब सिंहस्थ का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है और भीड़ करोड़ों में पहुंच गई है। इससे प्रशासनिक दबाव, सुरक्षा, पार्किंग, अस्थायी आवास, पेयजल, चिकित्सा और सफाई प्रबंधन की चुनौतियां बढ़ गई हैं।

जनसंख्या में बढ़ोतरी हुई वाहनों का दबाव भी बढ़ा

पुराने कानून में अस्थायी निर्माण, भूमि अधिग्रहण, यातायात नियंत्रण और बड़े पैमाने पर भीड़ प्रबंधन के लिए स्पष्ट शक्तियां तय नहीं हैं। 1955 में जनसंख्या कम थी, वाहनों का दबाव सीमित था और शहरी विस्तार आज जितना नहीं था। इसलिए नया अधिनियम अधिक विस्तृत और व्यावहारिक बनाया जा रहा है।

फाइल फोटो

नए एक्ट में यह होगा खास

प्रस्तावित एक्ट केवल प्रशासनिक संशोधन तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें ट्रैफिक मैनेजमेंट, भूमि उपयोग, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन और डिजिटल निगरानी जैसी व्यवस्थाओं पर विशेष फोकस रहेगा। भीड़ प्रबंधन को केंद्र में रखकर कानून बनाया गया है। स्नान तिथियों पर विशेष यातायात व्यवस्था, भीड़ का दिशा निर्धारण, डिजिटल निगरानी, आपदा प्रतिक्रिया तंत्र और आपातकालीन चिकित्सा सहायता को कानूनी आधार दिया जाएगा। वैज्ञानिक तरीके से स्नान क्षेत्रों में प्रवेश-निकासी नियंत्रित करने पर जोर रहेगा, ताकि भगदड़ की आशंका कम हो।

जिला प्रशासन को मिलेंगे अतिरिक्त अधिकार

नए प्रावधानों के तहत जिला मजिस्ट्रेट अधिसूचना जारी कर मेला क्षेत्र की नई सीमाएं तय कर सकेंगे। हर सिंहस्थ में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए आयोजन क्षेत्र का विस्तार जरूरी होता है। विशेष परिस्थितियों में त्वरित निर्णय के लिए प्रशासन को अतिरिक्त अधिकार भी दिए जा सकते हैं।

शिप्रा की स्वच्छता पर सख्ती

नए अधिनियम में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को खास महत्व दिया गया है। शिप्रा नदी की स्वच्छता के लिए सख्त प्रावधान होंगे, ताकि स्नान के दौरान प्रदूषण कम हो और नदी की पारिस्थितिकी सुरक्षित रहे। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी विशेष प्रावधान किए जा रहे हैं।

1955 के मुकाबले 2028 का महाकुंभ

तब: लाखों श्रद्धालु, सीमित वाहन, छोटा मेला क्षेत्र
अब: करोड़ों श्रद्धालु, भारी ट्रैफिक दबाव, कई गुना बड़ा

अभियान को जनभागीदारी से मिला नया आयाम

जल बचाकर भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है

जल संरक्षण को बनाएं जन आंदोलन, यह जीवन का आधार: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का किया निरीक्षण

प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण करते सीएम डॉ. यादव।

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना भी की। डॉ. यादव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जल बचा कर भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक गोलू शुक्ला, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा सहित जन प्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोहों का उल्लेख कर समझाई जल की महत्ता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत कबीर एवं संत रहीम के दोहों का उल्लेख करते हुए जल की महत्ता को सरल एवं प्रेरणादायी ढंग से समझाया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में जल को जीवन, संवेदना और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। उन्होंने ग्रामीणों से वर्षा जल संरक्षण, तालाबों और कुंडों के संरक्षण तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य शासन जल संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और जल गंगा संवर्धन अभियान से पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसहभागिता से ही जल संरक्षण के प्रयास सफल होंगे और आने वाले समय में प्रदेश जल समृद्धि की दिशा में नई पहचान बनाएगा।

डॉ. मोहन प्रदेश में एक नई कार्य संस्कृति स्थापित कर रहे

वर्तमान वैश्विक संकट में सभी संसाधनों का मितव्ययता से करें उपयोग: मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बार फिर मितव्ययता और सादगी का संदेश दिया। उन्होंने 28 मई को इंदौर से उज्जैन की यात्रा के लिए अपना काफिला त्याग दिया और एक बस से यात्रा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मंत्री और सांसद सहित कई जनप्रतिनिधि भी थे। इस मौके पर उन्होंने जनता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर चलने का आग्रह किया। डॉ. मोहन यादव प्रदेश में एक नई कार्य संस्कृति स्थापित कर रहे हैं। वे प्रशासनिक खर्चों में संयम और संसाधनों के संतुलित उपयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बस में यात्रा करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

खर्चों में कमी की दिशा में एक सकारात्मक संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मितव्ययता का संदेश दिया गया है। आज मैं स्वयं भी एक लोकल वाहन से इंदौर से उज्जैन जा रहा हूं। मेरे साथ मंत्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, जिलाध्यक्ष सहित सभी वरिष्ठ जनप्रतिनिधि भी यात्रा कर रहे हैं। हम सभी प्रयास कर रहे हैं कि वर्तमान वैश्विक संकट में हमारे सभी संसाधनों का मितव्ययता से उपयोग करें। यही आज के लिए जरूरी है। डॉ. यादव की यह पहल सादगीपूर्ण प्रशासन, ईंधन बचत और अनावश्यक खर्चों में कमी की दिशा में एक सकारात्मक संदेश है।

सिंगरौली में भी दिया था संदेश

कुछ दिनों पहले भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगरौली जिले के प्रवास के दौरान भी मितव्ययिता का संदेश दिया था। वे टूरिस्ट बस में बैठकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे थे। इस दौरान भी काफिला उनके साथ नहीं था। यहां उन्होंने संदेश दिया था कि किसी जनप्रतिनिधि की पहचान प्रोटोकॉल नहीं, बल्कि जनता का प्रेम और उसकी सेवा है।

सौ लाख लक्ष्य के विरुद्ध हुई 104 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीदी : मंत्री राजपूत

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में 100 लाख मीट्रिक टन निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 104 लाख 22 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन हुआ है। मध्यप्रदेश को गेहूं खरीदी के लिए 78 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन मुख्यमंत्री के प्रयासों से केन्द्र सरकार द्वारा इस लक्ष्य को 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया।

गोविंद सिंह राजपूत

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मध्यप्रदेश न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 13 लाख 41 हजार 266 किसानों से गेहूं का उपार्जन कर देश में नम्बर-1 है, वहीं गेहूं उपार्जन के मामले में पंजाब के बाद दूसरे स्थान पर है। कोविड-19 की अवधि को छोड़कर विगत 10 वर्षों में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर गेहूं का सर्वाधिक उपार्जन किया गया है।

देश में सर्वाधिक 13 लाख 41 हजार से अधिक किसानों से उपार्जन

किसानों को अब तक उपार्जित गेहूं का 23,708.13 करोड़ रूपए का भुगतान भी किया जा चुका है। उपार्जित गेहूं में से 96 लाख 52 हजार 957 मीट्रिक टन का परिवहन भी किया जा चुका है। यह उपार्जित गेहूं का 93 प्रतिशत है। किसानों से 2585 रूपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रूपए प्रति क्विंटल बोनस सहित 2625 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया गया है। प्रदेश में हो रहे गेहूं उपार्जन की सतत मॉनीटरिंग की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर तौल व्यवस्था, बारदाने की उपलब्धता और खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिए उपलब्ध जरूरी सुविधाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया। साथ ही किसानों से संवाद कर उपार्जित गेहूं के भुगतान आदि के बारे में जानकारी ली।

गेहूं उपार्जन के किए गए समुचित प्रबंध

प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल काटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल काटों में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिया गया। किसानों की सुविधा के लिए तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक किया गया। देयक जारी करने का समय भी रात 12 बजे तक कर दिया गया। गेहूं का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन तक किया गया। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी,और जन-सुविधाओं की व्यवस्थाएं की गई थी।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर किया संवाद

मंत्री काश्यप ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं को किया हल

कार्यकर्ताओं से चर्चा करते मंत्री काश्यप।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र शासन के मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

मंत्री काश्यप ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी कठिनाइयों को समझा और उन्हें जल्द से जल्द समाधान दिलाने का आश्वासन दिया।

करीब दो लाख कैश, ताश और चार मोबाइल फोन बरामद

कबीरधाम पुलिस ने जुए की फड़ पर मारा छापा चार जुआरियों को जुआ खेलते किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कवर्धा

शहर के करपात्री चौक स्थित एक मकान में संचालित हो रहे जुए के फड़ पर कबीरधाम पुलिस ने देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए चार जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 2 लाख 13 हजार रुपये नकद, ताश और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान कुछ आरोपी पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, जिले में जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान साइबर सेल व कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि करपात्री चौक के पास स्थित प्रवीण वैष्णव के मकान में बड़े स्तर पर जुए का फड़ संचालित किया जा रहा है। एसडीओपी आशीष शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से मकान की घेराबंदी कर दबिश दी।

छापेमारी के दौरान मौके पर जुआ खेलते हुए सम्मी केशरवानी, आकाश शिवहरे, रोहित जांगड़े और रामचरण साहू को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में नगदी और जुए में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वहीं जुआ खेलने के लिए जगह उपलब्ध कराने और फड़ संचालन में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर अलग से कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि जिले में जुआ, सट्टा, अवैध शराब और नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

स्क्रीनिंग शुरू, स्वास्थ्य मंत्रालय का निर्देश, बढ़ाई निगरानी

इबोला वायरस को लेकर रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट माना में अलर्ट जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

लोगों की इबोला वायरस को लेकर बढ़ती चिंता के बीच छत्तीसगढ़ में सावधानी बरती जा रही है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग ने बाहरी राज्यों और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की अनिवार्य जांच शुरू कर दी है। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट माना में अलर्ट जारी कर दिया गया है। यहां आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग शुरू हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश पर एयरपोर्ट और अन्य प्रवेश केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके।

संचनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ ने एक आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि इबोला संक्रमण की रोकथाम यात्रियों की

स्वास्थ्य जांच और आवश्यक प्रबंध व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एयरपोर्ट परिसर में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये। नोडल अधिकारी का यह दायित्व होगा कि वह एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग व्यवस्था का समन्वय करेगा। इसके अलावा संदिग्ध मामलों की पहचान कर संबंधित स्वास्थ्य विभाग को तत्काल सूचना देना, आइसोलेशन रेफरल एवं आपातकालीन प्रबंधन की व्यवस्था भी वह सुनिश्चित करना होगा। इधर, राज्य सरकार भी एक्टिव

संचनालय स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ ने भविष्य में इबोला संक्रमण को देखते हुए प्रदेश के सर्विलेंस अधिकारी एवं उपसंचालक द्वारा यह आदेश जारी किया गया है।

इबोला वायरस एक अत्यधिक जानलेवा और संक्रामक बीमारी है, जो गंभीर हेमोरेजिक फीवर का कारण बनती है। यह संक्रमित व्यक्ति या जानवर के शारीरिक तरल पदार्थ जैसे खून, लार, पसीना और उल्टी के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। भारत सरकार ने एहतियात के तौर पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे सहित कई प्रमुख एयरपोर्ट्स पर थर्मल स्क्रीनिंग और कड़ी निगरानी शुरू कर दी है।

गंभीर फेफड़ों के इन्फेक्शन, ब्लडस्ट्रीम इन्फेक्शन, किडनी में चोट से जूझ रहीं

पद्म विभूषण तीजन बाई की तबीयत खराब, एम्स में इलाज जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पद्म विभूषण से सम्मानित और मशहूर पंडवानी गायिका तीजन बाई एम्स रायपुर के मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट में अपनी ज़िंदगी के लिए लड़ रही हैं। 69 साल की लोक गायिका, जिन्हें पंडवानी की सबसे बड़ी गायिकाओं में से एक माना जाता है, को बुधवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद भर्ती कराया गया था।

डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई है। मेडिकल अपडेट के मुताबिक, तीजन बाई गंभीर फेफड़ों के इन्फेक्शन, ब्लडस्ट्रीम इन्फेक्शन (सेप्सिस) और किडनी में गंभीर चोट से जूझ रही हैं। सूत्रों ने बताया कि उनका ब्लड प्रेशर लगातार कम रहा है और लगातार इन्फेक्शन एक गंभीर चुनौती बने हुए हैं। क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट, पल्मोनोलॉजिस्ट और हेमेटोलॉजिस्ट सहित स्पेशलिस्ट की एक मल्टीडिसिप्लिनरी टीम चौबीसों घंटे उन पर कड़ी नज़र रख रही है और गहन इलाज दे रही है।

तीजन बाई को गंभीर हालत में हॉस्पिटल लाया गया था। शुरुआती जांच के बाद उन्हें तुरंत एमआईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। हालांकि डॉक्टर उन्हें कुछ हद तक स्टेबल करने में कामयाब रहे हैं, लेकिन वे अभी भी सावधान हैं क्योंकि खतरा पूरी तरह से कम नहीं हुआ है।

पंडवानी की सबसे बड़ी गायिकाओं में से एक माना जाता है

डॉक्टर उन्हें कुछ हद तक स्टेबल करने में कामयाब रहे हैं

साधारण परिवार से उठकर बनीं ख्यातिनाम गायिका

1956 में छत्तीसगढ़ में भिलाई के पास गनियारी गांव में जन्मी तीजन बाई एक साधारण परिवार से उठकर इंटरनेशनल लेवल पर मशहूर आर्टिस्ट बनीं। उन्होंने पंडवानी को पॉपुलर बनाया, जो छत्तीसगढ़ की एक पारंपरिक लोक कला है जिसमें महाभारत की कहानियों को दमदार गाने और ड्रामा के ज़रिए सुनाया जाता है। स्टेज पर बैठकर गहरी भावनाओं और जोश से भरी उनकी खास स्टाइल ने इस कम जानी-मानी लोक परंपरा को ग्लोबल स्टेज पर पहुंचाया। अपने शानदार करियर में, तीजन बाई को भारत के कुछ सबसे बड़े सिविलियन सम्मान मिले हैं, जिनमें 1988 में पद्म श्री, 2003 में पद्म भूषण और 2019 में पद्म विभूषण शामिल हैं। उन्हें 1995 में संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड और भारतीय लोक संस्कृति में उनके बहुत बड़े योगदान के लिए कई दूसरे बड़े सम्मान भी मिले।

फैंस, कलाकारों ने जताई जल्द ठीक होने की उम्मीद

उनकी खराब सेहत की खबर से पूरे छत्तीसगढ़ और बड़े कल्चरल कम्युनिटी में चिंता की लहर दौड़ गई है। फैंस, कलाकारों और नेताओं ने उनके जल्दी ठीक होने की उम्मीद जताई है। राज्य सरकार और एम्स रायपुर इस जानी-मानी सिंगर को हर मुमकिन मेडिकल मदद दे रहे हैं। जैसे-जैसे तीजन बाई अस्पताल में अपनी बहादुरी भरी लड़ाई जारी रखे हुए हैं, देश भर से उस महिला के लिए दुआएं और शुभकामनाएं आ रही हैं, जिन्होंने अपनी यादगार कला के ज़रिए महाभारत की हमेशा याद रहने वाली कहानियों को आवाज़ दी।

हत्या कर शव को महानदी किनारे दफनाया

युवक की हत्या के मामले में भाजपा पार्षद समेत चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मंदिर हसौद क्षेत्र में युवक की हत्या कर शव को महानदी किनारे रेत में दफनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में पार्षद नोहर दास रात्रे उर्फ गोलू रात्रे समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद के बाद युवक की हत्या कर साक्ष्य छुपाने की कोशिश की थी। पुलिस के मुताबिक, इंदिरा कॉलोनी मंदिर हसौद निवासी ईश्वरी यादव ने 23 मई को अपने पति भुनेश्वर यादव की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि 22 मई की रात करीब 10 बजे भुनेश्वर यादव नोहर दास रात्रे के गोदाम से

बिना बताए कहीं चला गया था, जिसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मृतक के साथ आखिरी बार देखे गए तीन संदिग्धों से पूछताछ की। शुरुआत में आरोपी पुलिस को गुमराह करते रहे, लेकिन तकनीकी साक्ष्यों और सख्त पूछताछ के बाद नोहर दास रात्रे उर्फ गोलू रात्रे, अमित राजपूत और हेमचंद बंजारे उर्फ सोनू बंजारे ने हत्या की वारदात कबूल कर ली।

डॉक्टरों एवं हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं पर हुआ विशेष संवाद

अतिथियों को माँ नर्मदा का चित्र स्मृति चिन्ह स्वरूप भेंट किया गया

जबलपुर। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ जबलपुर द्वारा होटल गुलजार में डॉक्टरों एवं हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं, चुनौतियों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य एवं राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत एवं परिचय के साथ हुई। महानगर संयोजक डॉ. विवेक जैन ने संवाद की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि डॉक्टरों एवं हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में सार्थक पहल करना समय की आवश्यकता है। प्रदेश सह संयोजक डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी ने प्रियंक कानूनगो का स्वागत किया, जबकि योगेंद्र सिंह ठाकुर का स्वागत डॉ. शुभम राज अवस्थी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिथियों को माँ नर्मदा का चित्र स्मृति चिन्ह स्वरूप भेंट किया गया।

अपने संबोधन में प्रियंक कानूनगो ने कहा कि डॉक्टर एवं हेल्थकेयर वर्कर्स समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने, डॉक्टरों की सुरक्षा, सम्मान एवं सुविधाओं को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। संवाद के दौरान उपस्थित डॉक्टरों ने स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, चुनौतियों एवं सुझावों पर खुलकर अपने विचार रखे। अंत में डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी ने सभी अतिथियों, डॉक्टर साथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. नवीन कोठरी, डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. सतेंद्र मिश्रा, डॉ. विनोद तमकार, डॉ. अभिजीत मुखर्जी, डॉ. अभिनव श्रीवास्तव, डॉ. पुष्पराज पटेल, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ. ए.के. सोनकर, डॉ. शिल्पा अग्रवाल, डॉ. दीपक मिश्रा, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. के.के. वर्मा, डॉ. हर्षा रेड्डी, डॉ. जे.एन. खरे, डॉ. वीरेंद्र साहू, डॉ. सचिन बुधौलिया, डॉ. प्रियांक दुबे, डॉ. सरिता साहू, डॉ. शबनम साकेत, डॉ. मणि नेमा एवं डॉ. गौरव सिंह सहित बड़ी संख्या में डॉक्टर एवं हेल्थकेयर वर्कर्स उपस्थित रहे।

जुलाई में खुलेगा एसआर-3 मार्ग, वहीं दीनदयाल चौक पर यातायात दबाव कम करने एसआर-2 मार्ग का निर्माण भी अंतिम चरण में

जेडीए अध्यक्ष-उपाध्यक्ष ने योजनाओं की बेहतर प्लानिंग तैयार कर उन्हें तय समयसीमा में मूर्तरूप देने पर बल दिया

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अध्यक्ष संदीप जैन ने शुक्रवार को प्राधिकरण कार्यालय में अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, मुख्य कार्यपालिक अधिकारी दीपक वैद्य, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, वित्त अधिकारी, सम्पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य कार्यपालिक अधिकारी दीपक वैद्य ने प्राधिकरण के बजट, विभागीय संरचना, संपत्तियों एवं विभिन्न योजनाओं में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने योजना क्रमांक-64 एवं 65 में निर्माणाधीन एस.आर.-3 मार्ग की प्रगति बताते हुए कहा कि यह मार्ग जुलाई तक पूर्ण होकर आवागमन के लिए तैयार हो जाएगा। इसके अलावा टीडीएस-2 योजना में निर्माणाधीन एस.आर.-2 मार्ग एवं अन्य आवासीय एवं व्यवसायिक प्रोजेक्ट्स की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने निर्देश दिए कि मास्टर प्लान के अनुरूप शहर का सुनियोजित एवं समयबद्ध विकास सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने एस.आर.-3 एवं एस.आर.-2 मार्गों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के साथ योजना क्रमांक-64 एवं 65 के आंतरिक विकास कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एस.आर.-2 मार्ग के पूर्ण होने से पाटन बाईपास क्षेत्र को नया लिंक मार्ग मिलेगा और दीनदयाल चौक पर यातायात दबाव कम होगा। बैठक में निर्माणाधीन आवासीय एवं व्यवसायिक प्रोजेक्ट्स को शीघ्र पूरा कर रेरा अनुमति प्राप्त करने तथा नियमानुसार विक्रय प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। संदीप जैन ने कहा कि शासन की मंशानुसार विकास योजनाओं को समय पर पूर्ण करना प्राधिकरण की जिम्मेदारी है। इससे आमजन को समय पर लाभ मिलेगा और भूमिस्वामियों का भी विकास योजनाओं के प्रति विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों एवं समयसीमा का पालन करते हुए योजनाओं को पूरा करने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए जेडीए अध्यक्ष ने योजनाओं में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य करने तथा बिना इस व्यवस्था के एनओसी जारी नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से नागरिकों के साथ शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार एवं निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने पर भी जोर दिया। बैठक में सिविक सेंटर क्षेत्र को अधिक सुव्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। वहीं जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी ने योजनाओं की बेहतर प्लानिंग तैयार कर उन्हें तय समयसीमा में मूर्तरूप देने पर बल दिया।

सिविक सेंटर क्षेत्र होगा सुव्यवस्थित, कैफेटेरिया फिर से होगा शुरू

शहर के हृदय स्थल सिविक सेंटर क्षेत्र को सुव्यवस्थित एवं सुनियोजित स्वरूप में विकसित करने की दिशा में जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) सक्रिय हो गया है। लंबे समय से बंद कैफेटेरिया को भी पुनः शुरू करने की योजना तैयार की जा रही है, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने सिविक सेंटर एवं कैफेटेरिया क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए कहा कि यह शहर का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र होने के साथ-साथ प्राधिकरण का मुख्यालय भी है। यहां बड़े संस्थानों के कार्यालय, चौपाटी और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होती हैं, इसलिए इसे व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीपक वैद्य, कार्यपालन यंत्री संजय खरे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। जेडीए अध्यक्ष ने कहा कि सिविक सेंटर में यातायात व्यवस्था, पार्किंग, स्वच्छता और अतिक्रमण जैसी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। लगभग 2.5 एकड़ क्षेत्र में स्थित कैफेटेरिया, जो पिछले कुछ महीनों से बंद है, उसे सुनियोजित योजना के तहत पुनः संचालित किया जाएगा। उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी ने कहा कि क्षेत्र का बहुआयामी और चौमुखी विकास संस्था की प्राथमिकता है तथा नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर सभी कार्य किए जाएंगे।

10 दिन तक चलेगा क्रिकेट महाकुंभ, 16 टीमें लेंगी हिस्सा

रेलवे स्टेडियम में सजेगा महापौर प्रीमियर लीग का मैदान

जबलपुर। शहर में खेल गतिविधियों और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगामी 1 से 10 अक्टूबर तक रेलवे स्टेडियम में महापौर प्रीमियर लीग का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर शुक्रवार को महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आयोजन की रूपरेखा तय की। बैठक में नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। महापौर ने बताया कि शहर के 8 सामाजिक संगठन प्रतियोगिता में भाग लेंगे और प्रत्येक संगठन दो-दो टीमें मैदान में उतारेगा। इस तरह कुल 16 टीमें प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। जैन, पंजाबी, सिंधी, सराफा, ब्राह्मण, चौरसिया, सिख और अग्रवाल प्रीमियर लीग से जुड़ी टीमों के बीच मुकाबले खेले जाएंगे। विजेता टीम को 1 लाख 21 हजार रुपये का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

खेल के साथ सामाजिक समरसता पर भी जोर

महापौर ने कहा कि यह आयोजन केवल क्रिकेट प्रतियोगिता नहीं, बल्कि शहर की एकता और खेल भावना का उत्सव होगा। प्रतियोगिता के संचालन और अन्य निर्णयों के लिए समिति गठित की जाएगी, जिसके निर्णयों के आधार पर आयोजन संपन्न कराया जाएगा। प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों के लिए भी विशेष व्यवस्थाएं करने की बात कही गई है।

लिफ्ट मांगकर सवार बदमाश रास्ते में बाईक और मोबाइल लूटकर भागा

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत चुंगी नाका में एक बाईक चालक से एक अज्ञात युवक ने स्टार सिटी तक लिफ्ट मांगी और स्टार सिटी के पास लघुशंका के बहाने से बाईक रोककर बाईक चालक से मारपीट कर उसका मोबाइल और बाईक लूट कर ले गया। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कठौंदा पुरानी बस्ती निवासी 16 वर्षीय ऋषि मलिक गत दिवस भोपाल से बस आए अपने पिता को चुंगी नाका लेने के लिए आ रहे अपनी बाईक क्रमांक एमपी 20 जेड वाय 9088 से रात लगभग 12.30 बजे पहुॅचा जहां पर पहले से खड़े एक अज्ञात लड़के ने उससे स्टार सिटी के पास तक छोड़ने को कहा, उसने कहा कि वह अच्छे से गाड़ी नहीं चला पाता है तो उक्त लड़का बोला कि तुम पीछे बैठ जाओ मैं मोटर सायकल चला लेता हूँ, वह लड़के की बात में आ गया और मोटर सायकल में पीछे बैठ गया जैसे ही स्टार सिटी कालोनी गेट के सामने पहुंचे उक्त लड़के ने लघुशंका करने के लिये बाईक रोकी तथा अचानक से उसे पकड़कर मारपीट करने लगा एवं उसकी जेब से उसका वीवो कंपनी का मोबाइल छुड़ा लिया और धक्का देकर उसकी बाईक लेकर कटंगी वायपास तरफ भाग गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 309(6) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

चिलचिलाती धूप में निगमायुक्त ने किया स्वच्छता व पर्यावरण प्रोजेक्ट्स का औचक निरीक्षण

जबलपुर। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शहर के विभिन्न स्वच्छता एवं पर्यावरण प्रबंधन प्रोजेक्ट्स का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, साइंटिफिक लैंडफिल साइट, मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (MRF) एवं कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन (C&D) वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मौसम की कठिनाइयाँ चाहे जितनी भी हों, शहर की स्वच्छता और विकास कार्यों की गति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की समीक्षा करते हुए उन्होंने कचरे से बिजली उत्पादन प्रक्रिया, प्लांट क्षमता और सुरक्षा मानकों का निरीक्षण किया तथा क्षमता का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लैंडफिल साइट पर वैज्ञानिक तरीके से कचरा निपटान और पर्यावरण संरक्षण मानकों का पालन करने पर जोर दिया। निगमायुक्त ने सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए रीसाइक्लिंग प्रक्रिया को मजबूत करने की बात कही। वहीं C&D वेस्ट से बनने वाली निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यस्थलों पर तैनात कर्मचारियों से संवाद कर उनकी कार्यस्थितियों की जानकारी ली और भीषण गर्मी में कार्य करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों के लिए ठंडे पानी, छांव एवं आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। औचक निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

मेट्रो बस की टक्कर से महिला की मौत, बेटी-दामाद घायल

जबलपुर । गढ़ा के कछपुरा ओवरब्रिज में शुक्रवार की दोपहर एक तेज रफ्तार मेट्रो बस ने बाइक सवार 2 महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला बस के पहिए में फंस कर कुछ दूर तक घिसटती चली गई। जिसके चलते उसके सिर पर पहुंची गंभीर चोट कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में महीला के बेटी और दामाद घायल हो गये, जिन्हें इलाज के लिये मेडिकल कालेज भेजा गया। पुलिस के मुताबिक यादव कॉलोनी निवासी कविता पटेल अपनी बेटी और दामाद के साथ बाइक से गढ़ा की ओर जा रही थीं। दोपहर करीब 2 बजे जब उनकी बाइक कछपुरा ब्रिज की ढाल से नीचे उतरी, तभी सामने से आ रही मेट्रो बस के चालक ने अचानक लापरवाही से यू-टर्न ले लिया। पुलिस के मुताबिक दुर्घटना करने वाले मेट्रो वाहन का नंबर एमपी-20-पीए-1271 बताया गया है बाइक सीधे बस की चपेट में आ गई। हादसे में 42 वर्षीय कविता पटेल की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी और दामाद घायल हो गए। बताया जाता है कि पहिए में घिसटती महिला का सिर बुरी तरह कुचल गया था और भेजा बाहर आ गया था। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाते हुए आरोपी बस चालक की तलाश शुरू कर दी है। वहीं घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज भी एकत्रित किए जा रहे हैं।

उपभोक्ता मंच ने जांच आयोग के समक्ष दायर की याचिका

2 साल में 4 पटाखा फैक्ट्रियों में विस्फोट की घटनाएं

जबलपुर। पटाखा फैक्ट्रियों में लगातारा हो रही विस्फोट की घटना पर चिंता जाहिर करते हुए नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल (एनजीटी) के विभिन्न आदेशों को हवाला देकर देवास पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट कांड की जांच के लिए गठित जांच आयोग के समक्ष याचिका प्रस्तुत की। याचिका में मांग की गई है कि लगातार हो रहे हादसों में नियंत्रण के लिए सख्त कार्रवाई आवश्यक है। याचिका में कहा गया है कि मध्यप्रदेश में पिछले 2 वर्षों में पटाखा फैक्ट्रियों में हादसों की 4 घटनायें हुई। हरदा, मऊ, मुरैना और अब देवास में। लगातार हो रहीं ऐसी घटनाओं के लिये सख्त कार्यवाही की जाना चाहिये। यह प्रार्थना करते हुये डॉ. पी.जी. नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने शुक्रवार को टोककला (जिला देवास) के पटाखा फैक्ट्री में हुये हादसे की जांच आयोग के चेयरमेन न्यायमूर्ति सुभाष काकड़े को याचिका प्रस्तुत की। याचिका में सुप्रीम कोर्ट तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा जारी विभिन्न आदेशों का हवाला देकर बताया कि इन आदेशों की पूर्णतः अनदेखी की गई है।

थानेदार पर अवमानना कार्रवाई की मांग

डॉ. पी.जी. नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने बताया कि उनके द्वारा दायर याचिका पर एनजीटी ने 12 मई को स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि न्यायालयों के आदेशों का पालन नहीं करने पर संबंधित पुलिस थानेदार पर अवमानना मुकदमा दर्ज किया जाये। इसी आदेश के 2 दिन बाद ही देवास में 14 मई को हादसा हुआ। फिर भी शासन चुप बैठा है।

देवास के पीड़ितों को भी मुआवजा दिया जाए

याचिकाकर्ताओं के एडवोकेट प्रभात यादव ने बताया कि हरदा घटना की याचिका में एनजीटी ने निर्देश दिये थे कि पीड़ितों को 20 लाख की राशि दी जाये। इसी के तर्ज पर देवास घटना के पीड़ितों को भी पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशियां प्रदान की जायें। पब्लिक लायबिलिटी इंश्योरेंस एक्ट के तहत भी पीड़ितों को राहत राशियां देने का प्रावधान है। लिहाजा देवास घटना जांच आयोग इस संबंध में निर्देश जारी करे।

प्रशासन, श्रमजीवी पत्रकार परिषद सहित गणमान्यजनों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

श्रीमती पटेरियाजी की सहृदयता, कर्मठ आदर्श जीवन एवं सेवाभाव सदैव प्रेरणा देता रहेगा

जबलपुर। हरिभूमि समाचार पत्र के अनुरोध पटेरिया की पूज्य माताजी श्रीमती भानु देवी पटेरिया का 8 मई को देवलोक गमन हो गया था। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने उनके निवास पर जाकर पूज्य माताजी जी को अपने ओर से भावांजलि पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि समर्पित की । परिषद के सभी पदाधिकारियों ने पूज्य माता श्री के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन समर्पित किये। श्रमजीवी पत्रकार परिषद के पदाधिकारियों ने अपनी शोक संवेदना में कहा है कि पूज्य माताजी जी की मधुर स्मृतियाँ सदैव जीवंत रहेगी। हम सभी दिवंगत आत्मा की शांति और मोक्ष प्रदान हेतु प्रभु से एवं मोक्ष प्रदायनी माँ नर्मदा से प्रार्थना करते हैं। वही इस दुःख की घड़ी में हम सभी पटेरिया परिवार के साथ हैं। परिषद के सभी पदाधिकारियों ने अपनी श्रद्धांजलि में कहा कि पूज्य माताजी जो की समाजसेवा के साथ साथ जीवन पर्यन्त धर्म कर्म में क्रियाशील रही। उनका असीम स्नेह, सहृदयता, त्यागमय कर्मठ जीवन, प्रेममय व्यहार एवं आदर्श पूर्ण जीवन शैली व संस्कारों के साथ सादगीपूर्ण जीवन व आशीर्वाद सदैव परिवार एवं जुड़े पारिवारिक जन शुभचितकों को प्रेरणा देता रहेगा। विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत बाजपेयी, राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय सचिव देवशंकर अवस्थी, विलोक पाठक, राजीव उपाध्याय, संतराम केवड़े, शिवकुमार तिवारी, चंद्रशेखर शर्मा, सुरेश कामले, श्रीमती मीना चौधरी, सिमरन सिंह शुक्ला, शिव चौरसिया, सतीश अग्रवाल, अनुराग दीक्षित, नीरज जैन, कौशलेन्द्र महाजन सहित प्रदेश संभाग जिले के पदाधिकारियों ने अपनी ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित किए। महापौर जगत बहादुर सिंह,भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर,नगर निगम अध्यक्ष रिंकू ब्रिज, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर राजीव बड़ेरिया, वरिष्ठ समाजसेवी योगेन्द्र दुबे, पार्षद अतुल जैन दानी, जनसंपर्क अधिकारी आनंद जैन देवेश मिश्रा, अजय तिवारी, श्याम सोहाने, मुकेश जी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रभु से ब्रम्हलीन आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को यह गहन दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती का भव्य समापन

पुण्यश्लोक अहिल्याबाईः नृत्य-नाटिका के माध्यम से जीवंत हुआ लोकमाता का सेवा भाव

जबलपुर। मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, जबलपुर के सहयोग से आज 29 मई को मानस भवन प्रेक्षागृह, राइट टाउन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। यह आयोजन न केवल उनके 300वें जन्मोत्सव के समापन का साक्षी बना, बल्कि 301वें वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जामदार उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के उप संचालक अमित कुमार यादव एवं अखिल भारतीय गडरिया समाज से मोती श्रीपाल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। संस्कृति संचालनालय के आयुक्त मदन बिभीषण नागरगोजे ने अपने संबोधन में कहा कि देवी अहिल्याबाई का मध्यप्रदेश से जुड़ाव राज्य के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा देवी अहिल्याबाई एक कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ धर्म और राष्ट्र को एकसूत्र में पिरोने वाली महानायिका थीं। भारत के प्रमुख आध्यात्मिक नगरों में उनके द्वारा कराए गए मंदिरों के जीर्णोद्धार, घाटों और धर्मशालाओं का निर्माण उन्हें आज भी लोकमाता की प्रतिष्ठा प्रदान करता है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ. संध्या पुरेचा द्वारा निर्देशित एवं परिकल्पित भव्य नृत्य-नाटिका पुण्यश्लोक अहिल्याबाई रही। सरफोजी राजे भोसले बीएनटी एंड आर सेंटर, मुम्बई द्वारा प्रस्तुत इस नाट्य-आधारित प्रस्तुति में भावना शाह सहित 55 कलाकारों ने देवी अहिल्याबाई के जन्म से लेकर उनके शासनकाल, न्यायपूर्ण व्यवस्था, जन-कल्याण, धर्मनिष्ठा और भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण को जीवंत किया।

इस प्रस्तुति में पार्श्व स्वर श्री हरीश भिमानी ने दिए, संगीत संयोजन श्री अजित परब ने किया, जबकि नृत्य निर्देशन श्री सुभाष नकाशे (सुभाष नागरे) द्वारा किया गया। नाटक के लेखक विवेक आप्टे एवं सुभाष साईंगले हैं। संगीत, नृत्य, कथन एवं प्रभावशाली दृश्यांकन के माध्यम से यह प्रस्तुति उनके करुणा, सुशासन और मातृत्व के आदर्शों को उजागर करने में पूर्णतः सफल रही।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा पिछले वर्ष देवी अहिल्याबाई के सम्मान में 18 महीने के उत्सव का शुभारंभ किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन तक पहुँचाना है। आने वाले समय में लोकमाता के साहित्य का विभिन्न भाषाओं में प्रकाशन और उनके द्वारा किए गए कार्यों एवं तीर्थ स्थलों के चित्रों को समाहित करती 'कॉफी टेबल बुक' भी जारी की जाएगी, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके आदर्शों से निरंतर प्रेरणा ले सकें।

कार्यक्रम के दौरान संस्कृति विभाग की ओर से श्याम मोहन शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन दिनेश शर्मा द्वारा किया गया।

अभाविप ने वेटरनरी विश्वविद्यालय में किया प्रदर्शन, रखी कुलसचिव के इस्तीफे की मांग

जबलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), जबलपुर महानगर द्वारा नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में व्याप्त कथित प्रशासनिक एवं शैक्षणिक अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान परिषद ने कुलपति को ज्ञापन सौंपकर कुलसचिव के इस्तीफे की मांग की। ज्ञापन में अभाविप ने विश्वविद्यालय में छात्रों के हितों की उपेक्षा, भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी, छात्रावास एवं मूलभूत सुविधाओं की बदहाल स्थिति तथा वित्तीय अनियमितताओं जैसे गंभीर मुद्दों पर निष्पक्ष जांच एवं कठोर कार्रवाई की मांग की। महानगर मंत्री आर्यन पुंज ने बताया कि पॉलिटेक्निक डिप्लोमा संविदा भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों से अत्यधिक शुल्क वसूले जाने का आरोप है, जो अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तुलना में अनुचित बताया गया है। परिषद ने शुल्क निर्धारण प्रक्रिया को सार्वजनिक करने और अतिरिक्त राशि वापस करने की मांग भी की। अभाविप ने आरोप लगाया कि संविदा सहायक प्राध्यापक भर्ती में योग्य अभ्यर्थियों की उपेक्षा की गई है। साथ ही विभागीय कर्मचारियों के स्थानांतरण, प्रशासनिक पदों पर कथित मनमानी नियुक्तियों तथा प्रक्रियागत अनियमितताओं की जांच की मांग उठाई गई। परिषद ने छात्रावासों की स्थिति, कैंटीन व्यवस्था तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद कई स्थानों पर दरारें एवं खराब निर्माण कार्य सामने आ रहे हैं, जो लापरवाही की ओर संकेत करते हैं। अभाविप ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इन सभी मुद्दों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन छात्रहित एवं विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा की रक्षा के लिए व्यापक आंदोलन करेगा। इस अवसर पर महानगर मंत्री आर्यन पुंज सहित ऐश्वर्या सोनकर, शोभित मिश्रा, दिव्यांक पचौरी, प्रफुल तिवारी, भास्कर पटेल, सत्यम पटेल, आशुतोष पटेल, सूर्यांश ठाकुर, ओजस्व पांडे, शिवम उपाध्याय, विकास पांडेय, साक्षर सिंह, सात्विक दुबे, वैदिक जैन, अलख राज झरिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जागरूक

सिहोरा। नवांकुर संस्था स्व सेवा संयोजन समिति द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल एंव पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन संस्था की अध्यक्ष सुषमा सिंह कर्चुली के संयोजन में किया गया जिसका शुभारंभ भावना गौतम द्वारा प्रस्तुत मां गंगा की आरती से किया गया।इस अवसर पर उप जेल अधीक्षक दिलीप नायक एवं पार्षद रीता शुक्ला ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक करते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल बचाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। संचालन सचिव सारिका साहू ने किया इस दौरान जल संरक्षण विषयक

प्रश्नोत्तरी का आयोजन अर्चना जैन और आकांक्षा गर्ग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आयोजित संगीत संध्या में साधना साहू,रीना साहू,छबी साहू,दीप्ति जैन,सांझ जैन एवं शालिनी बक्शी द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। जिसमें संगीत सुधीर अवस्थी,नारायण त्रिपाठी एवं नीरज गौतम ने दिया।आयोजन में स्नेह लता साहू,वर्षा ठाकुर,गीता पटेल,कल्पना यादव,मधु पटेल,प्रिया पटेल,राम पटेल,समर्थ साहू,सानू गर्ग,तृप्ति पटेल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।आभार व्यक्त मीनू परिहार ने किया।

पमरे के 107 रेलकर्मी सेवानिवृत्त, सम्मान समारोह आयोजित

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय में कार्यरत उप मुख्य परिचालन प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता सहित कुल 107 रेलकर्मी शुक्रवार 29 मई 2026 को सेवानिवृत्त हुए। इनमें जबलपुर, भोपाल, कोटा मंडलों एवं दोनों कारखानों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हैं। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह में अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री, प्रधान वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर, मुख्य यातायात योजना प्रबंधक राजेश दत्त बाजपेई, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) श्रीमती रश्मि बघेल एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी (औद्योगिक संबंध) अजय कुमार दीक्षित ने सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति संबंधी दस्तावेज प्रदान किए। मुख्यालय में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक सुरेश कुमार, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक त्रिभुवन सिंह एवं ऑफिस असिस्टेंट गीता देवी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रेल प्रशासन की ओर से सभी सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। समारोह में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी संजय कुमार, परिचालन एवं कार्मिक विभाग के अधिकारी, मुख्य कल्याण निरीक्षक सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी (प्रशासनिक) शैलेन्द्र सिंह गौर ने किया। जानकारी के अनुसार, सेवानिवृत्त होने वालों में मुख्यालय के 1 अधिकारी एवं 3 कर्मचारी, जबलपुर मंडल के 26 कर्मचारी, जबलपुर निर्माण संगठन का 1 कर्मचारी, भोपाल मंडल के 2 अधिकारी एवं 36 कर्मचारी, भोपाल कारखाना के 8 कर्मचारी, भोपाल निर्माण संगठन का 1 कर्मचारी, कोटा मंडल के 1 अधिकारी एवं 25 कर्मचारी तथा कोटा कारखाना के 3 कर्मचारी शामिल हैं। सभी सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

एचडीएफसी बैंक कैंपस ड्राइव में विद्यार्थियों ने दिखाई सहभागिता

शासकीय श्यामसुंदर कालेज में आयोजन

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एचडीएफसी बैंक के ऐस बैंकर प्रोग्राम हेतु कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में तथा प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ.सुदेश मेहरोलिया के संयोजन में किया गया इसमें देश की अग्रणी प्रतिभा विकास संस्था एनआईआईटी नीट का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार संभावनाओं से अवगत कराना तथा उन्हें निजी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मक चयन प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक बनाना था। इसमें महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। एनआईआईटी के मानव संसाधन प्रतिनिधि सूरज राव ने विद्यार्थियों को बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को एचडीएफसी बैंक में ऑन-रोल "असिस्टेंट मैनेजर" पद पर कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

स्थानीय खेल समाचार

नवोदित क्रिकेटर अशोका हाल जहांगीराबाद क्लब की टर्फ में निखरेंगे

जबलपुर। नवोदित क्रिकेटरों को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से अशोका हाल जहांगीराबाद क्रिकेट क्लब की नई टर्फ का शुभारंभ महापौर जगत बहादुर सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने नन्हें खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके खेल को सराहा। विजयनगर स्थित क्लब परिसर में टर्फ पर निशुल्क प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत भी की गई, जिसमें बड़ी संख्या में नवोदित क्रिकेटर भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा सापोरकर भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की मैनेजिंग कमेटी के सदस्य अचल सिंह गौर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस क्रिकेट एरिना में दो सीमेंटेड विकेट और पांच टर्फ विकेट तैयार किए गए हैं। यहां स्कूल एवं शहर के उभरते खिलाड़ियों को क्रिकेट का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्य कोच अजय चौबे एवं सहायक कोच अंशुल मिश्रा द्वारा खिलाड़ियों को क्रिकेट की बेसिक्स से लेकर तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। क्लब की इस पहल को शहर में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ओशो गोल्ड योद्धा इलेवन ने जीता सराफा प्रीमियर लीग सीजन-1 का खिताब

जबलपुर। रिमझिम बारिश के बीच गुरुवार देर रात खेले गए सराफा प्रीमियर लीग (एसपीएल) सीजन-1 के रोमांचक फाइनल मुकाबले में ओशो गोल्ड योद्धा इलेवन ने 24 कैरेट शेखर राजा टीम को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया।

रानीताल खेल परिसर स्थित वेलोड्रम मैदान पर खेले गए इस फाइनल में दर्शकों की भारी भीड़ मौजूद रही। पहले बल्लेबाजी करते हुए 24 कैरेट शेखर राजा टीम ने 12 ओवर में 122/4 रन बनाए। जवाब में ओशो गोल्ड योद्धा इलेवन ने 10.5 ओवर में 123/5 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल की शुरुआत से पहले दोनों टीमों ने राष्ट्रगान के साथ मैदान पर उपस्थिति दर्ज कराई। पूरे मुकाबले के दौरान हर गेंद पर दर्शकों में रोमांच देखने को मिला। अंततः ओशो गोल्ड योद्धा इलेवन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। विजेता टीम की ओर से अनुशासित खेल, बेहतर रणनीति और टीमवर्क ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैच के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक लखन घनघोरिया, पार्षद अतुल दानी तथा जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गई। साथ ही प्रतियोगिता में शामिल सभी 18 टीमों के खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर और मैन ऑफ द टूर्नामेंट सहित अन्य पुरस्कार भी प्रदान किए गए। आयोजन समिति ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों और प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया। मीडिया प्रभारी दीपक सोनी के अनुसार कार्यक्रम में सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा सराफ, पूर्व अध्यक्ष सुरेश सराफ, अजय बख्तावर, नवीन सराफ सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

लोध-लोढ समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह 31 को

पनागर/जबलपुर। अखिल भारतीय लोधी/लोढ़ा/लोढ़ अधिकारी कर्मचारी संघ "आलोक" जबलपुर द्वारा 31 मई 2026, रविवार को "पंचम प्रतिभा सम्मान समारोह" का आयोजन मानस भवन, राइट टाउन जबलपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। समारोह में शिक्षा, संस्कृति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 5वीं एवं 8वीं में 75 प्रतिशत तथा कक्षा 10वीं और 12वीं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मान मिलेगा।

इसके अलावा नवोदय विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों, नव नियुक्त एवं सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों तथा जिला, प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल करने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, युवा, मातृशक्ति एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता रहेगी। आयोजकों ने समाज के अधिक से अधिक लोगों से समारोह में उपस्थित होकर प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। आलोक संघ जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी, जबलपुर द्वारा आयोजित इस समारोह को सफल बनाने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

1 जुलाई से स्कूल खोलने की मांग

सिहोरा। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने प्रदेश में भीषण गर्मी को देखते हुए विद्यालयों का संचालन 1 जुलाई से प्रारंभ करने की मांग की है संघ का कहना है कि इस समय गर्मी में घर से निकलना मुश्किल है इसी बीच में कुछ शिक्षक साथी जनगणना कार्य में लगे रहने के कारण उनको अवकाश नहीं मिल पाया है।संघ के अध्यक्ष के जी पाठक,सुशील दाहिया,आनंद गुप्ता,अनिल सलाम, बलराम उपाध्याय,आशीष पहारिया,निर्मल सोनी, राजेंद्र सोनी,गगन राज दुबे,रहीम खान,अशोक गारी,रामकिशोर विश्वकर्मा,राघवेंद्र पौराणिक आदि ने मांग की है कि 1 जुलाई से शिक्षक विद्यार्थियों के लिए स्कूल खोल जावे।

नर्मदा कपः हिमालयन और नर्मदा टीम फाइनल में पहुंचीं

जबलपुर। नर्मदा कप क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों में अंडर-13 वर्ग में हिमालयन टीम और अंडर-17 वर्ग में नर्मदा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। अंडर-13 सेमीफाइनल में हिमालयन ने एचएलसीए कटनी को 78 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हिमालयन ने 20 ओवर में 169 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान यश पटेल ने 38 रन, आराध्या शर्मा ने 29 रन और अनिकेत पटेल ने 18 रन का योगदान दिया। जवाब में एचएलसीए कटनी की टीम 91 रन पर ऑलआउट हो गई। कटनी की ओर से नव्यांश ने 28 रन और देव बिस्वास ने 24 रन बनाए। हिमालयन के गेंदबाज अथर्व ने 3 विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई।

वहीं अंडर-17 वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में नर्मदा टीम ने डीएनसीए को 7 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। डीएनसीए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 135 रन बनाए, जिसमें संस्कार ने 42 रन का योगदान दिया। नर्मदा की ओर से यशोधन और अभिनव ने 3-3 विकेट लेकर शानदार गेंदबाजी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए नर्मदा ने 16.5 ओवर में 137/3 रन बनाकर मैच जीत लिया। यशोधन ने नाबाद 60 रन (45 गेंद) और अदिति यादव ने 43 रन (45 गेंद) की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिससे टीम ने आसान जीत दर्ज की। अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल में अब नर्मदा टीम की भिड़ंत तय हो गई है।

श्री ओमप्रकाश पांडे- सालीवाडा कॉलोनी गौर निवासी पुलिस से सेवा निवृत्त प्रधान आरक्षक श्री ओमप्रकाश पांडे का निधन हो गया। वे अनिल पांडे, नीरज पांडे के पिताजी थे। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री संदीप तिवारी- लॉर्डगंज निवासी श्री संदीप तिवारी का निधन हो गया। वे संजय तिवारी, परमेश तिवारी के भाई एवं आशीष तिवारी के बड़े भाई थे। अंतिम यात्रा आज शनिवार 12 बजे उनके निज निवास स्थान कचनार सिटी से रानीताल शमशान घाट के लिए प्रस्थान करेगी।

श्रीमती आशा रानी अग्रवाल- तेंदूखेड़ा नरसिंहपुर निवासी श्री लक्ष्मी प्रसाद अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती आशा रानी अग्रवाल (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दविन्दर सिंह मैनी- गोरखपुर थाने के पीछे निवासी श्री दविन्दर सिंह मैनी (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती रामरति पांडे- गुप्तेश्वर निवासी श्रीमती रामरति पांडे (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कृपाल सिंह सैयाम- शास्त्री ब्रिज नरसिंह मंदिर के पीछे निवासी श्री कृपाल सिंह सैयाम (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती रामकली मिश्रा- गोपालपुर बिलहरी निवासी श्री बाबू लाल मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली मिश्रा (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीधर सोंधिया- रानीताल टेलीग्राफ गेट नं. 4, साईं मंदिर के पीछे निवासी श्रीधर सोंधिया (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री चैतन्य प्रसाद जायसवाल- गंगासागर रोड गढ़ा निवासी श्री चैतन्य प्रसाद जायसवाल (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विजय कुमार मिश्रा- यादव कॉलोनी हर्षित नगर निवासी श्री विजय कुमार मिश्रा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गोलू चौधरी- आगा चौक उजार पुरवा गली नं. 4 निवासी श्री कस्सी चौधरी के पुत्र श्री गोलू चौधरी (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जय कुमार साहू- जयनगर यादव कॉलोनी निवासी श्री जय कुमार साहू (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजेश वाल्मीक- पुरानी बस्ती गौरीघाट निवासी श्री राजेश वाल्मीक (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रमेश दीक्षित- तुलसीनगर रांझी निवासी श्री रमेश दीक्षित (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सभ्यता सिंह ठाकुर- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री विजय सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती सभ्यता सिंह ठाकुर (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उमा कटारे- अनुराधा कॉलोनी टेमर भीटा वाटर वर्क्स रोड निवासी राकेश कटारे की धर्मपत्नी श्रीमती उमा कटारे (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362100

रिजर्व बैंक ने अपनी जारी वार्षिक रिपोर्ट में कहा

चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत: आरबीआई

एजेंसी ⏭ मुंबई

भारतीय अर्थव्यवस्था चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद मजबूत बनी हुई है और मजबूत वृहद आर्थिक आधार चालू वित्त वर्ष 2026-27 में वृद्धि को सहारा देंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही।

ऊंची ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति शृंखला में बाधाओं और वैश्विक बाजारों से आने वाली चुनौतियों के बावजूद कंपनियों एवं बैंकिंग क्षेत्र के मजबूत बही-खाते तथा सरकार का पूंजीगत व्यय पर जोर भारत की मजबूत वृद्धि गति के लिए अनुकूल है। इसमें कहा गया है कि 2026 में भू-राजनीतिक जोखिम वैश्विक वृद्धि के लिए प्रमुख बाधा बनकर उभरा है।

अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ

फरवरी 2026 के अंत में पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने का असर वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमानों में दिख रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, '' मध्यम वैश्विक वृद्धि के परिदृश्य के बीच 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। हालांकि पश्चिम एशिया में लंबा खिंचने वाला संघर्ष नकारात्मक जोखिम पैदा कर सकता है।''

ऊंची ऊर्जा कीमतें व आपूर्ति श्रृंखला बाधाओं की चुनौती कायम

बावजूद कंपनियों और बैंकिंग क्षेत्र के बही खाते मजबूत

सरकार का पूंजीगत व्यय पर जोर ताकि मजबूत वृद्धि बने रहे

वैश्विक तनाव का कच्चे माल व उर्वरकों की कीमतों पर दबाव : *रिपोर्ट में कहा गया कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव प्रमुख कच्चे माल, विशेषकर उर्वरकों की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव डाल सकते हैं।*

मुद्रास्फीति तय लक्ष्य के अनुरूप रहने की संभावना : *पर्याप्त खाद्यान्न भंडार, जलाशयों में पर्याप्त जल स्तर और स्थिर कृषि संभावनाओं से 2026-27 में मुद्रास्फीति के तय लक्ष्य के अनुरूप रहने की संभावना है, भले ही अल नीनो की स्थिति और सामान्य से अधिक गर्मी हो।*

कृषि क्षेत्र मानसून की प्रगति पर निर्भर

रिपोर्ट में कहा गया कि 2026-27 में कृषि क्षेत्र का परिदृश्य दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति एवं वितरण पर निर्भर करेगा। इसमें कहा गया, '' अल नीनो की संभावना कृषि उत्पादन के लिए नकारात्मक जोखिम उत्पन्न करती है। हालांकि मानसून के उत्तरार्ध में वर्षा बढ़ाने वाली सकारात्मक हिंद महासागर द्विध्रुवीय स्थिति इसके प्रतिकूल प्रभाव को आंशिक रूप से कम कर सकती है।''

व्यापार समझौते भारत की वृद्धि को गति देगा

इसमें कहा गया कि प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ विभिन्न व्यापार समझौतों का क्रियान्वयन भारत की वृद्धि को और गति देगा। भारत वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहा, जबकि 2024-25 में यह वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत थी। यह मजबूत घरेलू मांग, निरंतर निवेश, सक्रिय नीतिगत पहल और ठोस व्यापक आर्थिक आधार से समर्थित रही।

डिजिटल मुद्रा विस्तार करने की योजना

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आरबीआई केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के परीक्षणात्मक उपयोग का विस्तार करने की योजना बना रहा है, ताकि इसे डीबीटी योजनाओं और घरेलू खुदरा क्षेत्र में नए उपयोगों तक पहुंचाया जा सके। साथ ही, वित्तीय परिसंपत्तियों के 'टोकनाइजेशन' और अधिक प्रतिभागियों को शामिल करने के लिए अतिरिक्त परीक्षणात्मक परियोजनाओं पर भी विचार किया जा रहा है।

अमेरिका में बेरोजगारी भत्ते के दावे बढ़कर 2,15,000

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिका में पिछले सप्ताह बेरोजगारी भत्ते के लिए नए आवेदनों में वृद्धि दर्ज की गई है, हालांकि ईरान युद्ध से उत्पन्न आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद छंटनियों में अब भी कमी बनी हुई हैं। अमेरिकी श्रम विभाग ने बताया कि बेरोजगारी भत्ते के दावे बढ़कर 2,15,000 हो गए, जबकि इससे पिछले सप्ताह यह आंकड़ा 2,10,000 था। चार सप्ताह का औसत भी लगभग 6,300 बढ़कर 2,09,000 पर पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में कोविड-19 महामारी के संक्षिप्त लेकिन गंभीर आर्थिक मंदी से उबरने के बाद से अमेरिका में बेरोजगारी भत्ते के आवेदनों की संख्या आम तौर पर 2,00,000 से 2,50,000 प्रति सप्ताह के दायरे में स्थिर बनी हुई है। कम आवेदनों का यह स्तर संकेत देता है कि अधिकांश अमेरिकी कंपनियों ने बड़े पैमाने पर छंटनी नहीं की है। हालांकि, कंपनियां नई भर्तियां भी सीमित मात्रा में कर रही हैं।

■ **आर्थिक अनिश्चतता के बावजूद छंटनियों में अब भी कमी**

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - अनूपपुर (म.प्र.)
E-mail modgmanu@mp.gov.in

क्र./ /खनिज/2026/ — **प्रथम सूचना** — अनूपपुर, दिनांकः-

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18 (1 - क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा आवेदन प्राप्त करने के लिए,

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक PAWAN KUMAR PANDEY S/O RAMAKANT PANDEY 16 PANJARI PARA LANE SALKIA HAORA CORPORATION SALKIA HAORA WEST BENGAL 711106 द्वारा उत्खनिपटटा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 26.05. 2026 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 30.06.2026 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपटटा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
अनूपपुर	कोतमा	गढी	486, 562/1/2, 562/2/2, 561/2, 566/3, 562/1/1, 566/1	2.508	निजी भूमि	बोल्डर	आवेदन

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदनपत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म०प्र० गौण खनिजनियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रो को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जासकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

उप संचालक (खनि प्रशासन)
जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

G-13657/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

खबर संक्षेप

सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज का आईपीओ तीन जून को खुलेगा

नई दिल्ली। फरीदाबाद स्थित अलौह धातु पुनर्चक्रण कंपनी सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज का आईपीओ तीन जून को खुलेगा। कंपनी ने अपने आईपीओ के आकार को घटाया है। पेश करने जा रही है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, निर्गम का कुल आकार पहले प्रस्तावित 4.29 करोड़ इक्विटी शेयरों से घटा दिया गया है।

के2 इंफ्राजेन का शुद्ध लाभ बढ़कर 13.32 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा और इंजीनियरिंग क्षेत्र की कंपनी के2 इंफ्राजेन लिमिटेड का 2025-26 में शुद्ध लाभ 14.46 प्रतिशत बढ़कर 13.32 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने 2024-25 में 11.64 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी की परिचालन आय 25.96 प्रतिशत बढ़कर 184.67 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 146.61 करोड़ रुपये था।

विदेशी मुद्रा भंडार में आई 7.5 अरब डॉलर गिरावट

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त सप्ताह में 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 8.09 अरब डॉलर घटकर 688.89 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

रुपया 53 पैसे मजबूत होकर 95.05 प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 53 पैसे मजबूत होकर 95.05 प्रति डॉलर पर रहा। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर बढ़ी उम्मीद से बाजार धारणा मजबूत होने के बीच रुपया मजबूत हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और डॉलर में कमजोरी से भी रुपये को समर्थन मिला।अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को 60 दिन और बढ़ाने पर सहमति बनने के बाद यह रुख देखने को मिला।

सोना 1,600 रुपए मजबूत चांदी 5,000 रुपए रही तेज

सोना बढ़कर 1.62 लाख रुपए प्रति दस ग्राम

एजेंसी ⏭ गुवाहटी

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,600 रुपये बढ़कर 1.62 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। यह तेजी, मजबूत वैश्विक रुख, अमेरिका-ईरान के बीच शुरुआती समझौते की संभावना और घरेलू बाजार में शादी-ब्याह की मांग की उम्मीदों के कारण आई है।

99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,600 रुपये बढ़कर 1,62,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। बुधवार को बाजार बंद होने के समय इसकी कीमत 1,61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी की कीमत भी 5,000 रुपये मजबूत होकर 2,74,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। पिछले सत्र में चांदी की कीमत 2,69,700 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

■ चांदी मजबूत होकर 2,74,700 रुपए प्रति किलोग्राम

ईद-उल-अजहा के अवसर पर बृहस्पतिवार को सर्राफा बाजार बंद रहे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. में जिंस शोध प्रमुख हरीश वी ने कहा, ''सोने और चांदी की कीमतें थोड़ी बढ़ी है। इसका कारण अमेरिका-ईरान के बीच संघर्ष विराम से जुड़े घटनाक्रम और हाल में महंगाई के आंकड़ों के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर संबंधी परिदृश्य है। उन्होंने कहा कि घरेलू बाजार में शादी-ब्याह की मांग की उम्मीदों के चलते इन कीमती धातुओं की कीमतें मजबूत बनी रहीं।

हरीश ने कहा, ''हमें निकट भविष्य में बिकवाली का कोई बड़ा दबाव नजर नहीं आता, क्योंकि बाजार के बुनियादी कारक कीमतों को लगातार सहारा दे रहे हैं। चांदी भी संभवतः सोने के रुख का ही अनुसरण करेगी, जिसे 'सुरक्षित निवेश' की मांग और औद्योगिक क्षेत्र की संभावनाओं, दोनों से ही मदद मिलेगी।'' अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 4,530.72 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 75.52 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर बनी रही। मिराए एसेट शेयरखान में जिंस मामलों के प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा, विदेशी बाजार में हाजिर सोना की कीमतों में लगभग एक प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कीमती धातुओं पर नीचे जाने का दबाव कम हुआ

एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.
LIC HFL — LIC HOUSING FINANCE LTD
एरिया आफिस :-पहली मंज़िल, प्लाट नंबर 1919, राइट टाउन, प्रेम मंदिर के पास, जबलपुर, मध्य प्रदेश -482002, फोन नंबर 0761-2401338 Website: www.lichousing.com

मांग सूचना

(वित्तीय आस्तियों का प्रतिशूतिकरण एवं पुर्ननिर्माण और सिक्योरिटी इन्ट्रेस्टे एक्ट 2002 की प्रवर्तन की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग नोटिस) (1) क्रमांक (2) गृह ऋण खाता क्रमांक (3) ऋणी का नाम व पता (4) सम्पत्ति का पता (5) स्वीकृत ऋण राशि एवं दिनांक (6) बकाया राशि क्र.

क्र	गृह ऋण खाता क्रमांक	ऋणी का नाम व पता	सम्पत्ति का पता	स्वीकृत दिनांक / स्वीकृत ऋण राशि / मांग नोटिस की तिथि	बकाया राशि ₹
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	120500010836	श्रीमती मनीष कुमार उधवानी सुश्री भावना उधवानी पता फ्लैट नंबर बी-2, टॉवर नंबर 15, सुख सागर ब्लू, ग्वारीघाट, जबलपुर, मध्य प्रदेश 482002	फ्लैट नंबर बी-2, टॉवर नंबर 15, सुख सागर ब्लू, ग्वारीघाट, जबलपुर, मध्य प्रदेश 482002 निर्मित क्षेत्र 627 वर्गफीट। सीमाएँ :- पूर्व- टॉवर नंबर 15, फ्लैट नंबर बी-1, पश्चिम- टॉवर नंबर 16, फ्लैट नंबर बी-1, उत्तर-टॉवर नंबर 15, फ्लैट नंबर बी-3, दक्षिण-ओपन वेंटिलेटर	10/01/2018 11,00,000/- 11/05/2026	6,75,429.68 + ब्याज व अन्य खर्चे
2.	8002050002199	श्री निमित राजपूत पता मकान नंबर आर-04, ग्राम चौरा कुर्द, वैशाली नगर, दमोह, मध्य प्रदेश, 470661	लेआउट प्लॉट नंबर B-50, अनमोल बसेरा फेज-2, खसरा नंबर 123 का हिस्सा, मौजा बिनेकी, पाटन, जबलपुर, मध्यप्रदेश प्लॉट एरिया 1100 वर्गफीट। सीमाएँ :- पूरब- लेआउट प्लॉट नंबर B-28, पश्चिम - लेआउट प्लॉट नंबर B -51, उत्तर- रोड, दक्षिण- लेआउट प्लॉट नंबर B-49	28/11/2023 25,00,000/- 11/05/2026	13,09,927.20 + ब्याज व अन्य खर्चे
3.	120500013066	सुश्री आशा श्रीवास्तव श्री लोकेश श्रीवास्तव श्री सपन श्रीवास्तव पता- मकान नंबर 600, जगदीश मंदिर, गढ़ाफाटक, जबलपुर, मध्य प्रदेश, 482002	लेआउट प्लॉट नंबर 61, खसरा नंबर 154/1,157 का हिस्सा, म्यूटेशन के बाद खसरा नंबर 14/3063 का नया हिस्सा, वसुंधरा गृह निर्माण समिति, रामेश्वरम कॉलोनी, गांव लक्ष्मीपुर, जबलपुर, मध्य प्रदेश। प्लॉट एरिया 1500 वर्गफीट। सीमाएँ :- पूरब- साइड रोड, पश्चिम- पड़ोसी, उत्तर- प्लॉट नंबर 60, दक्षिण- प्लॉट नंबर 62	17/01/2019 15,00,000/- 11/05/2026	9,40,229.44 + ब्याज व अन्य खर्चे
4.	120500012520 120500019892	श्री अनुराग दत्ता पता मकान नंबर 04, टैगोर नगर, बादशाह हलवाई मंदिर के पास, जबलपुर, मध्य प्रदेश, 482008	फ्लैट नंबर 102, ब्लॉक-बी, पहली मंजिल, कौशल्या विहार, मौजा सुभाष नगर, एनबी 773, लीज प्लॉट नंबर 9/1, डायवर्सन प्लॉट नंबर 866/1 पुराना, 866/4 नया, स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड 33, जबलपुर, मध्य प्रदेश, निर्मित क्षेत्रफल 833 वर्गफीट। सीमाएँ :- पूर्व- ओटीएस, पश्चिम-कॉमन लॉबी लिफ्ट मार्ग फिर फ्लैट नंबर 101, उत्तर- ओटीएस, दक्षिण- फ्लैट नंबर 103	18/10/2018 33,00,000/- 24/04/2026 06/01/2023 17,50,000/- 24/04/2026	31,75,012.32 + 16,89,731.09 + ब्याज व अन्य खर्चे
5.	120500006589 120500011104	श्री टीका राम अहिरवार पता एमआईजी-8 मरहाई माता मंदिर के पास हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सिवनी, मध्य प्रदेश,	एनबी 105, पटवारी हल्का नंबर 80 (पुराना 52/76), खमरिया, खसरा नंबर 494/1k का हिस्सा, सिग्मा सिटी, प्लॉट नंबर डी-05 का हिस्सा और प्लॉट नंबर डी-04 का हिस्सा, मौजा बरेला, जबलपुर, मध्य प्रदेश। प्लॉट एरिया 900 वर्गफीट। सीमाएँ :- पूर्व-7.5 मीटर साइड रोड, पश्चिम- पड़ोसी की जमीन, उत्तर-प्लॉट नंबर 05 का हिस्सा, दक्षिण- प्लॉट नंबर 04 का हिस्सा	15/09/2015 11,00,000/- 11/05/2026 05/03/2018 4,00,000/- 11/05/2026	1,39,967.56 + 1,48,723.53 + ब्याज व अन्य खर्चे
6.	8002050004032	श्री टेक बहादुर श्री मेघ बहादुर छत्री पता प्लॉट नंबर 57 और 58 का हिस्सा, अनमोल रेजीडेंसी, खसरा नंबर 284/1/1,284,285 और 292 का हिस्सा, एनबी नंबर 634, पटवारी हल्का नंबर 43, गांव घाना, जबलपुर, मध्य प्रदेश।	प्लॉट नंबर 57 और 58 का हिस्सा, अनमोल रेजीडेंसी, खसरा नंबर 284/1/1,284,285 और 292 का हिस्सा, एनबी नंबर 634, पटवारी हल्का नंबर 43, गांव घाना, जबलपुर, मध्य प्रदेश। प्लॉट एरिया 680 वर्गफीट। सीमाएँ :- पूर्व- पड़ोसियों का प्लॉट, पश्चिम-सड़क की तरफ, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट	05/10/2024 25,00,000/- 04/05/2026	26,09,000.85 + ब्याज व अन्य खर्चे

आपके अनुरोध पर हमने आपको गृह ऋण वित्त राशि के रूप में इकरार नामे की शर्तों के अनुसार स्वीकृत की थी। जिनको आपने स्वीकार किया था। (1) स्वीकृत ऋण राशि स्वीकृति दिनांक एवं आपके खाता संख्या का ब्यौरा ऊपर दिया गया है। (2) आपको विदित है कि आपको प्रदत्त ऋण राशि उपरोक्त (कालम नं. 5) आस्ति। प्रतिभूति अनुबंध (रक्षित आस्ति) से रक्षित है। इसके लिए आपने आवश्यक दस्तावेज निष्पादन करके प्रतिभुति के रूप में सम्यबंधक किया है। (3) हम आपको यह भी सूचित करते है कि संपूर्ण ऋण अंदा करने हेतु बार - बार मांग नोटिस भेजे गए और मौखिक रूप से अनुरोध किए जाने के पश्चात भी अभी तक आपने ऋण अदा नहीं किया है। इस तरह आपने ऋण की अदायगी में गंभीर अनियमितता बरती है। (4) आज दिनांक तक आपको उपरोक्त राशि देय है (कालम नं. 6) 1 (5) ऊपर लिखे कारणों से हम एतद द्वारा आपको सूचित करते हैं कि इस नोटिस की प्राप्ति के 60 दिन के अंदर आप समस्त देय राशियों की भुगतान करें, न करने की स्थिति में हम सिक्योरिटाईजेशन एक्ट की धारा 13 (4) की शक्तियों का उपयोग करेंगे। (6) उपरोक्त शक्तियों के अधीन कार्यवाही करने पर प्राप्त धनराशि प्रथमतः समस्त व्यय प्रभार व खर्चे हेतु उपयोग की जावेगी। जो हमारी राय में उचित प्रकार से किए गए है या संबंधित हो एवं इसके पश्चात हमारे शेष जैसा कि उपरोक्त अदित है में दिनांक **31.05.2026** से वसूली की तारीख की संविदा गत हित के निस्तारण में प्रयोग की जावेगी एवं शेष धनराशि (यदि कोई हो तो) आपको भुगतान दिया जायेगा। (7) एक्ट की धारा 13 (13) के अन्तर्गत आगाह करे कि इस नोटिस की प्राप्त के पश्चात आप इस नोटिस के दर्शायी गई किसी भी रक्षित आस्ति का अन्तरण, बिक्री पट्टे के द्वारा रक्षित ऋण दाता की लिखित पूर्ण सहमति के बिना नहीं कर सकेंगे। (8) एक्ट की धारा 13 (10) के अन्तर्गत हम आपको यह भी सूचित करते है कि यदि रक्षित आस्तियों बिक्री से प्राप्त हमारे ऋण की भरपाई नहीं होती है तो हम आपके विरूद्ध ऋण वसूली अधिकरण (DRT) में जाकर शेष धन राशि की वसूली के लिए कार्यवाही करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। यह मांग नोटिस दो समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जा रहा है।

दिनांक : **30.05.2026**
स्थान : जबलपुर

आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल मण्डला (म.प्र.)

क्रमांक-9872/निर्वाह /2026 — मण्डला, दिनांक 26.05.2026

तृतीय वार्षिक ई - निविदा (पूर्ण कालिक) सूचना वर्ष - 2026-27
निविदा तिथि संशोधन समय सारणी सूचना

जिला जेल मण्डला में परिरुद्ध बंदियों हेतु अधीक्षक नेताजी सुभाषचंद्र बोस केन्द्रीय जेल जबलपुर के पत्र क्र. 558/ निर्वाह / 19.12.2025 के पालन में मध्यप्रदेश जेल पर्ति नियम 1968 के अंतर्गत 1. खाद्यान्न सामग्री 2 सब्जी एवं फल 3. स्वच्छता सामग्री एवं अन्य सामग्री 4 विद्युत एवं जल सामग्री 5. भवन निर्माण सामगी. 6. स्टेशनरी सामग्री के कय के लिये 2026-27 की तृतीय वार्षिक निविदाई - टेण्डर के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार है।

क.	विवरण	दिनांक एवं समय	समय सारणी निविदा कार्यक्रम दिनांक एवं समय
1	प्री-बीडमिटिंग की तिथि	दिनांक 01.06.2026 को समय प्रातः 11:00 बजे	दिनांक 01.06.2026 को समय प्रातः 11:00 बजे
2	ऑनलाईन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि, निविदा फार्म का मूल्य 05 लाख तक की निविदा हेतु 500/- रुपए तथा 05 लाख अधिक की निविदा हेतु 1000/- रुपये प्रति फार्म राशि ऑनलाईन शीर्ष 0056-800 अन्य प्राप्तियों में जमा किया जाएगा।	दिनांक 08.06.2026 को सायंकाल 05:30 बजे तक	वेवसाईट https://mptenders.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। दिनांक 08.06.2026 को सायंकाल 05:30 बजे तक
3	नमूने जमा करने की तिथि	दिनांक 08.06.2026 को सायंकाल 05:30 बजे तक	दिनांक 08.06.2026 को सायंकाल 05:30 बजे तक
4	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज)	दिनांक 10.06.2026 को प्रातः 11:00 बजे से	दिनांक 10.06.2026 को प्रातः 11:00 बजे से
5	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 10.06.2026 को प्रातः 11:00 बजे से	दिनांक 10.06.2026 को प्रातः 11:00 बजे से

निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित जानकारी वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर भी प्राप्त की जा सकती है। निविदा फार्म दर्शित वेवसाईट पर ऑनलाईन पेमेन्ट कर कय किया जा सकता है।

G-13645/26 — दुर्घटना से दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

जेल अधीक्षक
जिला जेल मण्डला

कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य मध्यप्रदेश
E-Mail- civil.ctd@mp.gov.in

क्रमांक/निर्माण/2026-27/9965 — **निविदा आमंत्रण सूचना** — भोपाल, दिनांक 26.5.2026

जनजातीय कार्य विभाग की ओर से ऑनलाइन निविदा प्रतिशत दर पर लोक निर्माण में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित लोक निर्माण विभाग (भवन) म.प्र. भोपाल द्वारा जारी दिनांक 01 जनवरी 2024 से प्रभावशील तथा रोड एवं ब्रिज निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के प्रचलित एस. ओ. आर. 11 अप्रैल 2025 से प्रभावशील पर (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा निम्न विवरण अनुसार आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्नानुसार है :

क्र.	सिस्टम टेंडर नंबर	जिला	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत (राशि लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	निविदा/ कार्य पूर्णता अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	2026_TAD_509075	अलीराजपुर	जनजातीय महाविद्यालयीन बालक छात्रावास अलीराजपुर में नवीन भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	352.05	352050/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
2	2026_TAD_509424	छिंदवाड़ा	जनजातीय सीनियर बालक छात्रावास पगारा वि.ख परासिया में नवीन भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	317.64	317640/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
3	2026_TAD_509364	छिंदवाड़ा	जनजातीय बालक आश्रम सिल्लेवानी विख मोहखेड में नवीन भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	211.71	211710/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
4	2026_TAD_509326	छिंदवाड़ा	जनजातीय सीनियर बालक छात्रावास पालाखेड़ विख मोहखेड़ा में नवीन भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	317.64	317640/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
5	2026_TAD_509329	छिंदवाड़ा	जनजातीय सीनियर बालक छात्रावास भिमालगोंदी विख बिछुआ में नवीन भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	317.64	317640/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
6	2026_TAD_509333	छिंदवाड़ा	जनजातीय सीनियर बालक छात्रावास देलाखारी वि.ख. तामिया में नवीन भवन निर्माण कार्यमय विद्युतीकरण	317.64	317640/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
7	2026_TAD_509340	छिंदवाड़ा	जनजातीय सीनियर बालक छात्रावास मैनीखापा विख मोहखेड़ में नवीन भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	317.64	317640/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
8	2026_TAD_509328	छिंदवाड़ा	जनजातीय कन्या शिक्षा परिसर छिंदवाड़ा में 3500 मीटर बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य	321.85	321850/-	15000/-	6 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
9	2026_TAD_509335	छिंदवाड़ा	जनजातीय सीनियर कन्या उत्कृष्ट छात्रावास सौंसर वि.ख. सौंसर में नवीन भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	317.64	317640/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
10	2026_TAD_509436	जबलपुर	जनजातीय महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास गंगा नगर में नवीन भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण मय विद्युतीकरण	305.65	305650/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
11	2026_TAD_509151	डिण्डौरी	कन्या शिक्षा परिसर बजाग 1250 मीटर पहुँच मार्ग निर्माण कार्य	165.21	165210/-	12500/-	6 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
12	2026_TAD_509191	बालाघाट	कन्या शिक्षा परिसर परसवाड़ा में 2000 मीटर पहुँच मार्ग निर्माण कार्य	296.93	296930/-	15000/-	6 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्री कृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन

1. इच्छुक निविदाकार MP Tenders के पोर्टल पर विवरण देख सकते हैं। 2. NIT (निविदा आमंत्रण सूचना) में किसी प्रकार के परिवर्तन सूचना केवल www.mptenders.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। 3. निविदा प्रपत्र की उपलब्धता का विस्तृत विवरण : www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। 4. प्रस्ताव जमा करने की प्रक्रिया केवल उपरोक्त पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी। 5. संशोधन/परिशिष्ट/स्पष्टीकरण / शुद्धि पत्रक केवल www.mptenders.gov.in पर प्रकाशित किए जाएंगे। 6. आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

अधीक्षण यंत्री
जनजातीय कार्य, भोपाल, म.प्र.

G-13625/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

चिंतन

खेलों को राजनीति से दूर रखने की जरूरत

खेलों में राजनीति कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब यह इस हद तक बढ़ जाए कि खिलाड़ियों को ट्रायल के लिए कोर्ट तक जाना पड़े तो यह किसी भी देश के लिए ठीक नहीं है। हालांकि, यह स्थिति खिलाड़ियों और राजनेताओं दोनों के लिए ही खतरनाक है। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गंभीर असर पड़ता है, वहीं राजनीति पर भी सवाल उठते हैं। ऐसे में जरूरी है कि खेलों को राजनीति से दूर रखा जाए, तभी खेलों का विकास संभव हो सकेगा। देखने में आया है कि खेल जगत में पिछले कुछ वर्षों में जितनी चर्चा खिलाड़ियों की उपलब्धियों की नहीं हुई, उससे कहीं अधिक विवादों, धरनों, अदालतों और राजनीतिक बयानबाजी की हुई है। ओलंपियन विनेश फोगाट को एशियन गेम्स ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने संबंधी सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी व्यापक संकट के बीच आया है। अदालत ने जहां खिलाड़ी के अधिकारों का सम्मान किया, वहीं यह भी स्पष्ट कर दिया कि "देश सबसे पहले" और खेल व्यवस्था की निष्पक्षता सर्वोपरि है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर भारतीय खेलों का वातावरण इस हद तक विवादित क्यों हो गया कि खिलाड़ियों को अपने अधिकारों के लिए सड़क से अदालत तक लड़ाई लड़नी पड़ रही है। खेल मैदानों में अब प्रदर्शन से अधिक चर्चा संघों की राजनीति, गुटबाजी और सत्ता संघर्ष की होने लगी है। विनेश फोगाट भारतीय महिला कुश्ती का बड़ा चेहरा रही हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश को गौरव दिलाया है। पिछले कुछ वर्षों में उनका नाम खेल उपलब्धियों से ज्यादा विवादों के संदर्भ में सामने आया। भारतीय कुश्ती महासंघ और खिलाड़ियों के बीच टकराव, धरने-प्रदर्शन, आरोप-प्रत्यारोप और फिर कानूनी लड़ाइयों ने यह दिखाया कि खेल प्रशासन में भरोसे का संकट गहराता जा रहा है। खिलाड़ी ध्यान रखें कि वे किसी विचारधारा या राजनीतिक समूह के प्रतीक न बनें और अपने खेल पर ध्यान दें। राजनेताओं की भूमिका खेलों के विकास तक सीमित रहनी चाहिए। जब खिलाड़ी राजनीतिक लाभ का माध्यम बनने लगते हैं, तब खेल का मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है। यह स्थिति खिलाड़ियों के लिए भी उतनी ही नुकसानदायक है, जितनी खेल संस्थाओं के लिए। हालांकि, केवल राजनेताओं को दोष देना पर्याप्त नहीं होगा। खेल संघों और प्रशासकों की जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है। भारतीय कुश्ती महासंघ जैसे संगठनों पर समय-समय पर पारदर्शिता की कमी, पक्षपात और मनमानी के आरोप लगते रहे हैं। यदि चयन प्रक्रिया निष्पक्ष और विश्वसनीय होती, तो शायद विवाद अदालत तक नहीं पहुंचते। सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग और स्वतंत्र पर्यवेक्षकों की निगरानी का निर्देश इसी भरोसे को बहाल करने की कोशिश है। अदालत का यह संदेश भी महत्वपूर्ण है कि किसी एक खिलाड़ी के कारण पूरे चयन कार्यक्रम को बाधित नहीं किया जा सकता। खेलों में नियम और प्रक्रिया सभी के लिए समान होनी चाहिए। चयन का आधार केवल प्रदर्शन होना चाहिए, न कि प्रभाव, लोकप्रियता या राजनीतिक समर्थन। यदि खिलाड़ी लगातार विवादों और असुरक्षा के माहौल में रहेंगे, तो इसका सीधा असर देश के प्रदर्शन पर पड़ेगा। विनेश फोगाट प्रकरण से सबसे बड़ा सबक यही निकलता है कि खेलों को अदालतों और राजनीतिक मंचों से निकालकर फिर से मैदान तक लाना होगा। खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करें, किसी दल या विचारधारा का नहीं। जब खेल राजनीति से मुक्त होंगे, तभी प्रतिभा खुलकर सामने आएगी और देश को वास्तविक गौरव मिलेगा।

व्यवस्था
कांतिलाल मांडोत

तकनीकी क्रांति से बदलेगा खाद्य सुरक्षा तंत्र

सरकार ने सार्थक पीडीएस योजना को मंजूरी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था केवल अनाज बांटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह तकनीक पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क बनने जा रहा है। जब किसी जरूरतमंद परिवार को बिना परेशानी समय पर राशन मिलता है तो उसका भरोसा शासन व्यवस्था पर मजबूत होता है। यह नई व्यवस्था आने वाले समय में गरीब कल्याण योजनाओं के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती है। यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है जहां पारदर्शिता, जवाबदेही और आधुनिक तकनीक मिलकर करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए लिया गया फैसला देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव का संकेत है। सरकार ने सार्थक पीडीएस योजना को मंजूरी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था केवल अनाज बांटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह तकनीक पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क बनने जा रही है। इस योजना के माध्यम से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक सीधा लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार इस योजना पर लगभग 25 हजार 530 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है, जो यह दर्शाता है कि गरीब और जरूरतमंद वर्ग तक सही तरीके से राशन पहुंचाने को लेकर केंद्र सरकार कितनी गंभीर है। भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली लंबे समय से गरीबों के लिए जीवनरेखा मानी जाती रही है। करोड़ों परिवार हर महीने मिलने वाले राशन पर निर्भर रहते हैं। वर्षों से इस व्यवस्था में कई प्रकार की समस्याएं सामने आती रही हैं, जिनमें फर्जी राशन कार्ड बिचौलियों की भूमिका वितरण में गड़बड़ी और अनाज की चोरी जैसी शिकायतें प्रमुख रही हैं। कई राज्यों में यह भी देखा गया कि वास्तविक लाभार्थियों तक पूरा राशन नहीं पहुंच पा रहा था, जबकि कई अपात्र लोग इसका फायदा उठा रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने इस पूरी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़कर अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सार्थक पीडीएस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका डिजिटल और एआई आधारित ढांचा है। सरकार अब लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक डिजिटल तकनीकों का उपयोग करेगी। इससे फर्जी राशन कार्डों की पहचान आसान होगी और वास्तविक लाभार्थियों तक राशन पहुंचाने में मदद मिलेगी। डिजिटल तकनीक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को दोहरा लाभ न मिले और हर पात्र परिवार को उसका अधिकार समय पर प्राप्त हो सके। यह व्यवस्था पारदर्शिता को बढ़ाने के साथ साथ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर भी प्रभावी रोक लगाने में सहायक साबित होगी। आज के दौर में तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि प्रशासनिक सुधार का सबसे मजबूत आधार बन चुकी है। बैंकिंग स्वास्थ्य शिक्षा और परिवहन की तरह अब राशन व्यवस्था भी तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है। सरकार का प्रयास है कि पीडीएस प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल बनाकर इसे अधिक सरल, तेज और पारदर्शी बनाया जाए। इससे लाभार्थियों को राशन लेने में कम परेशानी होगी और अधिकारियों के लिए निगरानी करना आसान हो जाएगा। आने वाले समय में लाभार्थियों का पूरा डेटा डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा, जिससे योजनाओं के संचालन में तेजी आएगी। इस योजना का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू राज्यों को मिलने वाली आर्थिक सहायता है। अभी तक भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से अनाज को जिलों और राशन दुकानों तक पहुंचाने में राज्य सरकारों को भारी खर्च उठाना पड़ता था। कई राज्यों ने इस संबंध में आर्थिक बोझ की समस्या भी उठाई

थी। अब केंद्र सरकार ने इस परिवहन और वितरण व्यवस्था में राज्यों को वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया है। इससे राज्यों को राहत मिलेगी और राशन वितरण व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई बार परिवहन व्यवस्था में देरी या संसाधनों की कमी के कारण राशन समय पर दुकानों तक नहीं पहुंच पाता था। नई व्यवस्था से वितरण प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुचारु बनने की उम्मीद है। राशन डीलरों के कमीशन में बढ़ोतरी का फैसला भी इस योजना का अहम हिस्सा है। देशभर में लाखों राशन डीलर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की रीढ़ माने जाते हैं। लंबे समय से वे अपने कमीशन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे क्योंकि बढ़ती महंगाई और संचालन खर्च के बीच पुराने कमीशन में दुकानों का संचालन कठिन हो रहा था। सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए कमीशन बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे राशन डीलरों को आर्थिक राहत मिलेगी और वे अधिक जिम्मेदारी तथा ईमानदारी के साथ काम कर सकेंगे। जब किसी व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों और डीलरों को उचित आर्थिक सहयोग मिलता है तो व्यवस्था की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। यह योजना केवल प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में भी बड़ा कदम है। भारत जैसे विशाल देश में जहां बड़ी आबादी अभी भी आर्थिक रूप से कमजोर है वहां सस्ती दरों पर मिलने वाला राशन करोड़ों परिवारों के लिए जीवन का आधार है। कोविड महामारी के दौरान देश ने देखा कि मुफ्त राशन योजना ने गरीबों को संकट से बचाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऐसे में राशन व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी तथा मजबूत बनाना समय की बड़ी जरूरत थी। सार्थक पीडीएस योजना इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी पहल मानी जा रही है। सरकार का मानना है कि डिजिटल व्यवस्था लागू होने से भ्रष्टाचार में कमी आएगी और खाद्यान्न की चोरी पर रोक लगेगी। कई बार शिकायतें आती थीं कि लाभार्थियों के नाम पर राशन उठाकर बाजार में बेच दिया जाता था। जब पूरी व्यवस्था ऑनलाइन निगरानी से जुड़ जाएगी, तब हर चरण की जानकारी रिकॉर्ड में रहेगी। इससे अनाज की आवाजाही से लेकर वितरण तक पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जा सकेगी। पारदर्शिता बढ़ने से जनता का भरोसा भी मजबूत होगा। डिजिटल इंडिया अभियान के माध्यम से सरकार पहले ही कई सेवाओं को ऑनलाइन कर चुकी है। अब राशन व्यवस्था को भी इसी दिशा में ले जाने का प्रयास हो रहा है। आने वाले वर्षों में यह योजना देश की सबसे आधुनिक और प्रभावी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के रूप में विकसित हो सकती है। कैबिनेट बैठक में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रालयों और विभागों को पूरी गंभीरता और राष्ट्रहित की भावना के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं रहना चाहती बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष ध्यान दे रही है। सार्थक पीडीएस योजना का उद्देश्य केवल राशन बांटना नहीं बल्कि गरीबों को सम्मान और सुरक्षा प्रदान करना भी है। जब किसी जरूरतमंद परिवार को बिना परेशानी समय पर राशन मिलता है तो उसका भरोसा शासन व्यवस्था पर मजबूत होता है। तकनीक आधारित यह नई व्यवस्था आने वाले समय में गरीब कल्याण योजनाओं के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती है। सरकार का यह कदम देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है जहां पारदर्शिता जवाबदेही और आधुनिक तकनीक मिलकर करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करेंगी।

(लेखक प्रसिद्ध लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
हर्षवर्धन पान्डे

हिन्दी पत्रकारिता कल, आज और कल

भारतवर्ष में पत्रकारिता का अनुभव सदियों पूर्व किया जाता रहा है। किसी न किसी रूप में सनातन काल से कलम साधना की परम्परा सर्वश्रेष्ठ रही है। आज हम जो कुछ भी पढ़ते हैं, लिखते हैं, सुनते हैं, सबकुछ कलम साधना का ही प्रतिफल है। कलम न होती तो शायद संसार में ज्ञान का अस्तित्व ही न होता। 30 मई 1826 को कलकत्ता से हिन्दी का पहला समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन हुआ था। भारत में जब आधुनिक पत्रकारिता प्रारंभ हुई, तब हमारे पूर्वजों ने इसके लिए दैवीय अधिष्ठान की खोज प्रारंभ कर दी। उनकी वह तलाश तीनों लोक में भ्रमण करने वाले और कल्याणकारी समाचारों का संचार करने वाले देवर्षि नारद पर जाकर पूरी हुई। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के लिए संपादक पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने देवर्षि नारद जयंती 30 मई, 1826 की तिथि का ही चयन किया। देवर्षि नारद इस पत्रकारिता जगत के आदि पुरुष माने गए हैं। हिन्दी पत्रकारिता की यात्रा लगभग 200 वर्ष पुरानी है। 30 मई 1826 को कलकत्ता से प्रकाशित उदन्त मार्तण्ड को हिन्दी पत्रकारिता का प्रथम प्रकाशन माना जाता है। 'उदन्त मार्तण्ड' का शाब्दिक अर्थ है 'उगता हुआ सूर्य'। यह एक साप्ताहिक समाचार पत्र था जो प्रत्येक मंगलवार को प्रकाशित होता था। 30 मई हिंदी पत्रकारिता दिवस, हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली परंपरा को सहेजने का अवसर है। इस तरह चलते-चलते 30 मई 1826 को हिन्दी पत्रकारिता का उदय हुआ। पं. युगल किशोर शुक्ल इस समाचार पत्र के सम्पादक थे, जो सम्भवतः हिन्दी पत्रकारिता के पहले सम्पादक थे। हालांकि आर्थिक कठिनाइयों के चलते 11 दिसम्बर 1827 को यह समाचार पत्र बंद हो गया था, लेकिन हिन्दी पत्रकारिता ने इस दौर से धीरे-धीरे जो तेजी पकड़ी, वह अब तक अनवरत जारी है। हिंदी पत्रकारिता ने लोगों को जागरूक करने, समाज को सही दिशा देने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज़ादी की लड़ाई में हिंदी समाचार पत्रों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध लोगों को जागरूक करने और देशभक्ति की भावना जगाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1920 से 1947 तक गांधी युग के समय में समाचार पत्रों की बाढ़ सी आ गयी। महात्मा गांधी ने कहा था कि पत्रकारिता का पहले उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को समझना, उनमें वांछनीय उद्देश्यों को जागृत करना और सार्वजनिक दोषों को निर्भीकतापूर्वक प्रकट करना है अर्थात समाज को बदलना ही पत्रकारिता का मुख्य दायित्व है। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पत्रकारिता अपने दायित्वबोध से भावी पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित कर पाएगी। अंग्रेजों की दासता में बर्बादी और अपमान झेलते भारत की दुर्दशा के कारणों की पहचान भारतेंदु काल से ही शुरू हो गई थी, इसे राजनीतिक और सांस्कृतिक सरोकारों से लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गहराई से जोड़ दिया। हिंदी साहित्य से जुड़े व्यक्तियों का हिंदी पत्रकारिता के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसे तत्कालीन अख़बारों ने शिद्दत से निभाया। उस समय पत्रकारिता एक 'मिशन' थी लेकिन समय के साथ- साथ मिशन 'प्रोफेशन' में तब्दील हो गया। जैसे-जैसे सामाजिक व राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन आता गया, पत्रकारिता भी उससे प्रभावित होती गई। अखबार अब सिर्फ खबरों को जानने का साधन नहीं रहे बल्कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कारण खबरें बनाने भी लगे, क्योंकि चौबीस घंटे चैनलों पर ब्रेकिंग न्यूज चलाए जाने लगे। व्यवसायिकता और टी.आर.पी. की अंधी दौड़ ने पत्रकारिता के मूल्यों को बदल कर रख दिया। 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार भारत में डिजिटल मीडिया बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें क्षेत्रीय भाषा कंटेंट खासकर हिन्दी का बड़ा योगदान है। इधर हिन्दी ने अंग्रेजी मीडिया के दबदबे को काफी हद तक चुनौती दी है क्योंकि इस दौर में हिंदी बाज़ार की भाषा बन चुकी है। मूर्धन्य संपादक शिवपूजन सहाय ने एक बार कहा था कि भारत की साधारण जनता तक पहुंचने के लिए दैनिक पत्र ही सर्वोत्तम साधन है। देश-देशांतर के समाचारों के साथ भाषा और साहित्य का संदेश भी दैनिक पत्रों द्वारा आसानी से जनता तक पहुंचा सकते हैं और पहुंचाते आए हैं। आज मीडिया कन्वर्जेंस के इस दौर में भले ही प्रसार से लेकर विज्ञापन और राजस्व सरीखी तमाम चुनौतियां खड़ी हैं, लेकिन एक बात साफ़ है कि समाचार पत्रों के प्रति जनता का भरोसा और विश्वसनीयता बरकरार है। तमाम चुनौतियों के बाद भी हिंदी पत्रकारिता निरंतर आगे बढ़ रही है। 200 वर्ष की हिंदी पत्रकारिता की यात्रा हमें सिखाती है कि सत्य, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व ही इसके मूल स्तंभ हैं। भविष्य में तकनीक, जनसरोकार और जवाबदेही की राह पर चलकर ही हिन्दी पत्रकारिता टिकेगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का मात्र अनुभव करें

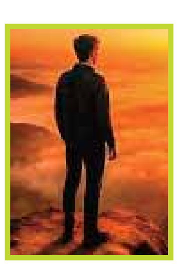

संकलित
दर्शन

अकसर हम यह सोचते हैं कि जिसने जीवन में अधिक कठिनाइयों का सामना किया है, वह जल्दी समझदार बन जाता है। कितना सही है यह सोच। वस्तुतः जीवन में कठिन कुछ नहीं होता है। जीवन में सिर्फ परिस्थितियां होती हैं। फिर चाहे आप उसका अनुभव एक कठिनाई के रूप में करें या आनंद के रूप में। यह चुनने का अधिकार आपका अपना है। अगर आप समझदार हैं तो आप हर परिस्थिति को एक आनंदमय प्रक्रिया में बदल देंगे। अगर आप समझदार नहीं हैं, तो आप अपने लिए हर परिस्थिति को कठिनाई बना लेंगे। अगर आप जानते हैं कि अपने दिमाग में चल रही बेतुकी बातों को कैसे महत्व ना दें, अगर आप अपने दिमाग में चल रहे मनोवैज्ञानिक बकवास में उलझे नहीं, तो आप निश्चित रूप से जल्दी समझदार बन जाएंगे।जीवन सिर्फ परिस्थिति है। 'दुखद' परिस्थिति या 'सुखद' परिस्थिति जैसी कोई चीज नहीं होती। अगर आप आसान परिस्थिति चाहते हैं, तो यह बहुत आसान है। हम आपको एक पिंजरे में बंद कर सकते हैं और जितना आप खा सकते हैं, उससे अधिक भोजन आपको दे सकते हैं। आप बस पिंजरे में रहिए। हम इसका खयाल रखेंगे कि आप सभी चीजों से पूरी तरह सुरक्षित हों। कोई खतरा नहीं, कोई मुश्किल नहीं। आपको परिवार, बीवी-बच्चों का खयाल नहीं रखना है, रोजी-रोटी नहीं कमानी, कुछ नहीं करना है। कोई भी परेशानी नहीं। सारी बातों का खयाल रखा जाएगा। आप बस उस पिंजरे में रहिए। क्या आप ऐसा चाहते हैं? क्या इससे आपको सुख मिलेगा? नहीं।

दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि

संकलित
प्रेरणा

स्वामी विवेकानंद एक बार कहीं जा रहे थे। रास्ते में नदी पड़ी तो वे वहीं रुक गए क्योंकि नदी पार कराने वाली नाव कहीं गई हुई थी। स्वामीजी बैठकर राह देखने लगे कि उधर से नाव लौटे तो नदी पार की जाए। एका-एक वहां एक महात्मा भी आ पहुंचे। स्वामीजी ने अपना परिचय देते हुए उनका परिचय लिया। बातों ही बातों में महात्माजी को पता चला की स्वामीजी नदी किनारे नाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। महात्मा जी बोले, अगर ऐसी छोटी-मोटी बाधाओं को देखकर रुक जाओगे तो दुनिया में कैसे चलोगे? तुम तो स्वामी हो, बड़े आधात्यात्मिक गुरु और दार्शनिक माने जाते हो। जरा सी नदी नहीं पार कर सकते? देखो, नदी ऐसे पार की जाती है। महात्मा जी खड़े हुए और पानी की सतह पर तैरते हुए लंबा चक्कर लगाकर वापस स्वामी जी के पास आ खड़े हुए। स्वामीजी ने आश्चर्य चकित होते हुए पूछा, महात्माजी, यह सिद्धि आपने कहां और कैसे पाई? महात्मा जी मुस्कुराए और बड़े गर्व से बोले, यह सिद्धि ऐसे ही नहीं मिल गई। इसके लिए मुझे हिमालय की गुफाओं में तीस साल तपस्या करनी पड़ी। महात्मा की इन बातों को सुनकर स्वामी जी मुस्करा कर बोले, आपके इस चमत्कार से मैं आश्चर्यचकित तो हूं लेकिन नदी पार करने जैसे काम जो दो पैसे में हो सकता है, उसके लिए आपने अपनी जिंदगी के तीस साल बर्बाद कर दिए। यानी दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि! ये तीस साल अगर आप मानव कल्याण के किसी कार्य में लगाते या कोई दवा खोजने में लगाते, जिससे लोगों को रोग से मुक्ति मिलती तो आपका जीवन सचमुच सार्थक हो जाता।

सटाका

आज की पाती

ऊर्जा क्रांति की नई पारदर्शी तकनीक

शुरुआत दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है और इसी दिशा में सिंगापुर की एक यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने ऐसी अल्ट्रा-थिन सोलर सेल विकसित की है, जो आने वाले वर्षों में ऊर्जा उत्पादन की पूरी तस्वीर बदल सकती है। यह तकनीक इतनी पतली है कि इनसान के बाल के 10,000वें हिस्से जितनी मोटाई में भी बिजली पैदा कर सकती है। खास बात यह है कि यह सोलर सेल पारदर्शी और रंगहीन है, इसलिए इसे खिड़कियों, कारों की विंडशील्ड, मोबाइल स्क्रीन, स्मार्ट ग्लास और ऊंची इमारतों के कांच पर आसानी से लगाया जा सकता है। अब तक सोलर ऊर्जा का मतलब बड़े और भारी पैनल माने जाते थे, जिन्हें छतों पर लगाने के लिए पर्याप्त जगह चाहिए होती है। नई तकनीक 'बिल्डिंग इंटीग्रेटेड फोटोवोल्टिक' अवधारणा को नई गति दे सकती है।

-समीर कुमार, गुरुग्राम

ट्रेंड

स्मृति पुस्तक

ऑपरेशन सिंदूर पर जारी स्मृति पुस्तक ऐतिहासिक विवरण से कहीं आगे बढ़कर हमारे वीर सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को समेटे हुए है और आधुनिक युद्ध के मानवीय पहलू की झलक प्रस्तुत करती है।

- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

बसों में मुफ्त यात्रा

21 जून को नीट परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की सहायता के लिए, दिल्ली सरकार वैध एडमिट कार्ड दिखाने पर सभी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी। किसी भी छात्र को ऐसे दिन असुविधा नहीं होनी चाहिए, जो उनके भविष्य के लिए इतना महत्वपूर्ण है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

संस्कृति पर गर्व

मैं एक स्वयंसेवक और भाजपा कार्यकर्ता हूँ, इसीलिए मुझे असम में यूसीसी लागू करने का साहस मिला है। इसी विचारधारा ने हमें अपनी 5000 वर्षों की गौरवशाली सभ्यता और संस्कृति पर गर्व करना सिखाया है।

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

बेईमानी की चाशनी

भाजपा शासन में, सुबह पुल गिरने की खबर आती है, दोपहर तक रेलवे स्टेशन का शेड गिरने की खबर फैल जाती है, और शाम तक गंगा एक्सप्रेसवे में दरारें सुर्खियों में छा जाती हैं। भाजपा के भ्रष्टाचार की कड़वी जलेबी, बेईमानी की चाशनी में डूबी हुई, अब सहन नहीं की जा सकती।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

अभिनेत्री मर्लिन मुनरो के अंतिम घर पर फिर बहस

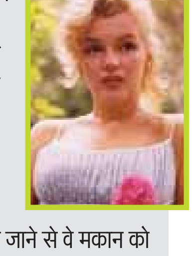

हॉलीवुड अभिनेत्री मर्लिन मुनरो की महज 36 वर्ष की आयु में हुई असमय मृत्यु लंबे समय से रहस्य और चर्चा का विषय बनी हुई है। उनकी मौत को लेकर अनेक तरह की कथाएं और अटकलें दशकों से चर्चा में रही हैं। मुनरो अपने अंतिम घर में केवल छह महीने रहीं, लेकिन जिस घर में उनकी मृत्यु हुई, वह अब प्रशंसकों के लिए लगभग तीर्थस्थल जैसा बन गया है। यह स्थिति वैसी ही है जैसी लॉस एंजिलिस स्थित उनके स्मारक वेस्टवुड विलेज मेमोरियल पार्क की है। इस आकर्षण घर का व्यावहारिक असर भी देखने को मिला है। इस वर्ष घर के मौजूदा मालिकों ने 'सिटी ऑफ लॉस एंजिलिस' के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनका आरोप है कि 2024 में इस संपत्ति को 'ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मारक' घोषित किए जाने से वे मकान को गिराकर वहां पुनर्विकास नहीं कर पा रहे हैं। शहर प्रशासन का कहना है कि संपत्ति के मालिकों को पहले से जानकारी थी कि यह घर पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है और भविष्य में इसे विरासत स्थल का दर्जा मिल सकता है। प्रशासन के अनुसार, मुनरो की पहचान हमेशा इस घर से जुड़ी रहेगी। लेखक ने अपने हालिया शोध में यह समझने का प्रयास किया कि 'फिफ्थ हेलेना' नामक यह घर मुनरो के लिए उनके जीवनकाल में क्या मायने रखता था।

ऑफ बीट

क्या डायनासोर के कारण इंसानों की उम्र हुई कम

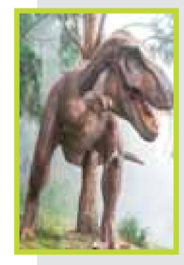

सभी इंसानों की उम्र बढ़ती है। यह हमारे जीव विज्ञान का हिस्सा है और हमारे जीवनकाल को 120 वर्ष से थोड़ा अधिक तक सीमित करता है। सभी जानवर अपने जीवन के दौरान उम्र बढ़ने का अनुभव नहीं करते हैं। कुछ जानवरों का शरीर हमारे शरीर की तरह उम्र बढ़ने के साथ-साथ धीरे-धीरे ख़राब नहीं होता है। लेकिन मनुष्य जब 30 वर्ष की आयु तक पहुँचते हैं तो उनके मरने की संभावना लगभग हर आठ साल में दोगुनी हो जाती है। इसलिए भले ही आप शतायु होने के लिए पर्याप्त भाग्यशाली हों, हर साल आपके मरने की संभावना अधिक होगी। यह उच्च मृत्यु दर कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को दर्शाती है, जैसे मांसपेशियों की हानि और सामान्य कमजोरी, संज्ञानात्मक गिरावट, दृष्टि और श्रवण की हानि और कई अन्य अपक्षयी परिवर्तन जो मानव उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को दर्शाते हैं। और मनुष्य की उम्र इतनी अधिक होने का कारण यह तथ्य हो सकता है कि हमारे पूर्वज डायनासोर के समय में विकसित हुए थे। अन्य स्तनधारियों की तुलना में मनुष्य का जीवन लंबा होता है। सभी भूमि-आधारित स्तनधारियों की तुलना में हमारा जीवनकाल सबसे लंबा है, और सभी स्तनधारियों में से केवल व्हेल ही संभवतः हमसे अधिक जीवित रहती हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

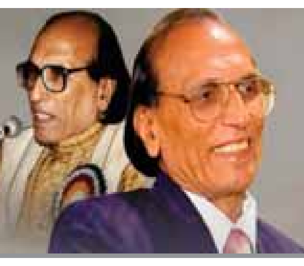

मुसाफिर हैं हम भी, मुसाफिर हो तुम भी किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी

स्मृति शेष
डॉ. बशीर बद्र

अल्फाजों का वो 'उजाला' हमेशा रहेगा

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए... अपने इन अल्फाजों से करोड़ों दिलों को रोशनी देने वाले महान शायर डॉ.बशीर बद्र अब हमारे बीच नहीं रहे। मगर उनकी शायरी, उनकी संवेदनाएं और मोहब्बत से भरे लफ्ज हमेशा अदब की दुनिया में गूंजते रहेंगे। उन्होंने केवल गजलें नहीं लिखीं, बल्कि जिंदगी के एहसासों को इतनी सादगी और खूबसूरती से बयान किया कि हर शेर लोगों के दिलों का हिस्सा बन गया। डॉ.बशीर बद्र का जाना उर्दू अदब के उस सुनहरे दौर के खत्म होने जैसा है, जिसकी महक आने वाली पीढ़िया भी महसूस रहेंगी। अब स्मृति शेष.....

पहली मुलाकात में जाना कि क्यों थे बशीर साहब हर दिल अजीज

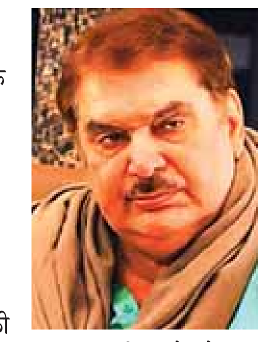

वहीं बशीर बद्र के निधन पर भावुक शब्दों में जाने-माने अभिनेता रजा मुराद ने कहा कि दिल्ली में मैंने एक शो 'महफिल' किया था, जिसे शोएब इलियासी ने तैयार किया था। उस कार्यक्रम में मैंने बशीर बद्र साहब की शायरी और उनकी कलम को भी अपनी आवाज दी थी। वहीं पहली बार उनसे मुलाकात हुई और उसी क्षण मैंने महसूस किया कि वे केवल बड़े शायर ही नहीं, बल्कि बेहद जिंदादिल और हर दिल अजीज इंसान भी हैं। उनकी शख्सियत की सबसे खूबसूरत बात यह थी कि वे हमेशा मुस्कुराते रहते थे और अपनी हर बात का जवाब भी शेरो-शायरी में ही देते थे। उनकी मौजूदगी किसी महफिल को रौनक से भर देती थी। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्ष भोपाल की आबो हवा में बिताना पसंद किया, क्योंकि इस शहर की खुली हवा, यहां की तहजीब और सुकून उन्हें दिल से पसंद था। ईद जैसे मुबारक दिन उनका इस दुनिया से रुख्सत होना ऐसा लगता है, मानो अल्लाह ने उन्हें सीधे अपनी रहमत में बुला लिया हो। आज भले ही बशीर बद्र साहब हमारे बीच मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनकी शायरी, उनके अल्फाज और उनकी सोच हमेशा जिंदा रहेगी। वे अपने आप में एक चलता-फिरता विश्वविद्यालय थे। उर्दू अदब को समझने और सीखने वाला हर नौजवान आने वाले समय में उनकी शायरी से रोशनी हासिल करता रहेगा।

ईद पर उनका जाना, मानो अल्लाह का उन्हें सीधे अपनी रहमत में बुलाना है

बशीर बद्र साहब पर पीएचडी करने वाले अंजुम ने खोले अठन्नी-चवन्नी वाले राज

बातचीत ▶▶ मधुरिमा राजपाल

प्रसिद्ध शायर अंजुम बाराबंकवी ने डॉ. बद्र को याद करते हुए भावुक अंदाज में कहा, साल 1994 में मैंने बशीर बद्र साहब पर पी.एचडी. की थी। मेरा शोध विषय था 'बशीर बद्र : लाइफ एंड वर्क', लेकिन सच कहूं तो वह केवल एक शोध नहीं था, बल्कि उनके साथ बिताए गए 40-45 वर्षों की यादों का सफर था। हमारा रिश्ता उस्ताद और शागिर्द से कहीं बढ़कर पिता और बेटे जैसा हो गया था। हमने साथ में सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक की यात्राएं कीं। दिलचस्प बात यह थी कि हर यात्रा से लौटने के बाद वे मुझसे एक-एक पैसे का हिसाब मांगते थे। फिर बैठकर आधा-आधा खर्च बांटते और उस पर लंबी बहस भी करते। यह बहस हजारों रुपयों की नहीं, बल्कि 25 और 50 रुपयों यानी अठन्नी चवन्नी तक की होती थी। उनकी यही सादगी और जीवन के प्रति अनुशासन मुझे हमेशा प्रभावित करता था। वे अक्सर कहते थे कि उनकी आखिरी तनख्वाह मात्र 165 रुपए महीना थी, इसलिए पैसे की कीमत वह भली-भांति समझते थे।

मेरे घर पर 'कहां हो? लौटकर मुझसे मिलना' की पर्ची चिपका जाते थे

उन्होंने एक और याद साझा करते हुए बताया कि जब मैंने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में उनके नाम पर पीएचडी के लिए आवेदन किया, तब कई लोग उन पर शोध करना चाहते थे। लेकिन बशीर बद्र साहब ने स्वयं कुलपति से कहा था मेरे ऊपर पीएचडी अंजुम ही करेगा, क्योंकि वह एक अच्छा शायर है। यह मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था....। अंजुम बताते हैं कि वे अक्सर उसी फिजां में रहते थे, जहां बशीर बद्र साहब का घर था। अविवाहित होने के कारण वह सुबह-सुबह टहलने निकल जाते या कहीं चले जाते थे। ऐसे में बशीर साहब उनके घर के बाहर एक छोटी-सी पर्ची चिपका जाते, जिस पर लिखा होता — 'कहां हो? लौटकर मुझसे मिलना'। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी पीएचडी थीसिस में उन पर्चियों को भी शामिल किया है। वे सिर्फ कागज के टुकड़े नहीं, बल्कि मेरे जीवन की अनमोल यादें हैं, जिन्हें मैं कभी नहीं भूल सकता।

जितना उनसे सीखने को मिला, उतना शायद किसी किताब से भी नहीं

वहीं प्रसिद्ध शायरा अंजुम रहबर ने बशीर बद्र को याद करते हुए भावुक स्वर में कहा, यह बात 1977 की है, जब मेरा उनसे जुड़ाव शुरू हुआ। मैं उनसे काफी जूनियर थी, लेकिन उनसे जितना सीखने को मिला, उतना शायद किसी किताब से भी नहीं मिल सकता था। वे ऐसे गजलगो और ऐसे शायर थे, जिनकी शायरी के अंदाज को शब्दों में बयां करना बेहद मुश्किल है। मैंने उनके साथ करीब 150 मुशायरों में हिस्सा लिया होगा। वे जितने शानदार शायर थे, उतने ही बेहतरीन संचालक भी थे। हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं पर उनकी पकड़ अद्भुत थी। मंच पर उनकी मौजूदगी ही मुशायरे को एक अलग ऊंचाई दे देती थी।

फोन कर पूछते तुम भी जा रही हो

जब भी हम भोपाल से बाहर किसी मुशायरे के लिए जाते, तो वे हमेशा मुझे फोन करके पूछते तुम भी जा रही हो या नहीं? उनका यही अपनापन और दिल को छू लेने वाला अंदाज लोगों के दिलों में उतर जाता था। मैं उन्हे यूनिवर्सिटी मानती रही हूं।

'और बद्र, कैसे हो?'

बशीर साहब के मुंह से यह सुनना मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था

प्रसिद्ध शायर व रंगकर्मी बद्र बस्ती ने बशीर बद्र के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि शायरी के इस दौर का एक महान शायर हमारे बीच से चला गया। बशीर बद्र साहब जितने उम्दा शायर थे, उतने ही हर दिल अजीज इंसान भी थे। जब वे उर्दू अकादमी के चेयरमेन थे, उस समय मैं वहां उर्दू पढ़ता था। इतने बड़े पद पर होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने ओहदे का बड़प्पन महसूस नहीं होने दिया। वे मुझे अपने पास बिठाते, घंटों शेरो-शायरी पर बातें करते और बड़ी आत्मीयता से समझाते कि किसी शेर या मुशायरे में कहां नुक्ताचीनी करनी चाहिए। उनकी सबसे खास बात यह थी कि वे बेहद बेतकल्लुफ इंसान थे। बातचीत में हंसी-मजाक, अपनापन और गर्मजोशी हमेशा बनी रहती थी। कभी सड़क पर या किसी शादी-ब्याह में भी मुलाकात हो जाती, तो खुद मुस्कुराकर कहते-'और बद्र, कैसे हो?' उनके मुंह से यह सुनना मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था।

उनका जाना शायरी के एक सुनहरे दौर का अंत होना

उन्होंने कहा, बशीर बद्र साहब का जाना ऐसा लगता है, मानो शायरी के एक सुनहरे दौर का अंत हो गया हो। उनकी शायरी सीधे दिल की गहराइयों तक उतर जाती थी। आज भी बहुत लोग शेर कहते हैं, लेकिन जिस सादगी, एहसास और रूहानियत से वे अल्फाज को जिंदगी देते थे, वैसी शायरी कर पाना बेहद मुश्किल है।

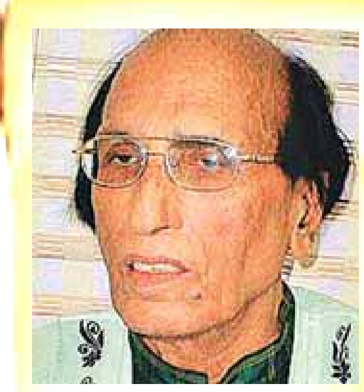

हर एक जुबां पर है बद्र साहब की ये शायरियां

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो
न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए

दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे
जब कभी हम दोस्त हो जाएँ तो शर्मिंदा न हों

कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी
यूँ कोई बेवफ़ा नहीं होता

ज़िंदगी तू ने मुझे क़ब्र से कम दी है ज़मीं
पाँव फैलाऊँ तो दीवार में सर लगता है

कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से
ये नए मिज़ाज का शहर है ज़रा फ़ासले से मिला करो

यहाँ लिबास की क़ीमत है आदमी की नहीं
मुझे गिलास बड़े दे, पर शराब कम कर दे

मोहब्बतों में दिखावे की दोस्ती न मिला
अगर गले नहीं मिलता तो हाथ भी न मिला

सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा
इतना मत चाहो उसे वो बेवफ़ा हो जाएगा

लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में
तुम तरस नहीं खाते बस्तियाँ जलाने में

घरों पे नाम थे नामों के साथ ओहदे थे
बहुत तलाश किया कोई आदमी न मिला

कभी कभी तो छलक पड़ती हैं यूँही आँखें
उदास होने का कोई सबब नहीं होता

इसी शहर में कई साल से मिरे कुछ क़रीबी अज़ीज़ हैं
उन्हें मेरी कोई ख़बर नहीं मुझे उन का कोई पता नहीं

अजीब शख़्स है नाराज़ हो के हँसता है
मैं चाहता हूँ ख़फ़ा हो तो वो ख़फ़ा ही लगे

जी बहुत चाहता है सच बोलें
क्या करें हौसला नहीं होता

यादाश्त धुंधली हुई थी पर शायरी रूह में थी

जिंदगी के आखिरी दौर में बशीर बद्र साहब 'अल्जाइमर' (भूलने की बीमारी) के शिकार हो गए थे। वह लोगों के नाम, चेहरे और यहाँ तक कि अपनी निजी जिंदगी की कई बातें भूलने लगे थे। लेकिन उनके करीबियों और पत्नी राहत बद्र के मुताबिक, इस बीमारी के बावजूद जब भी उनके सामने उनके शेरों की कोई एक लाइन बोलता था, तो वह मुस्कुराकर उसकी दूसरी लाइन पूरी कर देते थे। यादाश्त भले ही धुंधली हो गई थी, लेकिन शायरी उनकी रूह में रची-बसी थी।

कई पुरस्कारों से नवाजे गए

पद्मश्री (1999)

साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से नवाजा गया।

साहित्य अकादमी पुरस्कार

इसी वर्ष उनके प्रसिद्ध उर्दू काव्य संग्रह आस (69 गजलों का संग्रह) के लिए उन्हें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रांतीय उर्दू अकादमी पुरस्कार

उन्हें साहित्य सेवा के लिए उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा चार बार और बिहार उर्दू अकादमी द्वारा एक बार सम्मानित किया गया।

मीर अकादमी पुरस्कार

अदबी दुनिया में उनके खास योगदान के लिए उन्हें मीर अकादमी अवार्ड भी प्रदान किया।

जाने-माने शायर व साहित्यकार मनीष श्रीवास्तव 'बादल' ने कहा

आज से ठीक सात साल पहले यानी 28 मई को ही हुई थी उनसे पहली मुलाकात

देश-विदेश में जब भी गजल की बात होगी, बशीर बद्र साहब नाम बहुत ही अदब से लिया जाएगा। उनके शेर जहां पार्लियामेंट में गूंजते थे तो वहीं हर मंच पर संचालक द्वारा पढ़े जाते थे। मैं बचपन से उनके शेरों को पढ़ता आया हूं, जीता आया हूं। क्या पता था कि नौकरी भोपाल लेकर आ जाएगी और बशीर बद्र साहब के साथ, उनके घर में बैठने का अवसर दे देगी। परन्तु उनकी डिमेंशिया बीमारी के कारण वर्षों तक बिस्तर पर पड़े रहना मुझे अंदर तक झकझोर दिया। उनसे मेरी पहली मुलाकात आज ही के दिन (28 मई) को साल 2019 में हुई थी, और उनसे मुलाकात का वो संस्मरण मैंने घर आकर फेसबुक पर पोस्ट किया, आज ही फेसबुक ने मुझे उनसे मुलाकात का वो फोटो और पोस्ट साझा की। उस वक्त मैं अपने एक मित्र अकबर के साथ ईदगाह हिल्स स्थित उनके घर पर गया। बशीर साहब की पत्नी राहत बद्र और बेटे ने जिस आत्मीयता से स्वागत किया, वह हमेशा स्मृतियों में रहेगा। बशीर साहब के बगल में बिस्तर पर बैठना रोमांचित कर रहा था। परन्तु दुःख इस बात का था कि एक आला दर्जे के शायर जिनकी गजलों और शेरों की दीवानी ये सारी दुनिया है, वे इस हालत में हैं कि कुछ भी, किसी को भी ठीक से पहचान भी नहीं पा रहे हैं। मैंने उनसे बहुत बात करने की कोशिश की पर वे कुछ समझ नहीं पा रहे थे और कुछ समझा भी नहीं पा रहे थे। मैं मन ही मन बहुत रोया।

एक घंटा उनके साथ बिताकर, उनके चरण स्पर्श कर वापस आ गया

इससे पहले कि आंसुओं का सैलाब फूट पड़े मैं फोन आने का बहाना बनाकर कमरे से बाहर निकल गया। थोड़ी देर बार अंदर आया तो वे सो चुके थे। करीब एक घंटा उनके साथ बिताने के बाद हम उनके चरण स्पर्श कर प्रभु से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते हुए वापस आ गए। लगता है वो आज हमसे यह कहते हुए विदा हो गए कि जिन्दगी की शाम हो गई, 'मुसाफिर हो तुम भी, मुसाफिर हैं हम भी, किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी'। अलविदा, बशीर साहब....।

मुशायरों में भी उनकी गरिमामयी मौजूदगी बनी रहती थी

वे शुभ सूचना देने वाले पूर्णिमा के चांद की तरह...एक नाजुक लफ्ज शायर

राकेश अचल
वरिष्ठ पत्रकार

पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र साहब के न रहने की खबर ठीक वैसी ही लगी, जैसे नौतपा की भीषण गर्मी में कोई बूढ़ा बरगद जड़ों समेत उखड़ गया हो। दुनिया में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो अपने नाम को पूरी तरह सार्थक कर पाते हैं, डॉ. बशीर बद्र ऐसे ही विरले इंसान थे। वे शुभ सूचना देने वाले पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह थे। यदि मैंने डॉ. बशीर बद्र को सुना न होता, तो यह पूरी तरह मुमकिन है कि मैं न तो एक बेहतर पत्रकार बन पाता और न ही एक अच्छा कवि।

बशीर साहब से मेरी मोहब्बत की एक वजह तो उनकी लाजवाब शायरी थी, और दूसरी वजह उनका जन्म 15 फरवरी 1935 को होना था। वे मेरे प्रिय कवि प्रो. प्रकाश दीक्षित से ठीक 11 दिन पहले पैदा हुए थे। प्रकाश जी अपने हर जन्मदिन पर बशीर साहब का जिक्र बेहद आदर के साथ करते थे। मुझे ठीक-ठीक तो याद नहीं कि मैंने बशीर साहब को पहली बार कब सुना था, लेकिन संभवतः यह 1974 की बात रही होगी।

वे ग्वालियर व्यापार मेले के मुशायरों में नियमित रूप से आते थे, और इसके अलावा अन्य मुशायरों में भी उनकी गरिमामयी मौजूदगी बनी रहती थी। उन्हें सुनने वाले श्रोता भी बेहद खास थे। वे रुमानियत से भरे हुए, नौजवान और जिंदगी में संघर्ष करने वाले लोग थे। बशीर साहब शायद अपनी शायरी भी उन्हीं के लिए लिखते थे।

बशीर बद्र साहब की शायरी में मोहब्बत थी, तिश्नगी (प्यास) थी, समझाइश थी और एक चेतावनी भी थी, लेकिन उनकी शायरी का एक भी शब्द ऐसा नहीं होता था जो किसी आम आदमी की समझ में न आए। वे आधुनिक (जदीद) शायरी भी करते रहे और पारंपरिक (रिवायती) शायरी भी, लेकिन उन्हें असली पहचान उनकी प्रगतिशील शायरी ने दिलाई।

बशीर साहब के शेर भी मीर और गालिब की तरह समय के साथ मुहावरे बन गए और आम बोलचाल की कहावतों में इस्तेमाल किए जाने लगे। यह मुकाम बहुत कम शायर ही हासिल कर पाते हैं। वे मुशायरों में न तो कभी चीखकर पढ़ते थे और न ही सीना पीटकर; उनका अंदाज़-ए-बयां बेहद मखमली और शालीन था। आधुनिक शायरी के दौर में बहुत से लोगों ने बशीर साहब के इस खास अंदाज़ की नकल करने की कोशिश की। वे किसी भी मुशायरे में हमेशा पूर्णिमा के चांद की तरह ही चमके और उनकी चमक कभी फीकी नहीं पड़ी। बशीर साहब को जीवन में जो भी मुकाम, सम्मान और पुरस्कार मिले, वे सब उनकी उत्कृष्ट शायरी की बदौलत थे, किसी की दया या मेहरबानी से नहीं। बशीर साहब हमेशा देश के उन गिने-चुने शायरों में गिने जाएंगे जो इस नश्वर दुनिया से विदा होने के बाद भी सदियों तक बिना किसी सहारे के लोगों के दिलों में जिंदा रहते हैं।

साहित्य और कला जगत में उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए उन्हें साल 1999 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। वे मूल रूप से कानपुर के रहने वाले सैयद थे, लेकिन बाद में वे भोपाल के होकर ही रह गए। देश की सीमाओं के बाहर जहाँ कहीं भी ग़ज़ल सुनी और समझी जाती है, वहाँ बशीर साहब को बेहद चाव से सुना गया। दुनिया के लगभग बीस से अधिक देशों में उनके चाहने वाले मौजूद हैं।

कलेक्टर न्यायालय का बड़ा फैसलाः आधारताल तहसीलदार द्वारा पारित 7 नामांतरण आदेश निरस्त

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने न्यायालय तहसीलदार आधारताल द्वारा विधिक प्रक्रिया का पालन किए बिना अगस्त 2023 से फरवरी 2024 के बीच पारित सात नामांतरण आदेशों को निरस्त कर दिया है। यह निर्णय अनुविभागीय राजस्व अधिकारी (एसडीएम) आधारताल की जांच रिपोर्ट के आधार पर पुनरीक्षण के बाद लिया गया।

कलेक्टर ने अपने आदेश में पाया कि इन प्रकरणों में पर्याप्त जांच, दस्तावेजों का सत्यापन और राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी के आवश्यक प्रतिवेदन तक उपलब्ध नहीं थे। कई मामलों में हस्ताक्षर, शपथपत्र, स्टाम्प एवं अन्य अनिवार्य दस्तावेजों में गंभीर त्रुटियां पाई गईं। साथ ही एक प्रकरण ऐसा भी सामने आया, जो अधिकार क्षेत्र से बाहर होने के बावजूद तहसीलदार आधारताल द्वारा निराकृत कर दिया गया था।कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी प्रकरणों में राजस्व अभिलेख यथास्थिति में रखे जाएं। यदि किसी हितबद्ध पक्षकार का नाम दर्ज हो चुका है तो उसे वर्तमान स्थिति में बनाए रखा जाए, ताकि आगे किसी प्रकार की जटिलता उत्पन्न न हो। साथ ही यह निर्देश भी दिए गए कि खसरे के कॉलम नंबर 12 में "न्यायालय कलेक्टर के पुनरीक्षण में पारित आदेश के अधीन" की टीप अंकित की जाए। निर्णय के अनुसार, इन सभी प्रकरणों को पुनः तहसीलदार न्यायालय में भेजा गया है, जहां आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कर नवीन प्रकरण दर्ज करते हुए विधिवत जांच के आधार पर पुनः निराकरण किया जाएगा।कलेक्टर ने अपने आदेश में यह भी कहा कि संबंधित अधिकारियों को तब तक अंतिम निर्णय नहीं लेना है जब तक पुनः सुनवाई पूरी न हो जाए।

निरस्त किए गए प्रकरणों में प्रमुख अनियमितताएंः

प्रकरणों में शपथपत्रों की कमी, स्टाम्प एवं नोटरी की अनुपस्थिति, पटवारी/आरआई के हस्ताक्षर का अभाव, गलत या अपूर्ण दस्तावेज, बिना सत्यापन के आदेश, अधिकार क्षेत्र से बाहर कार्रवाई, तथा पेशी एवं आदेश तिथियों में विसंगतियां प्रमुख रूप से पाई गईं।

प्रमुख प्रकरणों का संक्षिप्त विवरणः

लक्ष्मीपुर भूमि प्रकरण में पटवारी प्रतिवेदन व शपथपत्र अनुपस्थित पाए गए तथा बिना जांच आदेश जारी किया गया।एक अन्य प्रकरण में वकालतनामा, शपथपत्र और शुल्क चालान में गंभीर विसंगतियां मिलीं।फौती नामांतरण प्रकरण में मृत्यु प्रमाण पत्र एवं दस्तावेजों में नामों की भिन्नता तथा अभिलेखीय त्रुटियां पाई गईं।कई मामलों में प्रकरण दर्ज होने से पहले की तारीख पर पेशी दर्शाकर आदेश पारित किए गए।एक प्रकरण में तहसीलदार ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर नामांतरण आदेश जारी किया।कलेक्टर ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में पारदर्शिता और विधिक प्रक्रिया का पालन अनिवार्य है। भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा।

बड़ादेव मंदिर व अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त करने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षक संघ संभाग जबलपुर, मप्र द्वारा एक ज्ञापन महापौर एवं कमिश्नर जबलपुर को सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि गोंडवाना साम्राज्य के अमर शहीद राजा शंकर शाह व कुंवर रघुनाथ शाह बलिदान प्रतिमा स्थल गोंडवाना चौक स्थित परिसर के आसपास खाली भूमि है और पूर्व से आदिवासियों के आराध्य बड़ा देव पूजा स्थल बना है, जो खुले आसमान के नीचे है, जहां प्रतिदिन आदिवासी समाज के सदस्य उन्हें नमन करते हैं। अतः आगामी दिनों में बरसात शुरू होने वाली है और वर्तमान में भी खुले आसमान में धूप के कारण आदिवासी समाज को पूजन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यहां ऊपर छत, एक बड़ा हॉल एवं प्रसाधन गृह बनाए जाने की मांग संगठन ने की है। ज्ञापन के दौरान गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ के संभागीय अध्यक्ष किशोरी लाल भलावी, एड. बालकिशन चौधरी, राजेन्द्र चौधरी, नेमसिंह मरकाम, अजय झारिया, वीएस मरावी, बालकृष्ण तेकाम, नोखेलाल बरकड़े, गया प्रसाद धुर्वे, दिशा इनवाती, अंजना इनवाती, बालकृष्ण उइके, नारायण चौधरी, एड. सूरज चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संगीन आरोपों के बाद रघु तिवारी पहुंचे एसपी ऑफिस

जबलपुर। नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए लेने के संगीन आरोपों के बाद समाजसेवी रघु तिवारी शुक्रवार को अपने समर्थकों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। गौरतलब है कि इससे पहले एक पक्ष ने रघु तिवारी पर अनुकंपा नियुक्ति के नाम पर दो लाख और एसआई भर्ती कराने के नाम पर आठ लाख मांगने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद मामला शहर में चर्चा का विषय बन गया। इसी बीच रघु तिवारी ने सामने आकर खुद पर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया। उसने एएसपी सूर्यकांत शर्मा को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि कुछ लोग उनकी सामाजिक छवि खराब करने के लिए सुनियोजित तरीके से साजिश रच रहे हैं। मीडिया से बातचीत में रघु तिवारी ने दावा किया कि उसने हमेशा जरूरतमंद लोगों की मदद की है और एक मामले में हाईकोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़कर पीड़ित परिवार को न्याय भी दिलाया। रघु तिवारी ने कहा कि कोर्ट फीस और कानूनी प्रक्रिया के तहत हुए वैध लेन-देन को गलत तरीके से रिश्वत और ठगी का रूप दिया जा रहा है। यह भी कहा कि यदि उनके खिलाफ किसी भी प्रकार का ठोस सबूत मिलता है तो वह स्वयं गिरफ्तारी देने को तैयार हैं। अब पूरे मामले में नजर पुलिस जांच पर टिकी है। शहर में चर्चा इस बात की है कि आखिर कौन सही है और कौन गलत, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा।

सहायक आयुक्त सीके दुबे को छात्रसंघ ने सौंपे बेशरम के फूल

जबलपुर। जनजातीय कार्य विभाग में हो रही लगातार अनियमितताओं पर कार्यवाही न होने के कारण परेशान छात्र-छात्राओं ने आज सेवानिवृत्त हो रहे सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को बेशरम का गुलदस्ता भेंट कर उनका धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। छात्रों ने आरोप लगाया कि विभाग के विभिन्न छात्रावासों में व्याप्त समस्याओं को लेकर लगातार शिकायत किए जाने पर विभाग पर कोई कार्यवाही नहीं की गई, बल्कि आरोपियों से पैसे ले लेकर उनको बचाया गया, इसके साथ ही विभिन्न अधीक्षकों को पैसे लेकर एक से अधिक छात्रावास दिए गए। छात्रों ने कहा कि सहायक आयुक्त केवल ट्रांसफर करने में व्यस्त थे, उन्होंने छात्र-छात्राओं पर कोई ध्यान नहीं दिया। लगातार कई माह से जनजातीय कार्य विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न उठ रहे हैं जिसको लेकर छात्र-छात्राएं ने उनको हो रही समस्याओं को ठीक करने की मांग की, जिस पर कोई कार्यवाही न होने पर आज छात्रों ने सेवानिवृत हो रहे सहायक आयुक्त सीके दुबे को बेशरम का गुलदस्ता भेंट कर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान छात्र संघ के अध्यक्ष सोनेलाल उर्रेती, महेश अहिरवार, भारती मेहरा, भूपेंद्र मरावी, विनय झारिया, संजीव सूर्यवंशी, वंशराज वंशकार, सौरभ पाल आदि उपस्थित रहे।

फ्रीमेसन्स ने किया गमछों का वितरण

जबलपुर। फ्रीमेसन्स लॉज जबलपुर जैम्स द्वारा विगत दिवस आटो चालकों एवं सब्जी विक्रेताओं को गर्मी से बचने के लिए सूती गमछे वितरित किए गए। साऊथ एवेन्यू मॉल के सामने लगने वाले बाजार में सभी सब्जी विक्रेताओं के साथ बात कर उन्हें गर्मी से बचने के लिए तरीके समझाए एवं सूती गमछे वितरित किए। आने-जाने वाले सभी आटो चालकों को भी गमछे देकर गर्मी से बचने की सलाह दी गई। इस अवसर पर लॉज प्रमुख अनिल केशवान, सचिव विनोद वाधवा, कोषाध्यक्ष चेतन जैसवाल, पूर्व प्रमुख जेएस सैनी, आईएस रूपराह, सीनियर वार्डन परमजीत कलसी एवं सुधीर मेहता, केएस बेदी, अतुल शाह, विनीत भोला, राहुल सहगल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इससे पूर्व भी फ्रीमेसन्स लॉज जबलपुर जैम्स द्वारा दो प्याऊ स्थापित किए गए हैं तथा आदि शंकराचार्य चौक पर टोपियों का वितरण किया गया है।

पश्चिम मध्य रेलवे में 5 जून तक चलेगा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान

जबलपुर। भारतीय रेल द्वारा "विश्व पर्यावरण दिवस 2026" अभियान के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों में 15 मई से 5 जून 2026 तक पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस वर्ष अभियान की थीम "जलवायु परिवर्तन - धरती माँ की चुनौतियाँ" रखी गई है। अभियान के तहत स्वच्छ स्टेशन, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जबलपुर मंडल में जबलपुर, कटनी, नई कटनी जंक्शन, सतना, रीवा, दमोह एवं पिपरिया स्टेशनों पर स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

आयोजित किए जा रहे हैं। केंद्रीय चिकित्सालय जबलपुर में स्वच्छता अभियान एवं कचरा पृथक्करण कार्यक्रम के तहत परिसर की साफ-सफाई की गई तथा कर्मचारियों को गीले एवं सूखे कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी दी गई। भोपाल मंडल के इटारसी एवं बीना स्टेशनों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर प्लेटफॉर्म, ट्रैक, यार्ड, पैदल पुल एवं नालियों की सफाई की गई। वहीं डीजल लोको शेड इटारसी में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण का संदेश दिया गया। बीना रनिंग रूम एवं रेल चिकित्सालय में भी पर्यावरण जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। कोटा मंडल में कोटा रेलवे स्टेशन एवं विद्युत लोको शेड तुगलकाबाद में नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता अभियान एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों ने यात्रियों को प्लास्टिक के उपयोग से बचने एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा अभियान के माध्यम से पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने बताया कि 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक विभिन्न हरित एवं स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा।

श्री नर्मदा पुराण संगीतमय कथा का समापन

जबलपुर। श्री नर्मदा जी की असीम कृपा एवं पूज्य पूर्वजों के आशीर्वाद से संगीतमय श्री नर्मदा पुराण का आयोजन 22 मई से 29 मई 2026 तक कथा व्यास भगतदास महाराज के मुखारबिंद से लखेरा परिवार द्वारा पं. मोहनलाल नवेरिया त्रिवेणी देवी विद्या मंदिर, जोगनी नगर, जबलपुर में किया गया। 29.05.2026 को श्री नर्मदा पुराण संगीतमय कथा के अंतिम दिन व्यास पूजन, हवन पूजन एवं भंडारा का आयोजन पं. मोहनलाल नवेरिया त्रिवेणी देवी विद्या मंदिर जोगनी नगर, जबलपुर में किया गया।

इस अवसर पर उषा लखेरा, पूर्व पार्षद ठाणेश्वर महावर, सुरेन्द्र तिवारी, राजेश दुबे, विनोद गर्ग, घनश्याम राठौर, भीमसेन मिश्रा, अमरचंद्र यादव, राकेश चौधरी, मोतीलाल तिवारी, किशन गुप्ता, कृष्णा यादव, दीपमाला लखेरा, संध्या लखेरा, इन्द्रा लखेरा, अर्पणा पटेल, शैलेजा पटेल, अर्मता पटेल, मोना राव आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

"तत्वबोध" में प्राप्त होता है मैं कौन हूँ? का उत्तर

जबलपुर। चिन्मय विद्या पीठ एवं श्रीराम मंदिर, मदन महल द्वारा जिज्ञासुओं के लिए वेदांत अध्ययन पाठ्यक्रम में तत्वबोध का श्रवण एवं मनन कराया जा रहा है। हमारी जबलपुर शहर में इस प्रकार का आध्यात्मिक अध्ययन प्राप्त होना उन जिज्ञासुओं के लिए सहायक सिद्ध हो रहा है जो भारतीय अध्यात्म को समझना चाहते हैं। आदि शंकराचार्य द्वारा रचित ग्रंथ तत्वबोध में तत्व विवेक पर चर्चा करते हुए प्रश्न आया कि आत्मा क्या है? यानि मैं कौन हूँ? उत्तर आया "मैं" तीन शरीरों से भिन्न, पांच कोषों से परे, तीन अवस्थाओं का साक्षी और सच्चिदानंद स्वरूप हूँ। आगे की कक्षाओं में इन्हीं बिंदुओं पर विषयवार श्रवण मनन होगा। वेदांत की अगली कक्षाएं 30-31 मई को शाम 04 बजे से 06 बजे तक होंगी। सभी जिज्ञासुओं से उपस्थिति की अपील की गई है।

दीपा खत्री की पहचान सरल व्यक्तित्व और उत्कृष्ट कार्यशैली की रही

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से अपने दीर्घ एवं सराहनीय सेवा काल के 33 वर्ष 04 माह उपरांत उत्कृष्ट सेवा पूर्ण कर दीपा खत्री की दिनांक 29 मई को सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुई। इस अवसर पर ब्लॉक नंबर 8 स्थित मीटिंग हॉल में एक गरिमामय सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य अभियंता (ज.क्षे.) जबलपुर एस.के. गिरिया उपस्थित रहे। साथ ही महाप्रबंधक (स्थापना) आर.सी. साहू सहित मानव संसाधन एवं प्रशासन संकाय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। समारोह के दौरान वक्ताओं ने श्रीमती दीपा खत्री की दीर्घकालीन सेवा, कर्तव्यनिष्ठा एवं संस्थान के प्रति उनके योगदान की सराहना की। मुख्य अतिथि द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम का समापन भावपूर्ण विदाई एवं आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। इसी क्रम में अधीक्षण अभियंता (संचा. संधा.) सीधी से अधीक्षण अभियंता पंचराज तिवारी 39 वर्ष 08 माह एवं कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य) से शीघ्रलेखक श्रीमती रजनीश यादव 40 वर्ष की उत्कृष्ट सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए।

शास्त्रीय के साथ लोक नृत्य में महारत हासिल कर रहे प्रतिभागी

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में मशाल परिसर में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागी शास्त्रीय एवं लोक नृत्य की बारीकियां सीख रहे हैं। शिविर में 101 लड़कियां एवं 8 लड़के कत्थक सहित विभिन्न लोक नृत्यों का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर में नर्सरी से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं तक के विद्यार्थी शामिल हैं। प्रशिक्षकों के अनुसार सभी प्रतिभागियों में नृत्य सीखने को लेकर समान उत्साह, लगन और मेहनत देखने को मिल रही है। प्रशिक्षक रितु रजक, गुरमीत कौर मथारू एवं याशिका वर्मा सुबह के सत्र में प्रतिभागियों को कत्थक की प्रारंभिक तकनीक, तत्कार, तोड़े, ताल एवं लय की बारीकियां सिखा रहे हैं। साथ ही विभिन्न मुद्राओं एवं अंग संचालन का अभ्यास भी कराया जा रहा है। शिविर के दूसरे चरण में प्रतिभागियों को बुंदेली, छत्तीसगढ़ी एवं राजस्थानी लोक नृत्य का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा हस्त मुद्राएं, ग्रीवा भेद, शास्त्रीय, उप-शास्त्रीय एवं लोक नृत्यों की विशेषताओं की जानकारी भी दी जा रही है। प्रशिक्षण की शुरुआत योग एवं व्यायाम से कर प्रतिभागियों को शारीरिक फिटनेस का महत्व भी समझाया जा रहा है। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए बताया कि शिविर के समापन अवसर पर तरंग प्रेक्षागृह में विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं नन्हे प्रतिभागी भी अपनी प्रस्तुति को लेकर काफी उत्साहित हैं।

ठक्कर ग्राम की समस्याओं का शीघ्र होगा समाधान : लखन घनघोरिया

जबलपुर। बहुजन समाज पार्टी जिला कार्यकारिणी सदस्य सिकंदर अली ने वार्ड की समस्याओं को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री, वर्तमान विधायक लखन घनघोरिया को बस्ती वासियों के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा, जिसमें ठक्कर ग्राम वार्ड की नाली, रोड, लाइट व स्वच्छता संबंधी अन्य समस्याएं शामिल रहीं। श्री घनघोरिया ने आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द ठक्कर ग्राम वार्ड की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। ज्ञापन देते समय सिकंदर अली, निजाम अंसारी, मकबूल अंसारी, सफीक मंसूरी, इरफान मंसूरी, समसू अंसारी, सहबू अंसारी, कल्लू और बस्ती के काफी लोग मौजूद थे।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

जबलपुर। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर जगदीश मंदिर प्रांगण गढ़ाफाटक, जबलपुर में 29 मई से 05 जून तक श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन हो रहा है। शुक्रवार को कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस 29 मई शुक्रवार को वृहद महाकाली गढ़ा फाटक से पूजन अर्जन पश्चात भव्य कलश यात्रा निकाली गई जो शंकर घी भंडार, लटकारी पड़ाव से होती हुई कथा स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। कलश यात्रा में सैकड़ों मातृशक्तियां पीले वस्त्र धारण कर कलश रखे भजन, कीर्तन, नृत्य करती हुई शामिल होकर चल रही थीं। शोभा यात्रा का श्रद्धालु जनमानस ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। आयोजन स्थल पर व्यासपीठ का पूजन अर्चन मुख्य यजमान उमाशंकर साहू, यशोदा साहू ने किया, तत्पश्चात

कथा वाचिका दीदी सुश्री सुप्रिया (कृष्णप्रियाजी) श्रीधाम वृंदावन की ओजस्वी वाणी से कथा की महिमा का गुणगान करते हुए कथा का महत्व उसकी दिव्य महिमा एवं कथा की महत्ता का वर्णन किया। आयोजन समिति महिला मंडल एवं सभी श्रद्धालुओं एवं कथा मार्गदर्शक डॉ. अरुण मिश्रा, पुजारी पंडित सुनील दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा प्रतिदिन सांय 5:00 बजे से 8:00 तक होगी कथा का समापन 05 जून को हवन कन्या पूजन एवं भंडारे के साथ होगा। इस अवसर पर पं. शिवगणेश गौतम, पंडित यदुवंश मिश्रा, सोनल मिश्रा, यजमान सावित्री रैकवार, अभिषेक सोनी, सुनील साहू, श्रीमति मिथलेश/ अरुण तिवारी, वनिता/ योगेन्द्र मालवीय, संध्या मिश्रा एवं महिला/पुरुष मंडल समिति के सभी सदस्यों के साथ ही भारी संख्या में क्षेत्रीय जनमानस की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

जीआरपी ने रेलवे स्टेशन पर चलाया चेकिंग अभियान

जबलपुर। ईद-उल-जुहा पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जीआरपी थाना जबलपुर द्वारा बुधवार को जबलपुर रेलवे स्टेशन परिसर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन परिसर के भीड़भाड़ वाले स्थानों, टिकट विंडो, मुसाफिर खाना एवं प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच की गई। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की ई-रक्षक ऐप के माध्यम से जांच की गई। वहीं रेलवे स्टेशन परिसर में संचालित नमः होटल के रजिस्टर भी चेक किए गए। होटल संचालकों को निर्देश दिए गए कि ठहरने वाले सभी व्यक्तियों के आधार कार्ड अनिवार्य रूप से लें तथा एम-आधार ऐप के जरिए आधार कार्ड की सत्यता की जांच करें। जीआरपी के अनुसार स्टेशन परिसर में स्थिति सामान्य एवं शांतिपूर्ण है।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है की मैं अक्षय भार्गव पिता श्री अनिल भार्गव निवासी 246, संजीवनी नगर, गढ़ा, जिला जबलपुर शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ, कि मैं उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हूँ । मेरा आधार क्रमांक 8856 0297 2220 है । मेरे पासपोर्ट क्रमांक L6280201 में मेरे पिता का नाम अनिल कुमार भार्गव दर्ज है एवं मेरे अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे की मेरी शैक्षणिक अंकसूचियाँ, आधार कार्ड एवं पैन कार्ड इत्यादि में उनका नाम अनिल भार्गव दर्ज है । मैं अपने पासपोर्ट में अपने पिता का नाम अनिल कुमार भार्गव की जगह सुधार कर अनिल भार्गव दर्ज करवाना चाहता हूँ एवं भविष्य में मेरे समस्त दस्तावेजों में उनका यही नाम लिखा व पढ़ा जावे ।

ग्राहक अब पेट्रोल पंप पर खुद चुन सकेंगे गाड़ी के हिसाब से इथेनॉल ब्लेंड

रिपोर्ट के अनुसार सरकार नया नियम जल्द लाने जा रही

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश भर के वाहन चालकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, सरकार 'सुपरमार्केट-स्टाइल चॉइस' लागू करने की दिशा में काम कर रही है।

- सरकार का सुपरमार्केट स्टाइल चॉइस लागू करने की दिशा में काम जारी

इसके चलते फ्यूल स्टेशनों में गाड़ी चलाने वालों को अलग-अलग इथेनॉल ब्लेंड वाले पेट्रोल का विकल्प दे सकते हैं, जिससे ग्राहक अपनी गाड़ी की कम्पैटिबिलिटी के आधार पर फ्यूल चुन सकेंगे। सरकार ने तेल कंपनियों को ई20, ई22, ई25 और ई30 ईंधन वेरिएंट के लिए डिस्पेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की सलाह दी है। यह कदम ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स द्वारा नए इथेनॉल मिश्रणों के लिए नियम लागू करने और अप्रैल में सरकार के पूरी तरह से इथेनॉल से चलने वाले वाहनों को अनुमति देने के प्रस्ताव के बाद उठाया गया है।

सरकार की अरबों डॉलर की बचत होगी

पेट्रोल पंपों पर जितना अधिक इथेनॉल का ऑप्शन मिलेगा, उतनी तेजी से तेल का आयात घटता जाएगा। इससे सरकार की अरबों डॉलर की बचत होगी। इसका एक दूसरा फायदा यह है कि चूंकि इथेनॉल मुख्य रूप से गन्ने के रस, मक्के और खराब अनाज से बनाया जाता है इसलिए जब पेट्रोल पंपों पर इसकी मांग बढ़ेगी, सरकार को भारी मात्रा में इथेनॉल खरीदना होगा। इसका सीधा फायदा देश के किसानों और चीनी मिलों को होगा। इन्हें इनकी फसलों का सही दाम मिलेगा।

प्रदूषण कम करने में गेम चेंजर साबित होगा : इथेनॉल के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल का यह कदम शहरों में प्रदूषण को कम करने की दिशा में गेम चेंजर साबित होगा। हालांकि, इसके लिए अभी अलग डिस्पेंसिंग सिस्टम, स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर, ब्लेंडिंग कंट्रोल और फ्यूल क्वालिटी मॉनिटरिंग मैकेनिज्म में निवेश की जरूरत होगी। 'फ्यूल स्टेशनों पर बिकने वाले इथेनॉल-ब्लेंडिंग पेट्रोल की जानकारी डिस्पेंसिंग पंपों पर साफ-साफ दिखानी होगी, ताकि ग्राहक आसानी से पहचान सकें कि वे कौन सा फ्यूल खरीद रहे हैं। रिटेल आउटलेट्स को अलग-अलग तरह के फ्यूल पर लेबल लगाना होगा।'

इथेनॉल के फायदे : इथेनॉल के इस्तेमाल का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह पेट्रोल के मुकाबले कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे हानिकारक गैसें कम छोड़ता है। इसी के चलते सरकार ने ऑटोमोबाइल कंपनियों को भी निर्देश दिया है कि अब वे कार और टू-व्हीलर व्हीकल्स के लिए ऐसे इंजन बनाएं, जो ई20 से ऊपर यानी कि ई25, ई27 और ई30 ईंधन को भी बिना किसी खराबी के झेल सकें।

सरकार का मकसद

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय इस नियम को लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। भारत ने पहले ही 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग (ई20) का लक्ष्य हासिल कर लिया है और अब इस नई नीति के जरिए सरकार का लक्ष्य अगले 1-2 साल में (2027-2028 तक) इथेनॉल मिश्रण को बढ़ाकर 25 प्रतिशत (ई25) और 30 प्रतिशत (ई30) तक ले जाना है। इससे कच्चे तेल की आयात पर भारत की निर्भरता काफी हद तक कम होगी।

रिलायंस मनोरंजन कारोबार में एआई को बनाएगा केंद्र

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने मीडिया और मनोरंजन कारोबार में कृत्रिम मेधा (एआई) को केंद्रीय भूमिका में शामिल करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि इससे वह देश के हर उपभोक्ता के लिए प्रमुख मनोरंजन मंच बन सकेगी। कंपनी ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि एआई मनोरंजन के अगले युग को परिभाषित करेगा और भारत के सबसे बड़े मीडिया एवं मनोरंजन मंच के रूप में रिलायंस की जिम्मेदारी है कि वह इस बदलाव का नेतृत्व करे।

रिकॉर्ड गर्मी में अदाणी पावर बनी देश की ऊर्जा शक्ति

नई दिल्ली। देश इस समय भीषण और लंबी गर्मी की मार झेल रहा है। हालात ऐसे हैं कि दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से करीब 98 भारत में हैं। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है और इस सीजन में इसके 270 गीगावॉट तक जाने का अनुमान है। ऐसे समय में देश की सबसे बड़ी निजी थर्मल पावर कंपनी अदाणी पावर ने बिजली आपूर्ति बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है। कंपनी के सभी 12 पावर प्लांट पूरी क्षमता के साथ तैयार रखे गए हैं। बीते 40-45 दिनों के पीक डिमांड पीरियड में अदाणी पावर के प्लांट औसतन 77 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (PLF) पर संचालित हुए, जो राष्ट्रीय औसत करीब 65 प्रतिशत से काफी अधिक है। हाल ही में देश में बिजली की अधिकतम मांग 265 गीगावॉट तक पहुंची। बुधवार को जब मांग चरम पर थी, तब अदाणी पावर ने करीब 17 गीगावॉट बिजली नेशनल ग्रिड को उपलब्ध कराई, जो देश की कुल पीक डिमांड का लगभग 6.4 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि कंपनी की इंस्टॉल्ड क्षमता देश की कुल क्षमता का केवल करीब 3 प्रतिशत ही है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, गर्मी शुरू होने से पहले सभी प्लांट्स में व्यापक मेंटेनेंस किया गया था। डिजिटल मॉनिटरिंग और प्रेडिक्टिव एआई टूल्स के जरिए यह सुनिश्चित किया गया कि अत्यधिक तापमान में भी मशीनरी बिना बाधा के काम करे। इसके चलते प्लांट उपलब्धता 96 प्रतिशत तक बनी रही और फोर्स्ड आउटेज बेहद कम रहे। ईंधन आपूर्ति को लेकर भी कंपनी ने विशेष तैयारी की। सभी प्लांट्स में कोयले और अन्य कच्चे माल का पर्याप्त स्टॉक रखा गया, ताकि किसी भी परिस्थिति में उत्पादन प्रभावित न हो। अदाणी पावर केवल भारत ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश की ऊर्जा जरूरतों को भी पूरा कर रही है। झारखंड स्थित गोड्डा पावर प्लांट के माध्यम से कंपनी बांग्लादेश की कुल बेसलोड मांग का करीब 10 प्रतिशत और उत्तरी क्षेत्र की लगभग 25 प्रतिशत बिजली आवश्यकता पूरी कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोलर ऊर्जा दिन में मददगार होती है, लेकिन शाम और रात के समय ग्रिड की स्थिरता बनाए रखने में थर्मल पावर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहती है। अदाणी पावर वर्तमान में लगभग 22 अरब डॉलर के निवेश से देश का सबसे बड़ा निजी थर्मल पावर विस्तार कार्यक्रम चला रही है। कंपनी का लक्ष्य वर्ष 2031-32 तक अपनी उत्पादन क्षमता को मौजूदा 18.15 गीगावॉट से बढ़ाकर लगभग 42 गीगावॉट तक पहुंचाना है।

निसान ग्रेवाइट सीएनजी लॉन्च, 7-सीटर मोबिलिटी को मिला नया विकल्प

गुरुग्राम। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट के लिए सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट लॉन्च करने की घोषणा की है। सेगमेंट में पहली बार पेश की गई ट्विन-सिलेंडर टेक्नोलॉजी के जरिए 7-सीटर स्पेस और मॉड्यूलैरिटी को बनाए रखा गया है। इसकी शुरुआती कीमत 82,999 रुपये रखी गई है। ग्रेवाइट सीएनजी में 25-25 लीटर के दो सिलेंडर लगाए गए हैं, जिससे बूट स्पेस और तीसरी पंक्ति की उपयोगिता प्रभावित नहीं होती। यह किट मोटोजेन द्वारा विकसित एवं क्वालिटी एश्योर्ड है तथा किट कंपोनेंट्स पर 3 साल या 1 लाख किलोमीटर तक की थर्ड पार्टी वारंटी दी जा रही है। यह सुविधा फिलहाल 16 राज्यों के 60 शहरों में उपलब्ध कराई जा रही है।

निसान एंड इन्फिनिटी के डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट एवं भारत के प्रेसिडेंट थियरी सबाग ने कहा कि भारत निसान के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजार है और कंपनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुसार भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी समाधान उपलब्ध कराने पर फोकस कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रेवाइट सीएनजी परिवारों को ज्यादा स्पेस, कम लागत और व्यावहारिक सफर का विकल्प देगा। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि मैग्नाइट सीएनजी को मिले सकारात्मक रिस्पॉन्स के बाद अब ग्रेवाइट में ट्विन-सिलेंडर सीएनजी सॉल्यूशन पेश किया गया है। इससे ग्राहकों को 7-सीटर की पूरी फ्लेक्सिबिलिटी और स्पेस के साथ किफायती ड्राइविंग का अनुभव मिलेगा। कंपनी के अनुसार, यह बीएस 6.2 कम्प्लायंट सीएनजी किट आईसीएटी प्रमाणित है और इसमें सुरक्षा व टिकाऊपन के लिए 8.1 एमएम मोटाई वाला हेवी-ड्यूटी सिलेंडर लगाया गया है। डायनामिक एडवांसर टेक्नोलॉजी, आसान पेट्रोल-सीएनजी स्विचओवर और बेहतर फैक्टरी फिनिश जैसी सुविधाएं भी इसमें दी गई हैं। ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट सीएनजी को खासतौर पर हाई-माइलेज यूजर्स, ऑफिस और स्कूल आने-जाने वाले परिवारों तथा नियमित रूप से शहर से बाहर यात्रा करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी का दावा है कि इससे ग्राहकों को कम खर्च में ज्यादा व्यावहारिक और पर्यावरण के अनुकूल सफर का विकल्प मिलेगा।

राज्य कम बारिश के अनुमान से निपटने के लिए तैयार रहें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्य सरकारों से कहा कि वे अल नीनो के खतरे और इस साल मॉनसून के सामान्य से कम रहने के अनुमान के साथ अन्य चुनौतीपूर्ण मौसम स्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहें। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस साल सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान जताया है। चौहान ने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्रालय किसी भी स्थिति से निपटने के लिए आकस्मिक योजनाएं बना रहा है। आने वाले खरीफ (गर्मी में बोई जाने वाली फसल) मौसम के दौरान मांग को पूरा करने के लिए बीज और उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। यह मौसम जून में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगमन के साथ शुरू होगा। कृषि मंत्री ने 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन - खरीफ अभियान 2026' के समापन दिवस पर संवाददाताओं से कहा, ''हम अल-नीनो की घटना पर नजर रख रहे हैं। अभी हम पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं, लेकिन अगर ऐसी कोई स्थिति पैदा होती है और अगर मॉनसून में कोई देरी होती है या बारिश में कोई अंतराल आता है, तो हम उससे निपटने की तैयारी कर रहे हैं।

- केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने राज्य सरकारों से कहा
- मानसून के सामान्य से कम रहने का अनुमान

शुद्ध एफडीआई 7.7 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। देश में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान तेजी से बढ़ा, लेकिन कुल पूंजी प्रवाह चालू खाता घाटे (सीएडी) की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध एफडीआई प्रवाह 7.7 अरब डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 के एक अरब डॉलर से बहुत अधिक है। यह 2023-24 में 10.2 अरब डॉलर और 2022-23 में 28 अरब डॉलर रहा था। पिछले वित्त वर्ष में सकल एफडीआई प्रवाह बढ़कर 94.5 अरब डॉलर हो गया जो एक साल पहले 80.6 अरब डॉलर था। हालांकि, विदेशी निवेशकों द्वारा अपना मुनाफा भारत से ले जाने और निवेश की गई राशि निकालने की मात्रा बढ़कर 53.6 अरब डॉलर हो गई। इस दौरान भारतीय कंपनियों का विदेशों में निवेश 33.3 अरब डॉलर तक पहुंच जाने से कुल शुद्ध निवेश प्रवाह में बढ़त सीमित रही।

हैपिएस्ट माइंड्स का शुद्ध लाभ 79.9 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी हैपिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 79.9 प्रतिशत बढ़कर 61.17 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 34 करोड़ रुपये था। हैपिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 10.9 प्रतिशत बढ़कर 604.08 करोड़ रुपये रही, जो 2024-25 की समान तिमाही में 544.57 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर कंपनी का लाभ 51.7 प्रतिशत और राजस्व 2.8 प्रतिशत बढ़ा।

टोयोटा की 543 किमी रेंज के साथ पहली इलेक्ट्रिक कार भारत में लांच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टोयोटा ने इंडियन ईवी मार्केट में जबरदस्त एंट्री मारी है और अपनी पहली प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी अर्बन क्रूजर ईबेला लांच कर दी है। कंपनी ने इसके ई3 वेरिएंट को 23.60 लाख रुपये की एक्स शोरूम प्राइस में पेश किया है। 543 किलोमीटर की सिंगल चार्ज रेंज और बेहतरीन लुक-फीचर्स वाली यह इलेक्ट्रिक एसयूवी भारतीय बाजार में टाटा-महिंद्रा और एमजी से लेकर मारुति सुजुकी, हुंडई और विनफास्ट जैसी कंपनियों के लिए बड़ी चुनौती के रूप में है। टोयोटा ने भारतीय बाजार में अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी अर्बन क्रूजर ईबेला क अर्बन टेक डिजाइन थीम पर बेस्ड रखा है और इसमें सिग्नेचर हैमरहेड फ्रंट फेसिया और एयरोडायनैमिक सिल्हूट के साथ ही प्रीमियम एलईडी लाइटिंग और 18-इंच के अलॉय व्हील्स इसे बोल्ड और मॉडर्न एसयूवी लुक देते हैं। टोयोटा ईबेला में 5 आकर्षक सिंगल टोन और 4 डुअल टोन कलर विकल्प मिलते हैं।

- कंपनी ने ई3 वेरिएंट को 23 .60 लाख रुपए एक्स शोरूम में पेश किया

उद्योग मंडल सीआईआई व नाइट फ्रैंक ने जारी की रिपोर्ट

बुनियादी ढांचे में निवेश से लॉजिस्टिक लागत घटी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पिछले एक दशक में बुनियादी ढांचा विकास में लगभग 360 अरब डॉलर के निवेश से भारत की लॉजिस्टिक लागत घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 10-10.7 प्रतिशत पर आ गई है, जो एक दशक पहले 13-14 प्रतिशत थी।

- एक दशक में बुनियादी ढांचे पर 360 अरब डॉलर का निवेश

उद्योग मंडल सीआईआई और रियल एस्टेट परामर्श कंपनी नाइट फ्रैंक की शुक्रवार को जारी एक संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि लॉजिस्टिक दक्षता को अगले स्तर पर ले जाने के लिए भारत को और अधिक 'मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क' (एमएमएलपी) की आवश्यकता होगी।

देश को 216 एमएमएलपी की जरूरत

इसके अनुसार, भारत की लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने में एमएमएलपी की मुख्य भूमिका है और 2047 तक माल परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को 216 एमएमएलपी की जरूरत होगी। प्रत्येक एमएमएलपी की औसत क्षमता 16-17 एमएमटी प्रति वर्ष होनी चाहिए।

सड़क परिवहन पर अधिक निर्भरता

रिपोर्ट में कहा गया कि माल ढुलाई के लिए सड़क परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता, एकीकृत एमएमएलपी के विकास में देरी और प्रथम एवं अंतिम चरण की अपर्याप्त संपर्क सुविधा अब भी रेल तथा अन्य अधिक दक्ष परिवहन माध्यमों की ओर माल परिवहन के बदलाव में बाधा बनी हुई है।

लॉजिस्टिक तंत्र में काफी सुधार हुआ

इसमें कहा गया कि इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप देश के लॉजिस्टिक तंत्र में काफी सुधार हुआ है, जिससे संपर्क सुविधा, व्यापार सुगमता और आपूर्ति श्रृंखला प्रदर्शन बेहतर हुआ है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि इन सुधारों के बावजूद भारत की लॉजिस्टिक आपूर्ति श्रृंखला को अभी भी पूरी तरह से कुशल बनाना बाकी है।

भारत की रैंकिंग 54वें स्थान से सुधर 38वें स्थान पर

'फास्ट-ट्रैकिंग एमएमएलपी टू इनेबल मोडल शिफ्टः इंडियाज मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक ट्रांसफॉर्मेशनः ए स्ट्रैटेजिक आउटलुक' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रगति को दर्शाते हुए वैश्विक लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक (एलपीआई) में भारत की रैंकिंग 2014 में 54वें स्थान से सुधरकर 2023 में 38वें स्थान पर पहुंच गई।

संपर्क केंद्रों की कमी

रिपोर्ट के मुताबिक, /"मुख्य चुनौती अब बुनियादी ढांचे की कमी नहीं, बल्कि संपर्क केंद्रों की कमी है। एमएमएलपी वह महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जो रेल परिवहन की लागत संबंधी बढ़त को एक स्थान से अंतिम गंतव्य तक प्रतिस्पर्धात्मकता में बदल सकती हैं।/"

राशिफल

मेष – रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन – तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह – कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या – परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक – भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु – कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ – तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में

शब्द पहेली - 6241

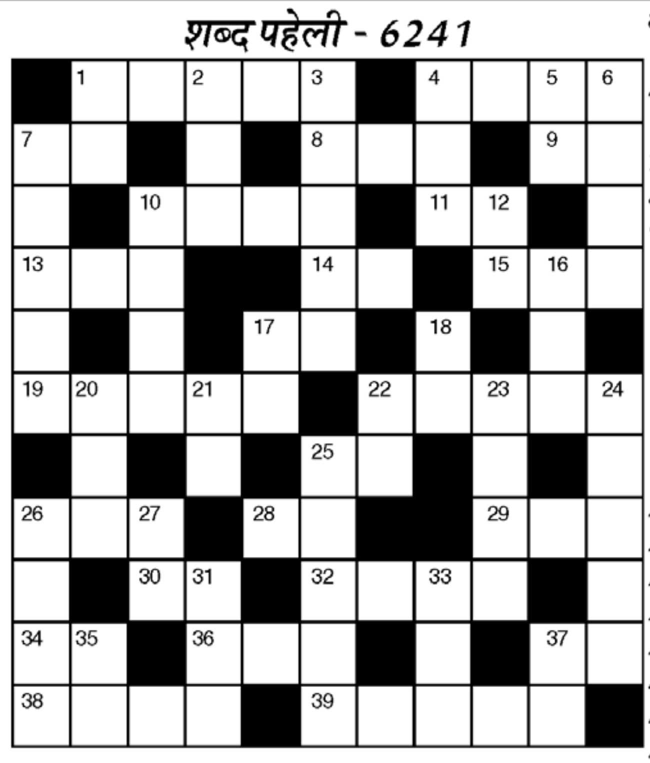

बाएँ से दाए
1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोंगा, गाऊन-3
37. सफर, जात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रुखसार, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरैया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 6240 का हल

■	ब	र	दा	न	■	अ	प	मा	न	■
स	■	■	य	■	म	■	ह	■	■	ह
र	■	श	रा	र	त	क	र	ना	■	व
क	ल	ह	■	■	वा	■	■	का	न	न
ना	■	र	■	अ	ला	व	■	रा	ख	■
■	दा	■	का	म	■	च	प्पू	■	रा	■
■	ब	जु	■	न	म	न	■	पा	■	मु
क	त	रा	■	■	हा	■	■	ल	ल	क
ल	■	ब	लि	दा	न	क	र	ना	■	र
म	■	■	ख	■	ता	■	ई	■	■	ना
■	ना	ना	ना	नी	■	फि	स	ल	ना	■

सूडोकु नवताल - 6251

★★★★☆ कठिन

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6250 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

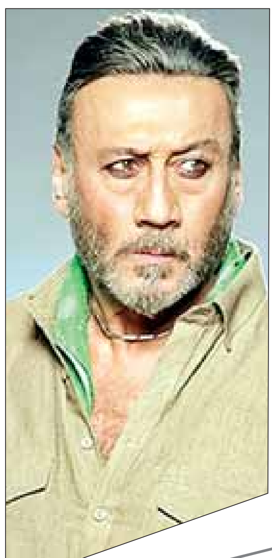

आजकल बच्चों वाली फिल्में कम बनती हैं : जैकी

मुंबई। अभिनेता जैकी श्रॉफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो - एलियंस का आगमन'को लेकर चर्चाओं में हैं। जैकी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह बच्चों के लिए बनी एक फन लविंग फिल्म है। इस बीच जैकी श्रॉफ ने कहा कि यह शैली उनके दिल के बेहद करीब है, क्योंकि यह मेनस्ट्रीम सिनेमा से गायब एक खास पहलू को छूती है। एक बातचीत के दौरान जैकी श्रॉफ ने फिल्म को लेकर कहा कि आजकल बच्चों की फिल्में बहुत कम बनती हैं और अगर कोई फिल्म बच्चों, उनके सपनों, उनकी मासूमियत के बारे में हो तो मुझे उसे पर्दे पर उतारना अच्छा लगता है। फिल्मों में हमें ये सब देखने को नहीं मिलता। मैं हर तरह की फिल्में करता हूं, लेकिन यह शैली मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि हम सभी के अंदर एक बच्चा छिपा होता है। बचपन में अथर्ववेद, आयुर्वेद, ऋग्वेद पढ़ने के बजाय, हम 'जैक एंड जिल वेंट अप द हिल', 'रिंग-ए-रिंग-ए-रोजेज' और 'अलादीन' पढ़ते थे। हम उन चीजों के बारे में नहीं सीख रहे हैं जो वास्तव में भारतीय हैं। मुझे लगता है कि ये वो चीजें हैं, जो हमने बचपन में खो दीं।

लाइफ Style

कियारा 'किसी से हाय-हेलो मत करना'

एक्टर यश और कियारा आडवाणी जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स'में नजर आने वाली हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने इस फिल्म के अनुभव के बारे में खुलकर बात की। एक इंटरव्यू में कियारा ने बताया कि फिल्म की डायरेक्टर गीतू मोहनदास ने उनसे सेट पर एक खास बात के लिए कहा था। उन्होंने कहा, 'गीतू ने मुझसे कहा कि जब तुम कल सेट पर आओ, तो मैं चाहती हूं कि तुम अपने किरदार में ही रहो।

एजेंसी ⏭ मुंबई

मैं आमतौर पर सेट पर जाते ही सबसे हाय, हेलो, गुड मॉर्निंग कहती हूं, मैं वैसी ही इंसान हूं। लेकिन, उन्होंने मुझसे साफ कहा कि मुझे कोई फॉर्मेलिटी नहीं चाहिए। मैं चाहती हूं कि तुम सीधे अपने किरदार के जोन में आओ। किसी से 'हाय-हेलो'मत करना, अपनी टीम से भी नहीं, बस पूरे दिन उसी जोन में रहना।' कियारा आडवाणी ने यह भी माना कि इस फिल्म पर काम करना उनके लिए काफी 'चैलेंजिंगरहा, क्योंकि उन्हें कन्नड़ भाषा में भी शूट करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'कन्नड़ में काम करना मेरे लिए नया अनुभव था। मैं कहूंगी कि 'टॉक्सिक'मेरे लिए इसलिए भी मुश्किल रही क्योंकि पहली बार हमने एक ही सीन को अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों में शूट किया। पहले हम उस सीन को अंग्रेजी में करते थे, जब तक परफेक्ट टेक नहीं मिल जाता। उसके बाद उसी सीन को कन्नड़ में शूट करते थे।' कियारा ने आगे बताया, 'मेरे लिए कन्नड़ मेरी भाषा नहीं है, इसलिए मुझे अपने डायलॉग्स एक रात पहले ही रटने पड़ते थे।'बता दें कि केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी फिल्म 'टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' में यश, नयनतारा, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म पहले 4 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक बार फिर टाल दिया गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया गया है।

हॉलीवुड मसाला

जॉन रैम्बो में मुख्य भूमिका निभाएंगे नोआ

लॉस एंजिल्स। सिल्वेस्टर स्टेलोन की मशहूर फिल्म रैम्बो सीरीज की अगली फिल्म जॉन रैम्बो जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। शुक्रवार को निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। इस फिल्म में सिल्वेस्टर स्टेलोन नहीं, बल्कि नोआ सेंटिनियो मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'जॉन रैम्बो' फिल्म 'रैम्बो' के शुरुआती दिनों की कहानी दिखाएगी, जो 1982 में आई इस सीरीज की पहली फिल्म 'फर्स्ट ब्लड' से भी पहले के समय पर आधारित है। 'जॉन रैम्बो' 4 जून, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में मुख्य भूमिका नोआ सेंटिनियो निभाएंगे। इस फिल्म में सिल्वेस्टर स्टेलोन की जगह अब नोआ सेंटिनियो मुख्य किरदार 'जॉनी रैम्बो' के रूप में नजर आएंगे। इस फिल्म में डेविड हार्बर 'मेजर ट्रॉटमैन' की भूमिका निभाएंगे। उनके साथ जेम्स फ्रैंको, जेसन टोबिन और क्विंसी यशायाह जैसे कई बाकी कलाकार भी अहम रोल में दिखेंगे।

तलाक के बाद जेनिफर ने हटवाया बेन का टैटू

लॉस एंजिल्स। सिंगर और एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज की एक फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। जिसके बाद से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि उन्होंने अपने एक्स-हसबैंड बेन एफ्लेक के नाम वाला टैटू कवर कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेनिफर ने मेमोरियल डे के मौके पर अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'आज का दिन मैं अपने करीबियों के साथ बिता रही हूं। सभी को हैप्पी मेमोरियल डे।'इन तस्वीरों में से एक में वह अपने बेटे मैक्सिमिलियन 'मैक्स'मुनिज के साथ नजर आईं, जो उनके और उनके एक्स-हसबैंड मार्क एंथनी के बेटे हैं। इस फैमिली गैदरिंग के दौरान जेनिफर ने बैकलेस ड्रेस पहनी हुई थी, जिसमें उनका टैटू साफ दिखाई दे रहा था। पहले इस टैटू में एक इन्फिनिटी साइन था, जिसमें जेनिफर और बेन दोनों के नाम लिखे थे और उसके ऊपर एक एरो बना था। लेकिन, अब जो तस्वीर सामने आई है, उसमें जेनिफर नाम तो दिख रहा है, लेकिन बेन का नाम कवर किया हुआ नजर आ रहा है। जेनिफर ने यह टैटू फरवरी 2023 में वैलेंटाइन डे के मौके पर दिखाया था, जब वह और बेन एफ्लेक शादी के बाद अपना पहला वैलेंटाइन मना रहे थे। उस समय उन्होंने लिखा था, 'कमिटमेंट... हैप्पी वैलेंटाइंस डे माय लव।

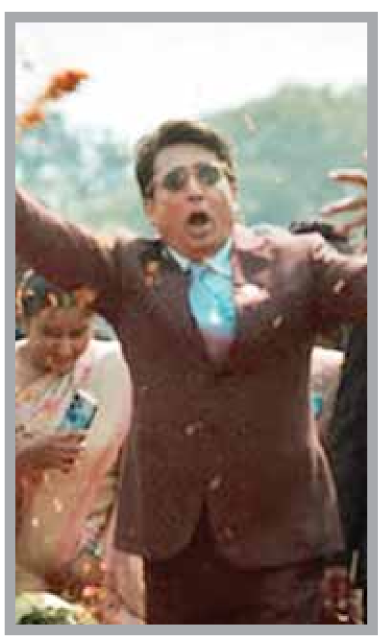

पिरामिड स्कीम का ट्रेलर रिलीज नए अंदाज में दिखे शेखर

नई दिल्ली। सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। सीरीज के ट्रेलर में बिजनेस के जरिए अपने सपनों और कामयाबी हासिल करने की ख्वाहिश लिए कुछ किरदार नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में करोड़पति बनने के रास्ते में आने वाले उतार-चढ़ावों को मजाकिया अंदाज में दिखाया गया है। कभी न कभी नेटवर्क मार्केटिंग से सभी का सामना होता है। कोई मजबूरी में इस काम से जुड़ता है तो कोई इसकी चकाचौंध देख कर। ट्रेलर में एक लड़का दिखाया गया है, जो पिता से अपने बिजनेस के लिए पैसे मांग रहा है। मगर पिता दे नहीं रहे हैं। इस लड़के के अलावा सीरीज में एक बिजनेसमैन भी है, जो नेटवर्क मार्केटिंग के बिजनेस के सपने लोगों को दिखाता है। अभिनेता शेखर सुमन को आखिरी बार सीरीज 'हीरामंडी' में देखा गया था। इसके बाद अब वो 'द पिरामिड स्कीम' सीरीज में दिखाई देंगे।

अली स्टारर राख की रिलीज डेट आई सामने

मुंबई। अली फजल और सोनाली बेंद्रे स्टारर आगामी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर सीरीज 'राख'की रिलीज डेट अब सामने आ गई है। मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर सीरीज से अली फजल का एक पोस्टर साझा किया गया है। इसके साथ ही मेकर्स ने रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। पोस्टर में अली फजल पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। उनके सामने एक लाश जैसी पड़ी मालूम हो रही। अली काफी इंटेंस और परेशान नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'दबे हुए सच हमेशा अपना रास्ता खोज ही लेते हैं।' राख 12 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। राख एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा सीरीज है, जो अपराधी की मानसिकता और आम जिंदगी के पीछे छिपे डार्कनेस को दिखाती है। जब दो लड़के अचानक गायब हो जाते हैं, तो एक खुशहाल परिवार टूट जाता है और पूरा शहर दहशत में आ जाता है।

टीवी मसाला

अगर आप कोई स्टार नहीं हैं तो कोई भी आपको कुछ नहीं समझता

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस और इंटरनेट पर्सनैलिटी उर्फी जावेद अक्सर अजीब ड्रेस पहनने को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने मुश्किल सफर के बारे में बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि सोशल मीडिया से उनकी जिंदगी बदलने से पहले, उनके टेलीविजन के दिन कितने मुश्किल थे। सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान, उर्फी ने बताया मुश्किलों का सामना करने के बावजूद, उन्होंने हमेशा एक स्टार बनने और मुंबई में एक आरामदायक जिंदगी जीने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि वह अपने जालिम पिता से बचने के लिए घर से भाग गई थीं। उर्फी ने बताया कि शुरुआत में उन्होंने बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के लिए ऑडिशन देने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हो गया कि इंडस्ट्री में बिना किसी जान-पहचान के मौके मिलना बहुत मुश्किल है। इसके बाद उन्होंने यह सोचकर टेलीविजन का रुख किया, कि वहां काम मिलना शायद आसान होगा। हालांकि ऐसा नहीं था। टीवी में उन्हें अक्सर साइड रोल ही मिले। टेलीविजन इंडस्ट्री में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए उर्फी ने कहा, 'अगर आप कोई स्टार नहीं हैं या लीड रोल में नहीं हैं, तो कोई भी आपको कुछ नहीं समझता। अगर आप कोई साइड कैरेक्टर हैं, तो आपके साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया जाता।'

अर्चना ने समीरा के बगीचे से तोड़े काजू

नई दिल्ली। समीरा रेड्डी उन फिल्मी सितारों में से एक हैं जो मुंबई की चकाचौंध से दूर गोवा में सुकून भरी जिंदगी जीने में यकीन करती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह अपने परिवार के साथ समीरा रेड्डी के घर घूमने पहुंचीं। इस दौरान अर्चना ने पहली बार अपने हाथ से काजू तोड़े जिसे संभालकर रखने की

बात करती दिखीं। अर्चना पूरन सिंह ने समीरा रेड्डी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में अर्चना समीरा के गार्डन से ऑर्गैनिक रियल काजू तोड़कर बेहद खुश नजर आ रही हैं। वो कह रही हैं कि ये काजू वो हमेशा अपने साथ एक याद के तौर पर रखेंगी। वीडियो में अर्चना अपने परिवार के साथ समीरा के गार्डन में दिख रही हैं। शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि अर्चना पूरन सिंह पूरे परिवार के साथ समीरा के बगीचे में काजू का फल तोड़ती हैं जबकि समीरा उन्हें इस मजेदार अनुभव के बारे में बताती हैं। वहीं, अर्चना कहती हैं कि इसे वो खास याद के तौर पर रखेंगी। उसी बीच अर्चना के पति परमीत सेठी याद दिलाते हैं कि भारती सिंह के बेटे का नाम भी काजू है। इस वीडियो में अर्चना और परमीत के बेटे आर्यमन सेठी और आयुष्मान सेठी भी नेचर का लुत्फ उठाते दिखाई दे रहे हैं।

सलमान ने खास दोस्तों को दिखाई मातृभूमि की झलक

मुंबई। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में सलमान ने अपनी फिल्म 'मातृभूमि' का रफ कट वर्जन कई निर्देशकों को एक साथ दिखाया। जिसकी एक खास झलक सुभाष घई ने अपने सोशल

मीडिया हैंडल पर शेयर की है। मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर इस शाम की एक तस्वीर शेयर की है। इस फोटो में सलमान खान के साथ सूरज बड़जात्या, डेविड धवन, कबीर खान, रूमी जाफरी, रितेश देशमुख, चित्रांगदा सिंह, सिद्धार्थ रॉय कपूर और अपूर्व लाखिया जैसे कई बड़े सितारे नजर आ रहे हैं। तस्वीर में सलमान खान काले कपड़ों में और चित्रांगदा सिंह सफेद कपड़ों में बेहद सुंदर लग रही थीं। फोटो शेयर करते हुए सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आज अपने पसंदीदा निर्देशकों को एक साथ देखना बहुत अच्छा लगा। हम सब अपूर्व लाखिया की फिल्म 'मातृभूमि' को देखने आए थे। इस फिल्म में सलमान खान और चित्रांगदा मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म गलवां सीमा पर भारत और चीन के सैनिकों की एक भावुक कहानी पर आधारित है, जो दोनों देशों के सैनिकों की अपने परिवार और देश के प्रति भावनाओं को दिखाती है। फिल्म का मुख्य संदेश शांति और सम्मान है।' इसी के साथ सुभाष ने सलमान का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'सलमान, हमें बुलाने के लिए शुक्रिया। हम फिल्म की बड़ी सफलता की कामना करते हैं।' सलमान खान का इस स्क्रीनिंग में आए सभी निर्देशकों के साथ बहुत पुराना और गहरा रिश्ता है।

जून में रिलीज होंगीं ये हिंदी फिल्में

नई दिल्ली। जून का महीना सिनेमा लवर्स के लिए खास रहने वाला है। ओटीटी पर शानदार फिल्में और सीरीज रिलीज हो रही हैं। इसके अलावा, सिनेमाघरों में भी कुछ बेहतरीन फिल्में रिलीज हो रही हैं। जून के महीने में हिंदी, इंग्लिश और भारत की क्षेत्रीय भाषाओं को मिलाकर 20 से ज्यादा फिल्में सिनेमाघरों में जून में रिलीज होंगी। हम आपको उन फिल्मों के नाम बता रहे हैं जो हिंदी भाषा में रिलीज होंगी। 10 हिंदी फिल्में जून के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज हो रही हैं।

पेड्डी : ये एक तेलुगु भाषा की फिल्म है जिसे हिंदी भाषा में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म में राम चरण, जाह्नवी कपूर, विजय सेतुपति, दिव्येन्दु और शिव राजकुमार जैसे कलाकार नजर आनेवाले हैं। फिल्म को बुची बाबू सना ने डायरेक्ट किया है। जॉनरः स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा, रिलीज डेटः 4 जून।

12 जून को 4 फिल्मों का होगा क्लैश

गवर्नर : इस फिल्म में मनोज बाजपेयी, अदा शर्मा और मधु शाह जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म को चिनमय मंडलेकर ने डायरेक्ट किया है। जॉनरः पीरियोडिक थ्रिलर, रिलीज डेटः 12 जून।

मैं वापस आउंगा : फिल्म को इम्तियाज अली ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, शारवरी वाघ, नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैना जैसे कलाकार नजर आएंगे। जॉनरः रोमांटिक ड्रामा, रिलीज डेटः 12 जून।

भारत भाग्य विधाता। कंगना रनौत और गिरिजा ओक जैसे कलाकार इस फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म को मनोज तापड़िया ने डायरेक्ट किया है। ये फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित फिल्म होगी। जॉनरः ड्रामा थ्रिलर, रिलीज डेटः 12 जून।

है जवानी तो इश्क होना है : वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े की इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। वरुण धवन ने फिल्म में जस का किरदार निभाया है। इस फिल्म में सलमान खान के चुनरी-चुनरी गाने का

बंदर : इस डार्क क्राइम थ्रिलर को अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है। बॉबी देओल इस फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगे। बॉबी देओल के साथ फिल्म में सान्या मल्होत्रा और सबा आजाद जैसे कलाकार नजर आएंगे। **जॉनरः** डार्क क्राइम थ्रिलर, रिलीज डेटः 5 जून।

हॉटेड थ्रीडीः ईकोज ऑफ द पास्ट : विक्रम भट्ट ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। ये फिल्म साल 2011 में आई फिल्म हॉटेड थ्रीडी का सीक्वल है। इस फिल्म में महाक्षय चक्रवर्ती, चेतना पांडे, श्रुति प्रकाश और हेमंत पांडे जैसे कलाकार नजर आएंगे। जॉनरः हॉरर, रिलीज डेटः 12 जून।

7 पतियों की मौत, मिला ये कल्ट गाना, दिलचस्प है इस गाने की कहानी

166 साल पुराने रूसी लोकगीत पर बना ये हिंदी सॉन्ग, ऊषा ने दी आवाज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय सिनेमा में ऐसे कई सिंगर्स हैं, जिनके काम को खूब पसंद किया और जिन्होंने सालों तक काम किया। लेकिन, उनके काम को वो पहचान नहीं मिली, जिसके वह हकदार थे। ऐसा ही बॉलीवुड की एक सिंगर के साथ हुआ, जब उन्होंने एक ऐसे गाने को बनाया जिसने उन्हें उनके करीब 40 साल के कॅरियर में पहली बार उन्हें अवॉर्ड दिलाया था और यह सब उनके एक गाने की वजह से हुआ था और आज उसी कल्ट गाने की कहानी जानते हैं।

कौन सा है वो गाना?

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर ऊषा उत्थुप ने सिनेमा में कई यादगार गाने दिए, लेकिन उन गानों के लिए उन्हें कभी वो सराहना या बड़े सम्मान नहीं दिए गए। फिर साल 2011 में ऊषा उत्थुप को एक फिल्म का ऑफर आया और इस फिल्म का नाम था '7 खून माफ' । यह वही फिल्म है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा ने मुख्य किरदार निभाया था। इस फिल्म में ऊषा ने मैगी का किरदार निभाया। इसी फिल्म में एक गाना था, जिसका नाम था 'डार्लिंग' इस गाने को ऊषा ने ही अपनी आवाज दी थी और उनके साथ रेखा भारद्वाज ने भी इस गाने को गाया था।

इस गाने के लिए अवॉर्ड मिला

इस गाने के लिए ऊषा उत्थुप को अवॉर्ड भी मिला और ये उनके जीवन के एक बड़ी उपलब्धि थी। आमतौर पर बॉलीवुड में विदेशी धुनों को बिना बताए कॉपी कर लिया जाता है, लेकिन विशाल भारद्वाज ने फिल्म की एल्बम और क्रेडिट रोल्स में आधिकारिक तौर पर 'कालिन्का' और उसके रूसी ओरिजिन को पूरा क्रेडिट दिया है। इसीलिए आज भी यह गाना उतना ही हिट है और लोग इस पर खूब थिरकते हैं।

रूसी धुन से बना आइकोनिक गाना

असल में डार्लिंग गाना सात समंदर पार से आया था। 'डार्लिंग' गाना रूस का एक बेहद मशहूर और पारंपरिक लोक गीत है, जिसका नाम है 'कालिन्का' । कालिन्का को साल 1860 में रूसी संगीतकार और लोक-साहित्यकार इवान लारियोनोव ने लिखा था। रूस में यह गाना उतना ही लोकप्रिय और पवित्र माना जाता है, जितना भारत में संगीत सीखने के लिए 'सा रे गा मा' या कोई बहुत प्रसिद्ध लोकगीत। यह गाना अक्सर रूसी सेना के कॉयर द्वारा गाया जाता रहा है। आज भी वहां यह गाना अलग-अलग मौकों पर गाया जाता है। ऊषा उत्थुप ने इसी गाने की धुन को सोचा और फिर विशाल भारद्वाज के साथ मिलकर उन्होंने डार्लिंग जैसा कल्ट गाना बना दिया, जो कि ब्लॉकबस्टर रहा।

कैसे बना डार्लिंग गाना?

दरअसल, उस दौरान ऊषा उत्थुप को ऐसे ही विशाल भारद्वाज ने अपनी फिल्म 7 खून माफ का ऑफर दिया और पूछा कि क्या वह एक्टिंग करना चाहेंगी। बाद में उन्होंने इस ऑफर को एक्सेप्ट कर लिया और इसके बाद सीधे ही फिल्म में ऊषा को मैगी का किरदार मिल गया। अब फिल्म '7 खून माफ' रस्किन बॉन्ड की कहानी 'सुजानाज सेवन हसबैंड्स' पर आधारित थी। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा मुख्य किरदार में थीं और प्रियंका का किरदार सुजाना कुल 7 शादियां करती है और अपने पतियों को मार देती है। इसी में एक पति के किरदार का नाम अलेक्जेंडर होता है और वह रूसी होता है। इसी को लेकर ऊषा उत्थुप के दिमाग में एक रूसी धुन आती है और फिर विशाल भारद्वाज को यह बताती हैं तो इस पर विशाल उनसे एक गाना बनाने को कहते हैं।

बेहतरीन फार्म में स्वियातेक और मार्ता, चौथे दौर में पहुंचीं

फ्रेंच ओपन : इगा ने हमवतन मैग्डा लिनेट को 6-4, 6-4 से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| पेरिस

चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक और यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक ने शुक्रवार को फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में जगह बनाई। पांच ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक ने हमवतन पोलिश खिलाड़ी मैग्डा लिनेट को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी जबकि मार्ता ने विक्टोरिया गोलुबिच को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार चौथे दौर में प्रवेश किया। मार्ता का सामना अब अगले दौर में स्वियातेक से होगा।

वांग शियू की चौथे दौर में एंट्री

चौथे दौर में पहुंचने वाली एक और खिलाड़ी चीन की वांग शियू हैं, जिन्होंने यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुब्त्सेवा को 6-3, 7-5 से हराया। चीन की इस क्वालीफायर ने अब तक अपने अभियान में एक भी सेट नहीं गंवाया है। पुरुष वर्ग में शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर के बाहर होने के एक दिन बाद तीन बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच का सामना ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से होगा।

क्ले कोर्ट पर मार्ता की लगातार 15वीं जीत

15वीं रैंकिंग पर काबिज मार्ता इस समय बेहतरीन फॉर्म में है और उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपनी जीत का सिलसिला लगातार 15 मैचों तक पहुंचा दिया है। रोलां गैरों से पहले उन्होंने मैड्रिड में अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता था। इससे पहले उन्होंने फ्रांस के रुएन में भी क्ले कोर्ट पर एक और खिताब अपने नाम किया था। वह 2021 में भी पेरिस में चौथे दौर तक पहुंची थीं, जहां उन्हें स्वियातेक के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

महिला टी20 सीरीज: भारत ने इंग्लैंड को 38 रन से हराया, बनाई 1-0 की बढ़त

नंदिनी ने इंटरनेशनल डेब्यू में मचाया गदर रोड्रिग्स और यास्तिका ने जड़े अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| चेम्सफोर्ड

जेमिमा रोड्रिग्स (69) और यास्तिका भाटिया (54) के शानदार अर्धशतकों के बाद पदार्पण कर रही तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा (34 रन पर 3 विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने इंग्लैंड को 38 रन से हराकर 3 मैचों की महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में खेल रही भारतीय टीम ने खराब शुरुआत से उबरते हुए 7 विकेट पर 188 रन का मजबूत स्कोर खड़ा करने के बाद फिर इंग्लैंड को 8 विकेट पर 150 रन पर रोक दिया। 12 जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले यह भारत की अंतिम श्रृंखला है।

भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर भारतीय टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना पहली ही गेंद पर खाता खोले बिना आउट हो गई, जबकि उनकी सलामी जोड़ीदार शेफाली वर्मा भी महज दो रन बनाकर पवेलियन लौटी। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल ने शुरुआती झटके देकर भारत को दबाव में ला दिया। रोड्रिग्स और यास्तिका ने इसके बाद शानदार पलटवार किया। जेमिमा की 40 गेंदों में 69 रन की तेजतर्रार पारी में 10 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

नाइट ने बनाया सर्वाधिक 310 मैच खेलने का रिकॉर्ड

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं सकी। सोफिया डंकली (16) और एलिस कैप्सी (छह) पहले 4 ओवरों के भीतर आउट हो गईं। एमी जोन्स ने 48 गेंदों में 67 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया और हीदर नाइट (21) के साथ 64 रन की साझेदारी निभाई। नाइट ने इस मुकाबले से इंग्लैंड महिला टीम के लिए सभी प्रारुपों में सर्वाधिक 310 मैच खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने चार्लोट एडवर्ड्स को पीछे छोड़ा।

यास्तिका ने 2 साल बाद की टी20 में वापसी

2 साल बाद टी20 टीम में वापसी कर रहीं यास्तिका ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 40 गेंदों पर 54 रन की पारी के दौरान 9 चौके और 1 छक्का लगाया। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए महज 76 गेंदों में 126 रन की साझेदारी कर भारतीय पारी को मजबूती दी। घुटने की सर्जरी के बाद वापसी कर रहीं यास्तिका ने केवल 31 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि जेमिमा ने भी इतनी ही गेंदों पर पचासा जड़ा। चार्ली डीन ने यास्तिका को रन आउट करने के बाद उसी ओवर में जेमिमा को चलता कर इंग्लैंड को कुछ राहत दिलाई। ऋचा घोष (4) और भारती फुलमाली जल्दी आउट हो गईं, जिससे भारत की रनगति कुछ धीमी पड़ी। दीप्ति शर्मा ने 13 गेंदों पर नाबाद 22 रन और अरुंधति रेड्डी (नाबाद 9) ने भी उपयोगी योगदान देकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

नंदनी ने मोड़ा मैच का रुख

पदार्पण कर रहीं 24 वर्षीय तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर मोड़ दिया। उन्होंने 16वें ओवर में एमी जोन्स को आउट करने के बाद अगली ही गेंद पर डैनी गिब्सन (शून्य) को पवेलियन भेज दिया। उन्होंने इसके बाद वोंग (4) को भी चलता किया। क्रांति गौड़ ने 2 विकेट झटके, जबकि श्रीचरणी और दीप्ति शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

जेमिमा रहीं 'प्लेयर ऑफ द मैच'

'प्लेयर ऑफ द मैच' जेमिमा रोड्रिग्स ने पुरस्कार समारोह में कहा, इस सफलता श्रेय काफी हद तक यास्तिका को जाता है। उन्होंने मुझ पर दबाव हावी नहीं होने दिया और हमारी साझेदारी बेहद अहम रही।' उन्होंने कहा, हमने परिस्थितियों को अच्छी तरह समझकर बल्लेबाजी की। मैं क्षेत्ररक्षकों के बीच गैप ढूंढ़कर रन बनाने की कोशिश करती हूं। मैं अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा करती हूं।

खबर संक्षेप

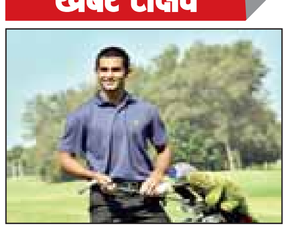

शीर्ष-10 में चिनप्पा समेत चार भारतीय

अल जदीदा। भारतीय गोल्फर त्रिशूल चिनप्पा ने आखिरी छह होल में पांच बर्डी लगाकर शानदार वापसी करते हुए एएम ग्रीन आईजीपीएल मोरक्को राइजिंग स्टार्स 2026 प्रतियोगिता के पहले दौर के बाद शीर्ष-10 में जगह बना ली। चिनप्पा 1.60 लाख डॉलर इनामी राशि वाली इस प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर हैं। उनके साथ तीन अन्य भारतीय खिलाड़ी सुधीर शर्मा, राघव चुघ और सैयद साकिब अहमद भी इसी स्थान पर मौजूद हैं। ये सभी हांगकांग के होहो यू से तीन शॉट पीछे हैं, जिन्होंने छह अंडर 66 का शानदार स्कोर बनाकर बढ़त हासिल की।

प्रैक्टिस से ब्रेक लेना पसंद नहीं : सूर्यवंशी

मुल्लांपुर। वैभव सूर्यवंशी ने नेट्स में शायद लाखों गेंदें खेली होंगी लेकिन फिर भी उन्हें एक दिन का ब्रेक लेना भी पसंद नहीं है क्योंकि अगर वह एक दिन भी अभ्यास नहीं करते तो उन्हें जिंदगी धीमी लगने लगती है।

सूर्यवंशी ने बताया, ' यह सब मेरे पिता की वजह से है। बचपन से ही उन्होंने मुझसे इतना ज्यादा अभ्यास करवाया है कि अगर मैं एक दिन भी अभ्यास नहीं करूं तो ऐसा लगता है जैसे मेरी जिंदगी थोड़ी धीमी पड़ गई हो।

आईपीएल में स्मार्ट चश्मों पर बैन

बीसीसीआई और एसीएसयू ने जारी की चेतावनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीएसयू) ने इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के स्मार्ट चश्मों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है।

बोर्ड ने इन चश्मों में मौजूद उन्नत संचार सुविधाओं को सुरक्षा और भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के लिए खतरा बताया है। बीसीसीआई एसीएसयू ने सभी फ्रेंचाइजी को जारी एक परामर्श में कहा कि कुछ कंपनियां खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को स्मार्ट चश्मे बेच रही हैं। बीसीसीआई ने कहा, इन उपकरणों में लाइव स्ट्रीमिंग, टेक्स्ट संदेश भेजने और प्राप्त करने के साथ-साथ मोबाइल डेटा या वाई-फाई के जरिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग जैसी उन्नत संचार सुविधाएं उपलब्ध हैं।

पीएमओए क्षेत्रों में संचार उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं

बीसीसीआई ने कहा, पीएमओए (खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों का क्षेत्र) के न्यूनतम मानकों के तहत ऐसे स्मार्ट चश्मों को 'ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण' और 'संचार उपकरण' दोनों श्रेणियों में रखा गया है। इसी कारण पीएमओए क्षेत्र में इन्हें रखने या इस्तेमाल करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। आईपीएल में पहले से ही खिलाड़ियों को निर्धारित पीएमओए क्षेत्रों में मोबाइल या अन्य संचार उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है।

पंत का बड़ा फैसला, छोड़ी एलएसजी की कप्तानी

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत ने आईपीएल 2026 के समापन से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स से अनुरोध किया है कि वो उन्हें कप्तानी से कार्यभार से मुक्त कर दें। इस खबर की जानकारी लखनऊ की फ्रेंचाइजी ने अपने सोशल मीडिया के जरिए दी है।

पंत की कप्तानी को लेकर लखनऊ की फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए लिखा कि ऋषभ पंत अब टीम के कप्तान नहीं रहेंगे। पंत ने खुद टीम मैनेजमेंट से कप्तानी छोड़ने की इच्छा जताई थी, जिसे फ्रेंचाइजी ने तुरंत मान लिया है। उनके इस फैसले के बाद अब वे लखनऊ की टीम के कप्तान के पद से हट गए हैं। बता दें कि ऋषभ पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने आईपीएल 2025 से पहले हुए मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं।

अनुरोध को सम्मानपूर्वक स्वीकार किया : कोच मूडी

एसएलसी के कोच टॉम मूडी ने पंत के इस फैसले पर कहा कि फ्रेंचाइजी से कप्तानी छोड़ने का अनुरोध किया और हमने सम्मानपूर्वक इसे स्वीकार किया। ऐसे फैसले कभी आसान नहीं होते। कप्तान के रूप में ऋषभ ने ड्रेसिंग रूम के लिए जो योगदान दिया है, उसके लिए हम आभारी हैं। अब हमारा पूरा फोकस टीम के पुनर्निर्माण और बेहतर प्रदर्शन पर है। हालांकि, फ्रेंचाइजी की ओर से नए कप्तान के नाम का अभी तक आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में टीम मैनेजमेंट नए कप्तान को लेकर फैसला ले सकता है।

फीफा वर्ल्ड कप : अर्जेंटीना टीम का ऐलान, इंजरी के बाद भी मेसी को मौका

एजेंसी ▶▶| ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने लगातार बढ़ती चोटों की चिंताओं के बीच स्पष्ट किया है कि कप्तान लियोनेल मेसी सहित ज्यादातर मौजूदा विश्व चैंपियन खिलाड़ी 2026 फीफा विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा होंगे।

अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार विश्व खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने 26 सदस्यीय विश्व कप टीम की घोषणा की, जिसमें 39 वर्ष के होने जा रहे लियोनेल मेसी सबसे बड़े आकर्षण हैं। इस टीम में 17 ऐसे खिलाड़ी है, जिन्होंने चार वर्ष पहले कतर में फ्रांस को हराकर अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाया था। टीम घोषित होने से पहले कई खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ था। खुद मेसी भी चोट से जूझ रहे हैं। इसी कारण वह पिछले रविवार इंटर मियामी के मैच को पूरा नहीं खेल सके थे।

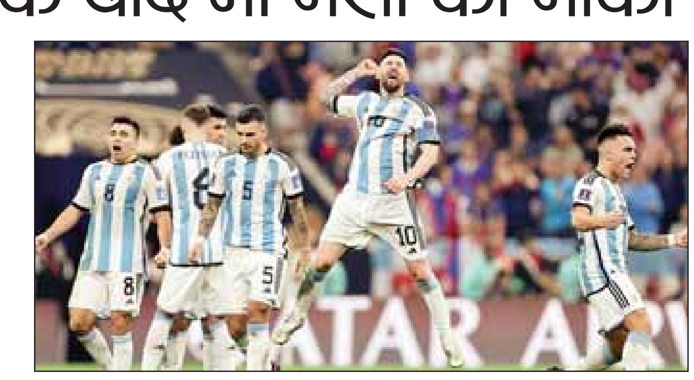

मेसी के करियर का छठा विश्व कप

मेसी अपने करियर का छठा विश्व कप खेलने जा रहे हैं। इससे पहले वह 2006 में जर्मनी, 2010 में दक्षिण अफ्रीका, 2014 में ब्राजील, 2018 में रूस और 2022 में कतर विश्व कप में हिस्सा ले चुके हैं। टीम के प्रमुख गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज को भी मौका दिया गया है। पिछले सप्ताह यूरोपा लीग फाइनल के दौरान उनकी दाहिने हाथ की अनामिका में फ्रैक्चर हो गया था। कोच स्कालोनी ने चोटिल डिफेंडर क्रिस्टियन रोमेरो को भी टीम में रखा है। इसके अलावा नाहुएल मोलिना और गोंजालो मोंटियल भी चोट से उबर रहे हैं।

आईएसएसएफ विश्व कप

तकनीकी समस्या के कारण तोमर अयोग्य घोषित

म्यूनिख। भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर को पदक दौर से पहले उपकरण से जुड़ी एक तकनीकी समस्या के कारण आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (थ्रीपी) स्पर्धा के फाइनल से अयोग्य घोषित कर दिया गया।

फाइनल से पहले दो बार के ओलंपियन ऐश्वर्य ने शानदार प्रदर्शन किया और क्वालीफिकेशन दौर में 592 के मजबूत स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहे। लेकिन प्रतियोगिता के बाद की उपकरण जांच शीर्ष 10 निशानेबाजों के लिए पदक दौर से पहले कराई गई, जिसमें आईएसएसएफ तकनीशियनों ने भारतीय निशानेबाज के उपकरण में एक खामी पाई। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के एक सूत्र ने बताया, ' वह पिछले एक साल से इसी राइफल का उपयोग कर रहे हैं।

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./5253/22/D-12/NIT-Maint./2026
Bhopal, Dated : 29.05.2026

NOTICE INVITING TENDER No. 387/MTN/2026

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.
- **Name of Work :-** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Ten Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	1	12391187.00
2	Anuppur	1	54258597.00
3	Balaghat	1	14101558.00
4	Betul	4	60935971.00
5	Bhind	2	32515825.00
6	Chhatarpur	5	110297889.00
7	Chhindwara	2	71650837.00
8	Damoh	1	17772339.00
9	Datia	1	12327145.00
10	Dewas	1	9931158.00
11	Dhar	6	82303428.00
12	Guna	1	14688354.00
13	Gwalior	2	14069703.00
14	Indore	1	2397270.00
15	Khandwa	5	28077290.00
16	Khargone	3	62700046.00
17	Mandsaur	2	35117349.00
18	Morena	2	49883373.00
19	Neemuch	1	9215130.00
20	Panna	2	31505031.00
21	Raisen	2	10155125.00
22	Ratlam	1	4192428.00
23	Sagar	3	10311997.00
24	Seoni	1	46925333.00
25	Shahdol	2	100686736.00
26	Shajapur	3	53548626.00
27	Shivpuri	2	13945762.00
28	Singrauli	1	18996366.00
29	Tikamgarh	4	50165308.00
30	Ujjain	4	49165971.00
31	Umaria	2	49754315.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **16.06.2026 from 17:30 hrs**. and last date for online bid submission is 10.07.2026 (17:00 hrs.).
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)
M.P. Madhyam/126086/2026

सिंगापुर ओपनः दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आन से यंग से लगातार 9वीं बार हारीं सिंधू

सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग, सिंधू का सफर समाप्त

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

भारतीय खिलाड़ी पीवी सिंधू विश्व नंबर एक एन से यंग के सामने लगातार दबाव बनाए रखने के लिए जरूरी निरंतरता नहीं दिखा सकीं और सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में हारकर उनका अभियान समाप्त हो गया लेकिन पुरुष युगल की दिग्गज जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बना ली। कोरिया की खिलाड़ी एन से यंग ने इस मुकाबले को 21-17, 21-14 से जीतकर सिंधू पर अपना दबदबा कायम रखा।

सिंधू ने दिखाई आक्रामक खेल की झलक

सिंधू ने बीच-बीच में अपने आक्रामक खेल की झलक दिखाई और कुछ चरणों में कोरियाई खिलाड़ी पर दबाव बनाने में सफल रहीं, लेकिन निर्णायक क्षणों में एन से यंग का बेहतर नियंत्रण, बेहतरीन मूवमेंट और महत्वपूर्ण अंकों को भुनाने की क्षमता हावी रही। इस हार के साथ सिंधू का मौजूदा ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ लगातार हार का सिलसिला 9 मैचों तक पहुंच गया है। इन मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ी केवल एक बार ही गेम जीत सकी हैं, जो 2023 बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में संभव हुआ था।

सात्विक-चिराग ने कांग-आरोन को हराया

सात्विक और चिराग ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलेशिया के खाई शिंग कांग और आरोन ताई को एक घंटे पांच मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-13 से हराया। भारतीय जोड़ी का मुकाबला शीर्ष अब वरीयता प्राप्त कोरिया के किम वॉन हो और सियो सेउंग जे से होगा, जिन्होंने सातवीं वरीयता प्राप्त ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की जापान की जोड़ी को 21-19, 21-18 से हराया। इससे पहले सिंधू ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए अपने दमदार स्मैश और तेज इंटरसेप्शन के जरिए रैलियों पर नियंत्रण बनाने की कोशिश की। वह हालांकि पहले गेम के ब्रेक के समय 7-11 से पीछे रहीं।

12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

Dr. Juneja's EYE Mantra
Ayurvedic Eye Relief Drops

• Eye Strain • Eye Dryness • Eye Tiredness • Eye Freshness • Eye Cleanliness

जबलपुर मेडिकल कालेज के पांच मेडिकल छात्रों पर आरोप से जुड़ा मामला

हाई कोर्ट ने कहा- कानूनी प्रक्रिया को होगा गलत इस्तेमाल

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की एफआईआर निरस्त करने से इंकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने शासकीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कालेज, जबलपुर के पांच मेडिकल छात्रों को राहत देने से इंकार कर दिया। पढाई के दौरान जूनियर द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के अपराध में पुलिस ने उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। गढ़ा थाने में दर्ज एफआइआर व न्यायालय में लंबित प्रकरण को निरस्त किए जाने की राहत चाहते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जस्टिस बीपी शर्मा की सिंगल बेंच ने याचिका को निरस्त करते हुए अपने आदेश में कहा है कि ऐसा कोई आधार नहीं है कि कार्रवाई को जारी रखना कानून प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल होगा। इसके विपरित जांच के दौरान एकत्र की गई जानकारी पर ट्रायल के दौरान सबूतों की जांच के बाद फैसला सुनाना जरूरी है। याचिकाकर्ता सलमान खान, विकास द्विवेदी सहित पांच मेडिकल छात्रों की ओर से दायर की गई याचिका में उनके खिलाफ तीन नवम्बर, 2020 को गढा थाने में धारा 306 व 34 के तहत दर्ज एफआइआर व ट्रायल कोर्ट में लंबित प्रकरण को निरस्त करने की राहत चाही गई थी। उनकी ओर से कहा

गया था कि अभियोजन के अनुसार भगवत देवांगन मेडिकल कालेज, जबलपुर में आर्थोपेडिक में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रहा था। याचिकाकर्ता उसी डिपार्टमेंट में सीनियर पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट थे। भगवत ने एक अक्टूबर, 2020 को अपने हास्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतक के भाई प्रहलाद व देवी देवांगन की शिकायत पर गढ़ा पुलिस ने खिलाफ प्रकरण दर्ज कर न्यायायलय में में चार्जशीट दायर की थी। जांच के दौरान पुलिस ने डा. अलौकिक गुप्ता, डा. रवि दिवाकर, डा. नवीन कुमार चोलक, डा. प्रणय खंडेलवाल और डा. सुमित नाहटा सहित कई गवाहों के धारा 161 और 164 के तहत बयान दर्ज किए थे। पुलिस ने जांच में पाया कि याचिकाकर्ता सीनियर होने के कारण भगवत को लगातार परेशान व बेइज्जत करते हुए रैगिंग करते थे। उसके साथ बार-बार बुरा बर्ताव करते हुए शारीरिक सज़ा देते थे। नहाने जाते समय भी उस पर हमला किया जाता था और क्षमता से ज्यादा काम करने के लिए मजबूर करते थे। आपरेशन थिएटर में उसे सज़ा के तौर पर मुर्गे की तरह खड़ा करके बेइज्जत करते थे। याचिकाकर्ता यह जानते हुए भी कि वह पहले से ही डिप्रेशन और मानसिक परेशानी में है,इसके बावजूद भी बेइज्जत करते रहे। जांच एजेंसी ने मृतक के मोबाइल फोन से भी जानकारी एकत्र की। याचिकाकर्ताओ की तरफ से तर्क दिया गया कि अभियोजन की कहानी को सच मान भी लिया जाए तो धारा 306 धारा 107 के जरूरी हिस्सों को पूरा नहीं करती है। प्रकरण में ऐसे कोई भी साक्ष्य नहीं है कि याचिकाकर्ता ने मरने वाले को आत्महत्या के लिए उकसाया है। आत्महत्या करने से पहने वह साइकोलॉजिकल परेशानी, डिप्रेशन और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रहा था। साइकेट्रिस्ट के प्रिसक्रिप्शन, ट्रीटमेंट रिकॉर्ड और मेडिकल डाक्यूमेंट्स से साफ है कि मरने वाला ट्रीटमेंट जारी था और वह एंग्जायटी और डिप्रेशन की दवाएं ले रहा था। इसके पूर्व भी उसने जुलाई व अगस्त 2020 में गोलियां खाकर आत्महत्या की कोशिश की थी। मेडिकल कालेज की एंटी-रैगिंग कमेटी ने पहले भी मामले की जांच कर चुकी है। कमेटी ने जांच में याचिकाकर्ताओं के खिलाफ रैगिंग का कोई मामला नहीं पाया था। मृतक ने खुद एंटी-रैगिंग कमेटी के सामने कोई शिकायत नहीं की थी। जांच के दौरान बैच-मेट्स के बयान भी दर्ज किए गए थे । उन्होने भी याचिकाकर्ताओं के खिलाफ किसी भी तरह के आरोप बयान में नहीं लगाये है। सिर्फ परेशान करना, अनुशासनात्मक व्यवहार, गाली-गलौज या काम की जगह पर आम झगड़ा आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं माना जा सकता है।

उकसाना शब्द का मतलब बहुत बड़ा

हाई कोर्ट ने अपने आदेष में कहा है कि उकसाना शब्द का मतलब बहुत बड़ा है और इसमें न महज सीधा उकसाना शामिल है, बल्कि ऐसा लगातार व्यवहार भी शामिल है जिससे ऐसे हालात बन जाते हैं कि मृतक के पास यह कदम उठाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता। जांच के दौरान एकत्र किए गए साक्ष्यों को स्वीकार किया जाए तो मौजूदा याचिकाकर्ताओं के खिलाफ धारा 306 व 34 के तहत पहली नजर में मामला बताता है। याचिकाकर्ताओं पर मृतक को लगातार हैरेसमेंट, बेइज्जत और रैगिंग करने के आरोप है। डिपार्टमेंटल या इंस्टीट्यूशनल जांच का दायरा क्रिमिनल जांच के दायरे से बिल्कुल अलग होता है। एंटी-रैगिंग कमेटी को इंस्टीट्यूशनल कार्रवाई के लिए साक्ष्य नहीं मिले, इसका मतलब यह नहीं है कि क्रिमिनल जांच अपने आप खत्म हो जाएगी। जांच एजेंसी ने इंडिपेंडेंट सबूत एकत्र किए हैं। ट्रायल कोर्ट के सामने लंबित आपराधिक कार्रवाई में कोई कानूनी कमी नहीं है। कोई आधार नहीं है कि कार्रवाई को जारी रखना कानून की प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल होगा। हाई कोर्ट ने उक्त आदेश के साथ याचिकाओं को निरस्त कर दिया।

अब 3 जून को होगी

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की दूसरी जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

जबलपुर। भ्रष्टाचार और मनी लॉनड्रिंग मामले में जेल में बंद परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की जमानत की अर्जी पर मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई टल गई। जस्टिस देवनारायण मिश्रा की सिंगल बेंच में शुक्रवार को मामले की सुनवाई होनी थी। लेकिन नंबर नहीं आ सका। कोर्ट ने मामले पर अगली सुनवाई 3 जून को करने के निर्देश दिए। शर्मा ने अपनी दूसरी जमानत याचिका में कहा है कि उसकी पत्नी दिव्या तिवारी डिविएटेड नेज़ल सेप्टम और क्रोनिक साइनसाइटिस जैसी समस्या से पीड़ित हैं। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कहा गया है कि उन्हें तत्काल फंक्शनल एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी की आवश्यकता है। यह भी कहा गया कि सर्जरी के बाद लंबे पोस्ट-ऑपरेटिव केयर की जरुरत होगी और ऐसे समय में पति की मौजूदगी जरुरी है।

गौरतलब है कि ईडी और लोकायुक्त की जांच में सामने आया था कि सौरभ शर्मा ने कथित तौर पर अपनी करोड़ों की अवैध कमाई को छिपाने के लिए कई लोगों के नाम का इस्तेमाल किया। जांच एजेंसियों के अनुसार अविरल बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों में उसके दोस्त चेतन सिंह गौर, सहयोगी शरद जायसवाल और रोहित तिवारी को डायरेक्टर बनाया गया। जांच एजेंसियों के मुताबिक दुबई में करोड़ों का विला, भोपाल के आलीशान बंगले, ग्वालियर की जमीनें और इंदौर की आवासीय परियोजनाएं भी इसी नेटवर्क का हिस्सा थीं। इस मामले में एक बार शर्मा की जमानत अर्जी हाईकोर्ट ठुकरा चुकी है।

अस्पताल की जरूरतों के अनुसार विकास कार्य करने के निर्देश

मेडिकल कॉलेज री-डेवलपमेंट प्लान पर मंथन

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शुक्रवार को री-डेवलपमेंट प्लान को लेकर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल और स्वास्थ्य सेवाएं आयुक्त धनराजू एस ने विकास कार्यों एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि अस्पताल की व्यावहारिक आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए विकास योजना तैयार की जाए। बैठक में निर्माण कार्यों, शैक्षणिक व्यवस्थाओं, मैनपावर और बजट संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई।

अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कार्यप्रणाली में नवाचार लाकर स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। बैठक में संभागायुक्त धनंजय सिंह, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और डीन नवनीत सक्सेना सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टेट कैंसर यूनिट का किया निरीक्षण- बैठक के बाद अपर मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सेवाएं आयुक्त ने नवनिर्मित स्टेट कैंसर यूनिट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इंजन खराब होने की चेतावनी के बावजूद जारी रहा संचालन

बरगी क्रूज हादसे में गोपनीय पत्र बना जांच का अहम आधार

जबलपुर। बरगी क्रूज हादसे से जुड़ा गोपनीय पत्र अब न्यायिक जांच का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है। पत्र में क्रूज के दोनों इंजनों में गंभीर तकनीकी खराबी की जानकारी दी गई थी। अब यही दस्तावेज जांच आयोग तक पहुंच चुका है और पूरे मामले में अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने का आधार बन रहा है। रिटायर्ड जस्टिस संजय द्विवेदी की अध्यक्षता में चल रही जांच में यह सवाल प्रमुखता से उठ रहा है कि तकनीकी खामी की जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार पत्र में स्पष्ट उल्लेख था कि क्रूज का एक इंजन पूरी तरह खराब हो चुका था, जबकि दूसरा इंजन भी लगातार स्टार्ट होने में दिक्कत दे रहा था। यह जानकारी मध्यप्रदेश टूरिज्म विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों तक पहुंचाई गई थी। इसके बावजूद क्रूज का संचालन बंद नहीं किया गया और पर्यटकों को लेकर उसे लगातार पानी में उतारा जाता रहा। अब आयोग तकनीकी रिपोर्ट, पत्राचार और संचालन से जुड़े रिकॉर्ड के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रहा है।

जांच आयोग ने तलब किए अधिकारी

जांच आयोग ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा, मैकल वोट क्लब के मैनेजर और एमपी टूरिज्म के टेक्निकल एक्सपर्ट को बयान के लिए तलब किया है। बुधवार को टेक्निकल एक्सपर्ट ने आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखा। रिटायर्ड जस्टिस संजय द्विवेदी ने माना कि पत्र की जानकारी मिलने के बाद भी कार्रवाई नहीं होना जांच का गंभीर विषय है। आयोग अब यह भी परख रहा है कि सुरक्षा निगरानी और संचालन व्यवस्था में ऐसी कौन-सी खामियां थीं, जिनकी वजह से चेतावनी के बावजूद क्रूज का संचालन जारी रखा गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र दुबे निलंबित

जबलपुर। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र कुमार दुबे को गंभीर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता और अनुशासनहीनता के आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश द्वारा मप्र सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत यह कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन कार्यालय, जिला दमोह निर्धारित किया गया है। जानकारी के अनुसार देवेंद्र कुमार दुबे के खिलाफ विभाग को लगातार कई शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। विभागीय आदेश में उनके कार्य व्यवहार को गंभीर लापरवाहीपूर्ण माना गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी। विभागीय कार्रवाई के बाद प्रशासनिक हलकों में मामले को लेकर चर्चा बनी हुई है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग जारी करेगा

ठेका सफाई कर्मियों का शोषण गंभीर मामला : कानूनगो

जबलपुर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने शुक्रवार को शहर में दो दिवसीय निरीक्षण और विभागीय बैठकों के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए ठेका सफाई कर्मियों के वेतन शोषण को गंभीर मामला बताया। उन्होंने कहा कि आयोग के पास ऐसी कई शिकायतें पहुंची हैं, जिनमें कर्मचारियों को न्यूनतम वेतनमान से भी कम भुगतान किए जाने की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि नगर निगम के प्रतिनिधियों को वीडियो साक्ष्यों के माध्यम से इस स्थिति से अवगत कराया गया है। साथ ही श्रम विभाग के अधिकारियों को भी मामले की जानकारी दी गई है। श्री कानूनगो ने कहा कि दिल्ली लौटने के बाद स्थानीय प्रशासन को इस संबंध में नोटिस जारी किया जाएगा।

बैठकों से अधिकारियों की दूरी पर जताई नाराजगी

पत्रकारवार्ता के दौरान आयोग सदस्य ने विभागीय अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को आयोजित बैठक में नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित नहीं हुए। इसके अलावा परियट क्षेत्र में डेयरी अपशिष्ट से नदियों में फैल रहे प्रदूषण के निरीक्षण के दौरान भी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को बुलाने के बावजूद वे मौके पर नहीं पहुंचे। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की बात कही।

रेलवे के ठेका कर्मियों का भी उठाया मुद्दा

प्रियंक कानूनगो ने कहा कि एससी-एसटी वर्ग के सफाई कर्मियों को आधे से भी कम वेतन दिया जाना श्रमिकों के साथ अन्याय है। उन्होंने चंदन वाल्मीकि नामक कर्मचारी का उदाहरण देते हुए बताया कि वह कई वर्षों से रेलवे में ठेकेदार के माध्यम से कार्यरत है और वेतन खाते में आने के बाद ठेकेदार एटीएम से आधी राशि निकाल लेते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पूरा भुगतान किया जा रहा है, लेकिन ठेकेदार स्तर पर अनियमितता हो रही है। इस मामले में पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

दुकान के बाहर रखी आरमेट केबल चोरी

जबलपुर। गौरीघाट थाना अतंर्गत भीमनगर में एक इलेक्ट्रानिक दुकान के सामने स्थित गोदाम के बाहर रखी 60 मीटर आरमेट केबल अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। गौरीघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गीत बिहार कालोनी निवासी 20 वर्षीय अंकित सिंह, भीमनगर स्थित नितेश सिंह की इलेक्ट्रानिक दुकान की देखरेख का काम करता है। दुकान का मालिक नितेश सिंह कटनी में रहता है। गत दोपहर लगभग 12 बजे अंकित ने दुकान के सामने गोदाम में जाकर सामान चैक किया तो गोदाम के बाहर आरमेट केवल रखी हुयी थी। दूसरे दिन दोपहर लगभग 12 बजे जाकर गोदाम के बाहर चैक किया तो गोदाम के बार रखी आरमेट केबल लम्बाई लगभग 60 मीटर कीमती लगभग 80 हजार रूपये की अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

24 घंटों में आंधी-बारिश की चेतावनी

नौतपा का पांचवां दिन रहा बादलों की पहरेदारी में

जबलपुर। नौतपा के पांचवे दिन भी बादलों और सूर्य की तपन के बीच जोर आजमाईश चलती रही। कभी धूप भारी पड़ी तो कभी बादलों का पहरा भारी पड़ा। दिन और रात का तापमान बादलों की कड़ी पहरेदारी के कारण नियंत्रित होकर औसत से नीचे आ गया, लेकिन वातावरण में नमी बढ़ने से उमस लोगों को परेशान कर रही है। गुरुवार की रात हुई बारिश के बाद पारे में गिरावट आई और धूप की तेज तपन से आंशिक राहत मिली, लेकिन उमस बैचेन करती रही। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर तेज आंधी चल सकती है। वहीं कई जगहों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारे भी पड़ सकती है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया बादलों की आवाजाही से भगवान सूर्यदेव और बादलों के बीच

लुकाछिपी का खेल चल रहा है। कभी धूप तेज हो जाती है तो कभी अचानक बादल छाकर बूदांबादी करने लगते है। इसी बीच में हवाएं भी अपना असर दिखाने लगती है। नौतपा में जब लोग भीषण गर्मी का अंदाजा लगाते है और एहसास भी करते है। तब मौसम के तेवर बदले बदले नजर आ रहे है और इससे मानसूनी वर्षा को लेकर चर्चाओं का दौर छिड़ गया। मौसम कार्यालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 24.4 भी सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। जबकि गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 38.6 और न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री दर्ज किया गया था। हवा में नमी प्रातःकाल 52 प्रतिशत और सायंकाल 25 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.24 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 6.51 पर हुआ। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर तेज आंधी के साथ बूंदाबांदी होनी की चेतावनी भी दी गई है। उत्तर पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। प्रदेश में सबसे अधिक 46.5 डिग्री खजुराहो जिले में दर्ज किया गया।

सायबर ठगों ने की धोखाधड़ी, प्रकरण दर्ज

किड्स क्लब ग्रुप के नाम पर प्रसूता से 2 लाख हड़पे

जबलपुर। गोरखपुर थाना अतंर्गत विजयनगर छापर रामपुर में चाइल्ड मॉडल के नाम पर एक नव प्रसूता को सायबर ठगों ने दो लाख की चपत लगा दी। समय रहते महिला को अपने साथ हो रही ठगी की समझ आ गई और वह सतर्क होने पर लंबी चपत से बच गई। पुलिस धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार विजयनगर छापर रामपुर निवासी 33 वर्षीय श्रीमति प्रियंका तिवारी के फेसबुक के मैसेंजर में एक प्रोफाईल के द्वारा गत सुबह 9.23 बजे एक लियोग्लास के नाम से एसएमएस आया, जो फेसबुक की साईट में है इनके द्वारा उसके चाईल्ड मॉडल के लिये एसएमएस आया जिसके बाद उनके द्वारा उसे एक एप की लिंक दिया उसने टेलीग्राम एप इंस्टाल किया जो लिंक उनके द्वारा दी गई आई डी-एडदरेडएडी-चटर्जी डिंगा668 है जिसके बाद प्रियंका ने उसके टेलीग्राम में किड्स क्लब ग्रुप में ज्वाइन कराया और एक पेज को पास करने को कहा कि आप 150 रिवर्ड केस जीते हैं और उससे अकाण्ट की जानकारी मांगी और 150 रूपये ट्रांसफर में आये फिर उन्होंने उससे 1 हजार रूपये मांगे और 1 हजार 300 रूपये दिये फिर 5 हजार रूपये मांगे और और 8 हजार 450 रूपये उसके खाते में दिये, फिर उन्होंने उससे 15 हजार रूपये मांगे फिर 48 हजार रूपये मांगे की यदि आप पैसे नहीं देते हैं तो जमा पैसे वापस नहीं होगा इसके बाद टेलीग्राम में कल्याणी स्वामी से बात हुयी उसने 48 हजार रूपये शेख अलुसेम करीम को गूगल पे किया फिर उससे 1 लाख रुपए मांगे कि आपके ये पैसे तभी वापस होगें जब ये ट्रांजेक्शन करेगें, 50 हजार रूपये शीतल प्रसाद एनएसडीएल बैंक के अकाउण्ट में पेमेण्ट किये और 50 हजार रूपये रानी कुमारी को ट्रांजेक्शन किया फिर 2 अकाउण्ट और दिये 2 लाख 30 हजार रूपये के लिये अनिश दुबे एवं तरून सिंघल के लेकिन इन खातों में उसने कोई राशि नहीं भेजी, उसने उन्हें कुल राशि 1 लाख 69 हजार 500 रूपये दिये और 4955 राशि उसके खाते में होल्ड कर दी गई है। उसका खाता एसबीआई 1 लाख 19 हजार 500 रूपये, बीओआई से 50 हजार रूपये इन दोनों खातों से लेनदेन हुआ है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240